शर्मा शर्डअवेब
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 09 | अंक : 96 | गुवाहाटी | रविवार, 30 अक्तूबर, 2022 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

राज्य सरकार के संयुक्त सचिव रिश्वत लेते गिरफ्तार पेज 3

दिल्ली-एनसीआर की आबोहवा बेहद खराब, 24 उद्योग बंद करने के आदेश पेज 4

रूस के राष्ट्रपति ने भी माना, मोदी जैसे राष्ट्रभक्त दुनिया में नहीं : दिनेश शर्मा पेज 5

पीएम नरेंद्र मोदी की मानगढ़ धाम पर सभा से तीन राज्यों में पहुंचेगा सियासी संदेश पेज 8

पूर्वांचल केशरी
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path,
Near Dona Planet
ABC, G.S. Road,
Guwahati - 05
97079-99344

नए आईटी नियमों से कंपनियां होंगी और अलर्ट, 72 घंटे के भीतर हटाई जाएगी फेक न्यूज : राजीव चंद्रशेखर

नई दिल्ली। सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने आईटी नियमों में किए गए संशोधन को लेकर शनिवार को तमाम जानकारियां शेयर कीं। उन्होंने कहा कि नए नियम सोशल मीडिया कंपनियों पर और अधिक सावधानी बरतने का दायित्व डालेंगे, ताकि उनके मंच पर कोई भी गैरकानूनी सामग्री या गलत सूचना पोस्ट न की जाए। सोशल मीडिया मंचों पर उपलब्ध सामग्रियों और अन्य मुद्दों को लेकर दर्ज शिकायतों का निपटारा करने के लिए सरकार ने आईटी नियमों में बदलाव किया है और तीन महीने में अपीलीय समितियों का गठन की घोषणा की है। ये समितियां मेटा और ट्विटर जैसी सोशल मीडिया कंपनियों की ओर से सामग्री के नियमन के संबंध में किए गए फैसलों की समीक्षा कर सकेंगी। तीन सदस्यीय शिकायत अपीलीय समितियों (जीएसी) के गठन को चंद्रशेखर ने जरूरी बताया। उन्होंने कहा कि सरकार नागरिकों से मिले उन लाखों संदेशों से अवगत है जिनमें सोशल मीडिया कंपनियों पर उनकी

शिकायतों का सही ढंग से हल नहीं निकालने की बात कही गई है। उन्होंने कहा कि यह स्वीकार्य नहीं है। चंद्रशेखर ने कहा कि सरकार सोशल मीडिया कंपनियों को साझेदारों की तरह काम करते हुए देखना चाहती है, ताकि *डिजिटल नागरिकों* के हितों की रक्षा सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने कहा कि पहले मध्यवर्तियों का दायित्व उपयोगकर्ताओं को नियमों के बारे में सूचित करने तक था, लेकिन अब इन मंचों के कुछ और निश्चित दायित्व हैं। उन्हें प्रयास करने होंगे कि कोई भी गैरकानूनी सामग्री उनके मंच पर पोस्ट न हो। बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनियों को सख्त संदेश देते हुए मंत्री ने -शेष पृष्ठ दो पर

गुजरात कैबिनेट में यूनिफॉर्म सिविल कोड संबंधी प्रस्ताव पास

अहमदाबाद (हि.स.)। गुजरात विधानसभा चुनाव से पहले राज्य की भाजपा नीत सरकार की अंतिम कैबिनेट बैठक में राज्य में यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू करने से संबंधित प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई है। इसके साथ ही कॉमन सिविल कोड का प्रारूप तय करने के लिए सुप्रीम कोर्ट/हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय समिति गठित करने का भी निर्णय लिया गया है। इस संबंध में केंद्रीय मंत्री पुरुषोत्तम रुपाला और गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी ने प्रेस कांफ्रेंस कर जानकारी दी। केंद्रीय मंत्री रुपाला ने कहा कि देश में एक कानून हो तो कई तरह से फायदा होगा। सभी नागरिकों को एक समान अधिकार मिलेगा। सर्वानुमति से निर्णय लिया जाए तो यह लोकतंत्र की ताकत होगा। पूर्व में अलग-अलग कानून थे। कैबिनेट में लिए गए -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

एक राजा की ताकत उसकी शक्तिशाली भुजाओं में होती है। ब्राह्मण की ताकत उसके आध्यात्मिक ज्ञान में और एक औरत की ताकत उसकी खूबसूरती, यौवन और मधुर वाणी में होती है।

- आचार्य चाणक्य

एपीएससी परीक्षा में उत्तीर्ण 655 उम्मीदवारों को दिए गए नियुक्ति पत्र

सभी को जनता के लिए हर पल प्रतिबद्ध होना होगा : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हि.स.)। असम सरकार ने शनिवार को गुवाहाटी के पांजाबारी स्थित श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र में आयोजित समारोह में असम लोक सेवा आयोग (एपीएससी) की परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले 655 उम्मीदवारों को औपचारिक रूप से नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र सौंपे। डॉ. शर्मा ने कहा कि पिछले दो दशकों में हम योग्यता के साथ समझौते के कारण काफी पिछड़ चुके हैं, अन्य राज्य आगे बढ़ गए हैं। नई नियुक्तियों में आने वाले सभी को हर पल जनता के लिए प्रतिबद्ध होना होगा। पिछले एक साल में 40,000 नौकरियां आई हैं। उन्होंने कहा कि आज हमारे लिए दुखद दिन है। एसीएस अधिकारी रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार हुआ है। गृह विभाग के अधिकारियों के घर से लाखों रुपए बरामद किए गए हैं। अधिकारी के घर से लाखों रुपए निकलेंगे तो आप हम पर कहां -शेष पृष्ठ दो पर

शिलांग हिंसा : एफकेजेजीपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

शिलांग (हि.स.)। पूर्वी खासीपहाड़ जिला प्रशासन ने पैदल चलने वाले राहगीरों पर हमला करने के लिए फेडरेशन ऑफ खासी जयंतिया एंड गारो पीपुल (एफकेजेजीपी) के खिलाफ स्वत: संज्ञान लेते हुए प्राथमिकी दर्ज की है। शुक्रवार को राजधानी शिलांग में फेडरेशन ऑफ खासी जयंतिया एंड गारो पीपुल (एफकेजेजीपी) के बैनर तले विरोध मार्च निकाला गया था, इस दौरान एफकेजीजीपी प्रदर्शनकारियों ने सड़कों पर जमकर उपद्रव किया और वहां से गुजरने वाले गैर आदिवासी राहगीरों को निशाना बनाते हुए तोड़फोड़ की थी। शनिवार को मिली जानकारी के अनुसार एफकेजेजीपी के सभी प्रमुख नेता वर्तमान में भूमिगत हो गए हैं। उन्होंने स्थानीय मीडिया को एक वीडियो संदेश जारी कर घटना के लिए खेद जताया है। वहीं, राज्य के विभिन्न सामाजिक संगठनों से -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

हिंदुओं की सुरक्षा हमारी पहली प्राथमिकता : महमूद

कोलकाता (हि.स.)। हाल के दिनों में बांग्लादेश में हिंदू समुदाय पर हुए हमलों के बीच शनिवार को कोलकाता पहुंचे बांग्लादेश के सूचना मंत्री हसन महमूद ने कहा कि उनकी सरकार देश के अल्पसंख्यक हिंदुओं की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। बांग्लादेश की विकास यात्रा को केंद्र कर कोलकाता प्रेस क्लब में आयोजित कार्यक्रम में हसन महमूद ने कहा कि हाल ही में बांग्लादेश -शेष पृष्ठ दो पर

फिलीपींस में बाढ़ और भूस्खलन से 72 लोगों की मौत

कातरमैन। फिलीपींस के एक दक्षिणी प्रांत में भारी बारिश के चलते बाढ़ और भूस्खलन से 72 लोगों की मौत हो गई है। इसके साथ ही करीब 14 लोग लापता और 33 लोग घायल हैं। बारिश के चलते कई इलाकों में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं, इससे लोग अपने घरों में फंस गए हैं। पहले बारिश और भूस्खलन से मांगे गए लोगों की संख्या 45 बताई गई थी। बाद -शेष पृष्ठ दो पर

कुएं की सफाई के दौरान चार की मौत, एक घायल

हैलाकांदी। राज्य के हैलाकांदी जिले में शनिवार को एक कुएं की सफाई के दौरान एक बड़ा हादसा हो गया। जानकारी के मुताबिक, हैलाकांदी जिले में कुएं की सफाई के वक्त कम से कम चार लोगों की मौत हो गई और एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने ये जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि हैलाकांदी जिले के अलगापुर मंडल के बकरीहावर पार्ट-1 में यह घटना हुई। उन्होंने कहा कि घटना के दौरान, कुछ मजूर कुएं की सफाई कर रहे थे, जिसमें एक मजदूर गिर गया और फिर उसे बचाने गए कई और मजदूर भी -शेष पृष्ठ दो पर

प्रबंधन की भूमिका को लेकर ईसी करेगा दो दिवसीय कार्यक्रम

नई दिल्ली। भारतीय निर्वाचन आयोग राष्ट्रीय राजधानी में *चुनाव प्रबंधन निकायों की भूमिका, रूपरेखा और क्षमता* विषय पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की आयोजित कर रहा है। इस दो दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन 31 अक्तूबर और 1 नवंबर को किया जाएगा। इस कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार करेंगे। इस कार्यक्रम के समापन सत्र की अध्यक्षता चुनाव आयुक्त अनूप चंद्र पांडेय करेंगे। निर्वाचन आयोग ने *चुनाव अखंडता* पर समूह के नेतृत्व के तौर पर एक सहयोगी दृष्टिकोण अपनाया है और इस कार्यक्रम में ग्रीस, मारीशस और आईएफईएस को सह-नेतृत्व के लिए आमंत्रित किया है। साथ ही निर्वाचन आयोग ने दुनिया भर में चुनावों के संचालन से संबंधित ईएमबी और सरकारी समकक्षों के अलावा यूएनडीपी और अंतर्राष्ट्रीय आईडिया -शेष पृष्ठ दो पर

दस लाख नौकरियां देने के लिए काम कर रही है सरकार : पीएम

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि केंद्र सरकार 10 लाख नौकरियां देने पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य और केंद्र शासित प्रदेश भी अभियान से जुड़ रहे हैं, जिससे इस संख्या में काफी इजाफा होगा। प्रधानमंत्री मोदी वीडियो संदेश के माध्यम से गुजरात रोजगार मेले को संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री ने हजारों युवा उम्मीदवारों को बधाई दी, जिन्हें विभिन्न ग्रेडों में विभिन्न पदों पर नियुक्ति पत्र दिए गए थे। प्रधानमंत्री ने याद किया कि धनतेरस के शुभ दिन पर उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर रोजगार मेला शुरू किया जहां उन्होंने 75,000 उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। प्रधानमंत्री -शेष पृष्ठ दो पर

नीतीश के आवास पर लोक आस्था के पर्व की रौनक बिहार के सभी नेताओं के घर गूंज रहे छठ गीत

पटना। राजनेताओं के घर में भी महापर्व छठ की रौनक है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के स्वजन सात सर्कुलर रोड स्थित सरकारी आवास पर छठ कर रहे हैं। मुख्यमंत्री फिलहाल इसी आवास में रहे रहे हैं। यहां सात छठ व्रती महिलाएं सूर्य को अर्घ्य देंगी। यह दूसरा मौका है, जब मुख्यमंत्री के स्वजनों का छठ सर्कुलर रोड स्थित आवास पर होगा। इससे पहले एक अणे मार्ग स्थित आवास परिसर में ही छठ का अनुष्ठान होता था। छठ व्रतियों में मुख्यमंत्री की भाभी, सरहज, भतीजी, भांजी व भांजे की पत्नी -शेष पृष्ठ दो पर

असम के राज्यपाल ने दी छठ पूजा की बधाई

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के राज्यपाल प्रो. जगदीश मुखी ने आत्म-अनुशासन, आस्था, विश्वास और सूर्य भगवान की प्रार्थना के त्योहार छठ पूजा के अवसर पर राज्य के लोगों को शुभकामनाएं दी हैं। अपने संदेश में राज्यपाल मुखी ने कहा कि मैं छठ पूजा के पवित्र अवसर पर राज्य भर के लोगों को अपनी -शेष पृष्ठ दो पर

इंटरनेट और सोशल मीडिया बना आतंकियों की टूलकिट का अहम इंस्ट्रूमेंट : जयशंकर

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने आतंकवाद को मानवता के लिए सबसे गंभीर खतरों में से एक बताया है। दिल्ली में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की आतंकवाद रोधी समिति की बैठक को शनिवार को संबोधित करते उन्होंने यह बात कही। जयशंकर ने आतंकवादी समूहों की ओर से नई टेक्नोलॉजी के दुरुपयोग का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि इंटरनेट और सोशल मीडिया मंच आतंकवादियों और आतंकी समूहों की टूलकिट में प्रभावशाली उपकरण बनकर उभरे हैं। जयशंकर ने कहा कि हाल के वर्षों में खासतौर से खुले और उदार समाज में आतंकवादी समूहों, उनके वैचारिक अनुयायियों और अकेले हमला करने वाले लोगों ने इन तकनीकों तक पहुंच हासिल करके अपनी क्षमताएं बढ़ा ली हैं। वे आजादी, सहिष्णुता -शेष पृष्ठ दो पर

मेरठ में 400 हिंदुओं के मतांतरण मामले में नौ के खिलाफ मुकदमा दर्ज

मेरठ (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले में 400 हिंदुओं के मतांतरण के मामले में नौ लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। भाजपा के महानगर मंत्री दीपक शर्मा के आरोपों के बाद शुरू हुई जांच में इस पूरे मामले के तार दिल्ली से जुड़े पाए गए हैं। शर्मा ने 400 हिंदुओं को जबरन ईसाई बनाने का आरोप लगाया था। एक अस्थायी चर्च की जांच में मिले दस्तावेज से पता चला है कि सुनियोजित तरीके से मतांतरण कराया गया। पुलिस के साथ ही इंटेलीजेंस, एलआईयू की टीम भी जांच में जुटी

CLASSIFIED

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

NAME CHANGE

I, Wadakar Mahendra Dattatray wedded spouse of No.-JC 702754 A, Rank Sub/Lab Tech, Name Sushma Mahendra Wadkar, R/O- QTR No.-08/01, Base Hospital Complex, P.O. & P.S. Tezpur, District- Sonitpur, Assam-784001, that I have changed my Wife's name from Sushama M Wadkar to Sushma Mahendra Wadkar, DOB is 26/08/1982 Before the vide affidavit before the Notary Sonitpur, Tezpur, Assam on 11/10/2022 hereby declared that Sushma Mahendra Wadkar and Sushama M Wadkar pertain to one and the same person.

NAME CHANGE

I, Wadakar Mahendra Dattatray father of of No.-JC 702754 A, Rank Sub/Lab Tech, Name Tejasvi Mahendra Wadkar, R/O- QTR No.-08/01, Base Hospital Complex, P.O. & P.S. Tezpur, District-Sonitpur, Assam- 784001 That I have changed my daughter's name from Tejasvi to Tejasvi Mahendra Wadkar, DOB is 05/Oct/2012. Vide affidavit before the Notary , Sonitpur, Tezpur, Assam hereby declared that Tejasvi and Tejasvi Mahendra Wadkar pertain to one and the same person.

असम माइक्रोफाइनेंस प्रोत्साहन और राहत योजना के दूसरे संस्करण का शुभारंभ

राज्य सरकार प्रत्येक जिले में अरुणोदय लाभार्थी की संख्या बढ़ाएगी : मंत्री पटवारी

रंगिया (दिनेश अग्रवाल)। राज्य सरकार के परिवेश और वन मंत्री तथा कामरूप जिला के अभिभावक मंत्री चन्द्र मोहन पटवारी ने आज अमीनगांव स्थित एकीकृत उपायुक्त कार्यालय प्रांगण में राज्य सरकार के वित्त विभाग और कामरूप जिला प्रशासन के सौजन्य आयोजित एक कार्यक्रम में असम माइक्रोफाइनेंस इंसेंटिव एंड रिलीफ स्कीम-2021 के अधीन कामरूप जिला के द्वितीय श्रेणी के लाभ्यार्थियों को सहायता वितरण कार्यक्रम का समारोह पूर्ण रूप से शुभारंभ किया। उल्लेखनीय है कि इस कार्यक्रम से कामरूप जिला के कुल 7211 लाभ्यार्थीयों को लाभ मिलेगा और इसके लिये राज्य सरकार के 12 करोड़ रुपये से अधिक पूंजी खर्च होगी। मंत्री पटवारी ने आज आधिकारिक रूप से 10 लाभार्थियों को सांकेतिक चेक सौंपे तथा आयोजन स्थल पर स्थापित विभिन्न काउंटरों के माध्यम से कुल 1000 लाभार्थियों को चेक वितरित किए गए। शेष लाभार्थियों का वितरण आयुक्त कार्यालय, चक्र अधिकारी कार्यालय एवं अंचल विकास अधिकारी कार्यालय के माध्यम से किया जायेगा। उल्लेखनीय है कि इस योजना के माध्यम से जिले में प्रथम श्रेणी के कुल 72000 लाभ्यार्थी वर्तमान इस योजना से लाभान्वित हो चुके हैं। इस मौके पर आयोजित बैठक को संबोधित करते हुए जिले के अभिभावक मंत्री पटवारी ने मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा को महिला सशक्तिकरण की दिशा में लिए गए महत्वपूर्ण योजनाओं के कदमों के लिए विशेष रूप से धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि अतीत में कर्ज में डूबी महिलाओं को एक दर्दनाक जीवन जीना पड़ता थाउन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने राज्य के विभिन्न स्थानों का भ्रमण करते महिलाओं की चिंता को कम करने के उद्देश्य से यह योजना प्रारंभ की है। मौजूदा मुख्यमंत्री को अपने वादों के मुताबिक काम करने वाला मुख्यमंत्री बताते हुए मंत्री ने कहा कि असम देश का एकमात्र राज्य है जहां माइक्रोफाइनेंस ऋण प्रोत्साहन और राहत कार्यक्रमों को लागू किया गया है। अपने भाषण में, मंत्री ने राज्य में महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए मुख्यमंत्री के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा शुरू की गई अरुनोदई जैसी अग्रणी योजनाओं का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जल्द ही प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में अरुणोदई योजना के लाभार्थियों की संख्या बढ़ाकर 6,000 तक वृद्धि कर देगी। मंत्री ने महिला समुदाय से अपने काम में ऋण राशि का निवेश करके आत्मनिर्भरता का एक उत्कृष्ट उदाहरण स्थापित करने का भी आग्रह किया। समारोह में बोलते हुए, राज्यसभा सांसद भुवनेश्वर कलिता ने कहा कि माइक्रोफाइनेंस प्रोत्साहन और राहत योजना-2021 राज्य में महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा द्वारा शुरू की गई एक अभिनव योजना है। इस संदर्भ में उन्होंने कहा कि महिलाएं आत्मनिर्भर होंगी तो परिवार आत्मनिर्भर होगा और परिवार आत्मनिर्भर होने पर ही समाज, राज्य और देश आत्मनिर्भर बन सकता है। कार्यक्रम में हाजो की विधायिका सुमन हरिप्रिया और कमलपुर विधायक दिगंत कलिता ने भी भाषण प्रदान किया। इस कार्यक्रम में कामरूप जिला विकास आयुक्त नरसिंह बे ने स्वागत भाषण प्रदान किया और समारोह में जिला उपायुक्त कीर्ति जल्ली सहित कई गणमान्य व्यक्तियों और लाभार्थियों ने भाग लिया।

भाजपा, यूपीपीएल और अगप गठबंधन के पक्ष में होंगी राज्य की 14 लोस सीटें : प्रमोद बोडो

कोकराझाड़ (हि.स.)। बोडोलैंड टेरिटोरियल रिजन (बीटीआर) के मुख्य कार्यकारी पार्षद (सीईएम) और यूपीपीएल पार्टी के अध्यक्ष प्रमोद बोरो ने कहा है कि चुनाव आए या न आए, लेकिन राजनेताओं का दिमाग हमेशा चुनाव की बात करता रहता है। कोकराझाड़ में 2024 के लोकसभा चुनाव के बारे में पूछे जाने पर बोडो ने कहा कि वर्तमान में लोग इस बात पर नजर रख रहे हैं कि भारत, असम के साथ-साथ परिषद (बीटीआर) की राजनीति किस दिशा में आगे बढ़ रही है। एक बात सच है कि असम की सभी 14 लोकसभा सीटों पर भाजपा, यूपीपीएल और अगप गठबंधन का कब्जा करने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्वशर्मा के नेतृत्व में कार्य चल रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ सालों में राज्य की सत्ताधारी गठबंधन ने जो काम किया है, उसे देखते हुए हमें नहीं लगता कि लोकसभा चुनाव के लिए कुछ भी बहुत ज्यादा करना होगा। बोडो ने जोर देकर कहा कि लोग आगामी लोकसभा चुनावों में भी गठबंधन उम्मीदवारों के पक्ष में मतदान करेंगे। इस बीच, बीती रात करीब 11 बजे, पूर्व बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) पार्टी के अल्पसंख्यक नेता और पूर्व ऑल असम माइनारिटी स्टूडेंट यूनियन (आम्सू) नेता अनवर हुसैन कोकराझाड़ शहर में मुख्य कार्यकारी प्रमोद बोडो के आवास पर औपचारिक रूप से यूपीपीएल पार्टी में शामिल हो गए। यूपीपीएल में शामिल होने के तुरंत बाद हुसैन बीपीएफ के प्रति आक्रामक हो गए। उन्होंने कहा कि बीपीएफ योग्य व्यक्तियों की स्थिति को समझने की कोशिश नहीं करती है, बल्कि केवल इसका उपयोग करना चाहती है।

पूसीरे ने मार्च, 2023 से दो जोड़ी एक्सप्रेस ट्रेनों की संख्या बदलने का लिया फैसला

गुवाहाटी (हि.स.)। पूर्वोत्तर सीमा रेल (पूसीरे) ने मार्च, 2023 से प्रभावी सप्ताह में दो लंबी दूरी की एक्सप्रेस ट्रेनों को बदलने का निर्णय लिया है। भारी मांग के कारण विशेष ट्रेन की एक जोड़ी की सेवाओं का विस्तार करना जारी रखा जाएगा। पुन : क्रमांकित ट्रेनों के लिए संशोधन मार्च 2023 से प्रभावी होगा और महीने के दौरान प्रत्येक ट्रेन के लिए अलग-अलग तिथियों पर प्रभावी होगा। पूसीरे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची डे ने शनिवार को जारी बयान में बताया है कि ट्रेन संख्या 15646, डिब्रूगढ़-लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस 1 मार्च, 2023 से संशोधित कर 15946 की जाएगी और ट्रेन नंबर 15645, लोकमान्य तिलक टर्मिनस-डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस 4 मार्च, 2023 से ट्रेन नंबर 15945 के रूप में अपनी यात्रा शुरू करेगी। इसी तरह, ट्रेन नंबर 15906, डिब्रूगढ़-कन्याकुमारी विवेक एक्सप्रेस 4 मार्च 2023 से ट्रेन नंबर 22504 के रूप में अपनी यात्रा शुरू करेगी और ट्रेन संख्या 15905, कन्याकुमारी-डिब्रूगढ़ विवेक एक्सप्रेस 9 मार्च, 2023 से ट्रेन संख्या 22503 के रूप में चलेगी। इसके अलावा, सिकंदराबाद से प्रत्येक सोमवार को 7 नवंबर, 2022 से 30 जनवरी, 2023 तक विशेष ट्रेन संख्या 07030, सिकंदराबाद-अगरतला की सेवाओं का विस्तार किया जाएगा। इसी तरह ट्रेन नंबर 07029, अगरतला-सिकंदराबाद स्पेशल की सेवाएं यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए 11 नवंबर, 2022 से प्रत्येक शुक्रवार को अगरतला से 3 फरवरी, 2023 तक अपनी सेवाओं का विस्तार करेंगी।

विश्व स्ट्रोक दिवस पर जागरूकता सभा-नुक्कड़ नाटक

रंगिया (निसं)। विश्व स्ट्रोक दिवस के मौके पर आज रंगिया में स्वस्ति अस्पताल स्ट्रोक यूनिट द्वारा जागरूकता रैली एवं नुक्कड़ नाटक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व अस्पताल के प्रबंध निदेशक डॉ हितेंद्र कलिता ने किया। इस मौके पर अनुभवी डॉक्टरों ने स्ट्रोक से खुद को और दूसरों को कैसे बचाया जाए और स्ट्रोक के बाद रोगियों को कैसे ठीक किया जाए, इस पर विस्तार से उपस्थित लोगों को अवगत कराया। इसके अलावा अस्पताल द्वारा नुक्कड़ नाटक का भी आयोजन कर लोगों को जागरूक किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत स्वस्ति अस्पताल से एक समदल का आयोजन के साथ की गई जिसका उद्घाटन रंगिया के महकमाधिपति जाबीर राहुल सुरेश द्वारा फ्लैग ऑफ कर की गई। कार्यक्रम में डॉ. मितुल दास, डॉ. गौतम तालुकदार, डॉ. खलीलुल्लाह वाहेद, डॉ. नबीन रॉय,

योग चिकित्सक ज्योतिष कलिता, स्वस्ति अस्पताल के प्रबंधक करेंद्र कलिता, रंगिया सिविल अस्पताल के प्रतिनिधि, रंगिया स्पर्श अस्पताल के पदाधिकारियों और स्थानीय लोगों, विभिन्न महाविद्यालय के छात्रों, पत्रकारों और अस्पताल के डॉक्टरों व कर्मचारियों सहित बहुत से गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

पृष्ठ एक का शेष

नए आईटी नियमों ...

कहा कि ये मंच चाहे अमेरिका के हों या यूरोप के, अगर भारत में एक्टिव हैं तो उनके सामुदायिक दिशा-निर्देश भारतीयों के संवैधानिक अधिकारों के विरोधाभासी नहीं हो सकते। उन्होंने कहा कि इन मंचों का दायित्व है कि कोई भी गलत जानकारी, गैरकानूनी सामग्री या विभिन्न समूहों के बीच वैमनस्य को बढ़ावा देने वाली सामग्री को 72 घंटे के बीच हटा दिया जाए। केंद्रीय राज्य मंत्री ने कहा कि वह व्यक्तिगत तौर पर 72 घंटे की समयसीमा को बहुत अधिक मानते हैं और सोशल मीडिया मंचों को गैरकानूनी सामग्रियों पर त्वरित कार्रवाई करनी चाहिए।

गुजरात कैबिनेट में ...

निर्णय के संबंध में रुपाला ने कहा कि कमेटी की रिपोर्ट के बाद यूनिफार्म सिविल कोड लागू किया गया जाएगा। कमेटी गठित करने का अधिकार मुख्यमंत्री को दिया गया है। कमेटी की अध्यक्षता हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त जज करेंगे, वहीं कमेटी में तीन से चार सदस्य होंगे। गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी ने कहा कि जनता की मांग को लेकर सरकार ने आज यूनिफार्म सिविल कोड के मामले में निर्णय किया है। भाजपा सरकार के इस निर्णय पर कांग्रेस ने तीखी प्रतिक्रिया जताई है। पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष हिम्मत सिंह पटेल ने कहा कि भाजपा ऐन चुनाव के पहले जनता से जुड़ी समस्याओं से ध्यान हटाने के लिए ऐसा कर रही है। उन्होंने कहा कि अभी राज्य में सबसे बड़ी समस्या महंगाई और बेरोजगारी है। भाजपा इन मुद्दों पर चर्चा करने से बचना चाहती है, इस वजह से वह यूनिफार्म सिविल कोर्ड के मुद्दों को उछाल रही है। जानकारी के अनुसार हाल में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस संबंध में कहा था कि यूनिफार्म सिविल कोड कानून के लिए राज्य अपने स्तर पर प्रयास करे। इसके बाद मार्च 2022 में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अपने राज्य में यूनिफार्म सिविल कोड लागू करने की घोषणा की थी। कॉमन सिविल कोर्ड एक धर्मनिरपेक्ष कानून है जिसमें सभी धर्म को मानने वालों के लिए समान कानून लागू होगा।

सभी को जनता ...

भरोसा करेंगे? भ्रष्टाचार के चलन में आज से बदलाव लाना होगा। अगर किसी का हक है तो उसे पाने के लिए अधिकारी को पैसे का भुगतान क्यों करना है? आज असम भ्रष्टाचार से छुटकारा पाना चाहता है। उन्होंने कहा कि यह पहली बार है कि परीक्षा परिणाम आने के सात दिनों के भीतर नियुक्ति पत्र वितरित किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि न्याय सभी के लिए एक होगा। बेहतर होगा कि जब तक मैं मुख्यमंत्री हूं, यह न सोचें कि कौन कहां तैनात होगा। भले ही किसी के पिता भाजपा में हों, लेकिन इच्छानुसार कोई पोस्टिंग नहीं है। पोस्टिंग सरकार के हिसाब से होगी। मुख्यमंत्री ने नए डीएसपी से गरीबों के लिए लाठी-पिस्तौल का इस्तेमाल नहीं करने का भी आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि एपीएससी में अब भी लालफीताशाही है और इसे खत्म किया जाना है। उन्होंने कहा कि सरकारी नौकरी पाकर जनता की सेवा करने के लिए तैयार सभी 655 अभ्यर्थियों को हार्दिक बधाई देता हूं। मैं पारदर्शी तरीके से उम्मीदवारों के चयन करने के लिए असम लोक सेवा आयोग को भी धन्यवाद देना चाहूंगा। मैं असम लोक सेवा आयोग से अनुरोध करता हूं कि वह सभी तकनीकी विभागों के इंजीनियरों का चयन करने के लिए एक सामान्य इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा आयोजित करे और लॉटरी मोड के माध्यम से सफल उम्मीदवारों को विभाग आवंटित करने के उपाय करे। अंतर-विभागीय तबादलों की भी जरूरत है। उन्होंने नवनियुक्त अधिकारियों का आह्वान किया कि सरकार के नए असम के निर्माण प्रक्रिया में तेजी लाने का बीड़ा उठाएं। इस अवसर पर असम सरकार के मंत्री जगन महन, अशोक सिंघल, जयंत मल्लबरुवा, नंदिता गार्लोसा, राज्य के मुख्य सचिव पवन बरठाकुर, असम लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष भारत भूषण देब चौधरी और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

शिलांग हिंसा : एफकेजेजीपी...

जुड़े लोगों का कहना है कि शुक्रवार को हुई घटना पूरी तरह से अराजक थी। कुछ नागरिक समाज समूह और व्यक्ति इस घटना को लेकर बेहद गुस्से में हैं। उनका कहना है कि अदालत को लक्षित हिंसा और प्रशासनिक चूक का स्वत: संज्ञान लेना चाहिए। यूनाइटेड डेमोक्रेटिक पार्टी (यूडीपी) ने कहा कि घटना के दौरान कानून-व्यवस्था तंत्र पूरी तरह से कमजोर दिखा। उल्लेखनीय है कि प्रशासन से मंजूरी लेकर शुक्रवार को निकाले गए इस मार्च में शामिल एफकेजेजीपी सदस्यों ने पैदल जा रहे गैर आदिवासी राहगीरों पर अचानक जानलेवा हमला करते हुए उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया। इस दौरान कई स्कूटर, बाइक और चार पहिया वाहनों को क्षतिग्रस्त किया गया। घटना के बाद पूर्वी खासी हिल्स जिलाधिकारी इसवंदा लालू ने शिलांग शहर में आयोजित रैली और जुलूस की शर्तों का उल्लंघन करने के लिए एफकेजेजीपी के खिलाफ स्वत: संज्ञान लेते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई है। जिलाधिकारी इसावंदा लालू ने इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी है। मेघालय में बेरोजगारी के खिलाफ फेडरेशन ऑफ खासी जयंतिया और गारो पीपुल के नेताओं, कार्यकर्ताओं और सदस्यों ने शुक्रवार को मोटफ्रान क्षेत्र में बैठक की। बैठक के बाद करीब 300 नेताओं, कार्यकर्ताओं और सदस्यों ने दोपहर में शहर की मुख्य सड़कों पर जुलूस निकाला। लेकिन जब जुलूस में शामिल कुछ युवकों ने बिना किसी उकसावे के झंडे की लाठियों से पैदल चलने वालों और स्कूटर सवारों को परेशान करने की कोशिश की तो स्थिति अचानक हिंसक हो गई। जुलूस में शामिल हमलावरों को समझाने में पुलिस को मशक्कत करनी पड़ी। हालांकि, मौके पर मौजूद पुलिस मूकदर्शक बनी रही। उपद्रवी जमकर उत्पात मचा रहे थे। उनके निशाने पर गैर जनजाति लोग थे। जो भी सामने दिखा उसकी पिटाई कर दी गई। इस बीच, पुलिस प्रशासन ने एफकेजेजीपी के जुलूस की सूचना मिलने के बाद शिलांग के मुख्य वाणिज्यिक क्षेत्र पुलिस बाजार को पहले ही बंद करा दिया था। बावजूद इतनी बड़ी हिंसक घटना घटी, जिसको रोकने में पुलिस प्रशासन पूरी तरह से नाकाम रही।

कुएं की सफाई ...

चपेट में आ गए। एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि अचानक एक व्यक्ति गलती से कुएं में गिर गया। उसे बचाने की कोशिश में एक के बाद एक तीन और लोग कुएं में गिर गए। उन्होंने कहा कि घटना के बाद राज्य आपदा नियंत्रण बल (एसडीआरएफ) को खबर की गई। इसके बाद एसडीआरएफ ने कुएं से शवों को बाहर निकाला। कुएं में गिरने से कुल चार लोगों की मौत हो गई और एक गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस अधिकारी ने कहा कि हादसे में एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया और उसे सिलचर मेडिकल कालेज और अस्पताल में भर्ती कराया गया। अधिकारी ने बताया कि मृतकों की पहचान राशिद अहमद, नाजिम उद्दीन, अबू सुहेल और हसीब उद्दीन के रूप में हुई है, जबकि घायल व्यक्ति सोहिद अहमद बताया जा रहा है।

दस लाख नौकरियां ...

ने धनतेरस दिवस पर कहा था कि विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में इसी तरह के रोजगार मेलों का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि गुजरात तेजी से आगे बढ़ा है और आज गुजरात पंचायत सेवा बोर्ड से 5000 उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र मिल रहे हैं, 8000 उम्मीदवारों को गुजरात सब इंस्पेक्टर भर्ती बोर्ड और लोकरक्षक भर्ती बोर्ड से नियुक्ति पत्र मिल रहे हैं। प्रधानमंत्री ने इस त्वरित प्रतिक्रिया के लिए गुजरात के मुख्यमंत्री और उनकी टीम की सराहना की। प्रधानमंत्री ने बताया कि हाल के दिनों में गुजरात में 10 हजार युवाओं को नियुक्ति पत्र दिए गए और अगले एक साल में 35 हजार पदों को भरने का लक्ष्य रखा गया है। प्रधानमंत्री ने गुजरात में रोजगार और स्वरोजगार के कई अवसर पैदा करने का श्रेय राज्य की नई औद्योगिक नीति को दिया। उन्होंने ओजस जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म और श्रेणी 3 और 4 पदों में साक्षात्कार प्रक्रिया को समाप्त करने की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि *अनुबंध* मोबाइल एप और वेब पोर्टल के माध्यम से राज्य में नौकरी चाहने वालों और नौकरी देने वालों को जोड़कर रोजगार को सुगम बनाया जा रहा है। इसी तरह, गुजरात लोक सेवा आयोग के तेजी से भर्ती मॉडल की राष्ट्रीय स्तर पर सराहना हुई है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आने वाले महीनों में इस प्रकार के रोजगार मेलों का आयोजन राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर होता रहेगा। जहां केंद्र सरकार 10 लाख नौकरियां देने पर काम कर रही है, वहीं राज्य और केंद्र शासित प्रदेश भी इस अभियान से जुड़ रहे हैं, संख्या में काफी इजाफा होगा।

नीतीश के आवास पर...

शामिल हैं। पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी इस बार भी छठ नहीं कर रही हैं। उनके यहां के छठ की कभी धूम रहती थी। टीवी चैनलों पर प्रसारण होता था। लेकिन, राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद की सजा और खराब स्वास्थ्य के कारण पिछले पांच साल से वह छठ नहीं कर पा रही हैं। राबड़ी देवी के छठ के लिए ही एक अणे मार्ग में छोटे तालाब का निर्माण किया गया था। पूर्व मुख्यमंत्री एवं हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा के संरक्षक जीतनराम मांझी की बहू एवं मंत्री संतोष कुमार की पत्नी दीपा मांझी गया जिला के महकार गांव में छठ कर रही हैं। भवन निर्माण मंत्री डा. अशोक चौधरी के सरकारी आवास पर उनकी पत्नी छठ कर रही हैं। जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा अपने पैतृक गांव वैशाली जिला के कजरी बुजुर्ग में छठ कर रहे हैं। उनकी पत्नी व्रत करती हैं। जदयू के प्रवक्ता प्रो. रणवीर नंदन के पटना स्थित आवास पर भी छठ हो रहा है। उनके भाई की पत्नी व्रत करती हैं। राजद के राष्ट्रीय महासचिव भोला यादव की पत्नी दरभंगा जिला के कपछाही गांव में छठ कर रही हैं। राजद प्रवक्ता शक्ति सिंह यादव के स्वजन पटना स्थित आवास पर छठ कर रहे हैं। विधानसभा में विपक्ष के नेता विजय कुमार सिन्हा की पत्नी भी सरकारी आवास पर छठ कर रही हैं। अर्घ्य के समय सिन्हा भी पानी में खड़े रहते हैं। भाजपा नेताओं में पूर्व मंत्री और पश्चिम बंगाल भाजपा के प्रभारी मंगल पांडेय की पत्नी भी सारण में छठ कर रही हैं। इसी तरह पूर्व मंत्री नंद किशोर यादव के सरकारी आवास पर बहन और बेटी दोनों छठ कर रही हैं। राज्यसभा सदस्य विवेक ठाकुर की पत्नी दिल्ली में सरकारी आवास पर छठ कर रही हैं। पूर्व मंत्री नितिन नवीन की पत्नी दीपमाला श्रीवास्तव भी सरकारी आवास पर छठ कर रही हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा के विधान परिषद सदस्य डा. संजय पासवान स्वयं छठ करते हैं। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष डा. मदन मोहन झा की पत्नी रेखा झा पैतृक गांव दरभंगा जिला के बधांत में छठ कर रही हैं।

असम के राज्यपाल...

हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं, जहां लोग सूर्य भगवान की पूजा करते हैं। यह उत्सव सभी के जीवन को अत्यधिक आनंद, सुख और समृद्धि के साथ रोशन करे। इसके अलावा, मुझे उम्मीद है कि त्योहार सर्वोपरि आत्म-अनुशासन और विश्वास को दर्शाता है और प्रेम और सौहार्द पर आधारित समाज बनाने के लिए मानवीय मूल्यों को मजबूत करने में मदद करता है।

प्रबंधन की भूमिका ...

को भी आमंत्रित किया है। बता दें कि इस कार्यक्रम में अर्मेनिया, मारीशस, नेपाल, काबो वर्डे, आस्ट्रेलिया, चिली, माइक्रोनेशिया, ग्रीस, फिलीपींस, साओ टोमे और प्रिंसिपे, अमेरिका और तीन अंतर्राष्ट्रीय संगठनों- आईएफईएस, अंतर्राष्ट्रीय आईडिया और यूएनडीपी इंडिया सहित 11 देशों के ईएमबी के करीब 50 प्रतिभागियों के इस सम्मेलन में शामिल होने की उम्मीद की जा रही है। चुनाव की सत्यता पर समूह की सिफारिशों को मजबूत बनाने के लिए दुनिया भर में चुनाव अखंडता के लिए महत्वपूर्ण आधार स्तंभ *प्रौद्योगिकी* और *समावेशी चुनाव* विषय को शामिल करते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त एक सम्मेलन का भी आयोजन करेंगे।

इंटरनेट और सोशल ...

और प्रगति पर हमला करने के लिए तकनीक, पैसा और सबसे जरूरी खुले समाज के लोकाचार का इस्तेमाल करते हैं। विदेश मंत्री ने कहा कि आतंकवादी समूहों और संगठित आपराधिक नेटवर्कों की ओर से मानवरहित हवाई प्रणालियों के इस्तेमाल ने दुनियाभर में सरकारों की चिंताओं को और बढ़ा दिया है। उन्होंने कहा कि रणनीतिक, बुनियादी और वाणिज्यिक संपत्तियों के खिलाफ आतंकवादी उद्देश्यों के लिए हथियारबंद ड्रोन के इस्तेमाल की आशंकाओं पर सदस्य देशों को गंभीरता से ध्यान देने की जरूरत है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र के प्रयासों के बावजूद आतंकवाद का खतरा बढ़ रहा है, खासतौर से एशिया और अफ्रीका में। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने पिछले 2 दशकों में आतंकवाद से निपटने के लिए मुख्य रूप से आतंकवाद रोधी प्रतिबंध व्यवस्था के आसपास निर्मित महत्वपूर्ण संरचना विकसित की है। यह उन देशों को आगाह करने के लिए बहुत प्रभावी रही है, जिन्होंने आतंकवाद को राज्य की ओर से वित्त पोषित उद्यम बना लिया है। उधर यूएनएससी की बैठक में विदेश मंत्री जयशंकर ने एक बार फिर पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान पोषित आतंकवाद का मुद्दा उठाया। जयशंकर ने कहा कि आतंकवाद का मुकाबला हमारी पहली प्राथमिकता है। इससे पहले आईबी अधिकारियों ने पाकिस्तान को लेकर सनसनीखेज दावा किया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को ग्रे लिस्ट से हटाने के बाद भारत में आतंकी हमले की संभावना बढ़ गई है। यूएनएसी में जयशंकर ने आतंकवादी गतिविधियों के लिए विभिन्न तकनीकों के इस्तेमाल से उत्पन्न खतरे के बारे में चेतावनी दी वे अब सस्ता और अधिक आसानी से उपलब्ध हो गए हैं। बैठक को संबोधित करते हुए, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने एक बार फिर पाकिस्तान पर निशाना साधा।

हिंदुओं की सुरक्षा ...

में शांतिपूर्वक तरीके से दुर्गा पूजा का त्योहार बीता है जो अल्पसंख्यक हिंदुओं और उनके अधिकारों को संरक्षित रखने की हमारी सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। बांग्लादेश की स्वतंत्रता की लड़ाई में भारतीय सैनिकों की कुर्बानी के प्रति कृतज्ञता जाहिर करते हुए हसन महमूद ने कहा कि भारत-बांग्लादेश का रिश्ता तीस्ता जल बंटवारे के समझौते पर निर्भर नहीं है, बल्कि जन्म-जन्म का और खून का संबंध है। महमूद ने कहा कि शेख हसीना सरकार बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। देश में हालिया शांतिपूर्ण दुर्गा पूजा उत्सव इसका प्रमाण है। इस साल बांग्लादेश में पिछले साल के मुकाबले अधिक संख्या में दुर्गा पूजा हुई जो शांतिपूर्वक तरीके से संपन्न हुई है। वर्ष 2021 में दुर्गा पूजा के दौरान हुई सांप्रदायिक हिंसा और हिंदू समुदाय के घरों में तोड़फोड़ व आगजनी के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने दुर्गा पूजा के दौरान हिंसा भड़काने की कोशिश की थी वे बेनकाब हो गए हैं। हमने यह सुनिश्चित करने के लिए कड़े कदम उठाए हैं कि ऐसी कोई भी अप्रिय घटना भविष्य में ना हो।

फिलीपींस में बाढ़ ...

में नागरिक सुरक्षा अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार को बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में गई टीम ने रिपोर्टिंग में गलती की थी। इसकी वजह से मौतों की गणना दोबारा की गई। राष्ट्रीय नागरिक सुरक्षा प्रमुख राफेलिटो एलेजांद्रो ने इसकी पुष्टि की है। 5 मुस्लिम स्वायत्त प्रांतों के गृह मंत्री नगुइब सिनारिम्बो के मुताबिक, मैगुइन्डानाओ प्रांत के 3 शहर इस आपदा से सबसे अधिक प्रभावित हैं। यहां बाढ़ और मलबे में दबने से सबसे ज्यादा मौतें दर्ज की गई हैं। उन्होंने बताया कि पूरी रात भारी बारिश की वजह से पानी मलबे के साथ नदियों में आया है। इसके चलते कई इलाकों में बाढ़ जैसे हालात बन गए। लोगों को राहत पहुंचाई जा रही है, कुछ इलाके हैं जहां तक हम अभी भी नहीं पहुंच पाए हैं। आज यानि शनिवार को इसके पूर्वी तट के इलाके से टकराने की आशंका है।

स्वर्वेद भाष्य

चतुर्थ मंडल तृतीय अध्याय

(भक्ति)

दर्श दिवाना हो रहा, अब कछु कांक्षा नाहिं।
चारो फल पीछे फिरे, भक्ति लगन उर माहिं॥ 21॥

शब्दार्थ : (दर्श) देखना (दिवाना) मस्ताना।

भाष्य : अनुभव प्रकाश में मस्त दीवाना योगी, भक्ति के अनुराग में सदैव अंतर्लीन रहता है, उसे अब कुछ संसार के भोगों की इच्छा नहीं है, उस महात्यागी सोमरस-प्रवाही योगी के पीछे चारों फल घूमते रहते हैं।

भक्त भक्ति वर माँगई, मुक्ति न छाड़े साथ।
अन इच्छित लागी रहे, भक्ति प्रताप सनाथ॥ 22॥

शब्दार्थ : (मुक्ति) मोक्ष (सनाथ) भक्त।

भाष्य : भक्त प्रभु से भक्ति का वरदान मांगता है। भक्ति के अतिरिक्त उसे दूसरी कोई वस्तु नहीं चाहिए। उसे भक्ति के प्रताप मक्ति बिना इच्छा के लगी रहती है, निष्काम भक्त का साथ नहीं छोड़ती।

राज्य सरकार के संयुक्त सचिव रिश्वत लेते गिरफ्तार

तलाशी के दौरान घर से 49.24 लाख जब्त

गुवाहाटी (विभास)। सतर्कता और भ्रष्टाचार विरोधी निदेशालय, असम की टीम ने असम सरकार के एक वरिष्ठ अधिकरी को कथित तौर पर घूस लेते समय गिरफ्तार कर लिया गया। स्पेशल डीजीपी जीपी सिंह ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि एक सुरक्षा कंपनी के लाइसेंस के नवीनीकरण के लिए घूस लेते समय राज्य के गृह और राजनीतिक विभाग के संयुक्त सचिव किसन कुमार शर्मा को शुक्रवार की रात गिरफ्तार किया गया। असम पुलिस की सतर्कता और भ्रष्टाचार निरोधक (वीएंडएसी) शाखा ने उन्हें गिरफ्तार किया। विशेष पुलिस महानिदेशक (वीएंडएसी) ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह ने ट्वीट किया कि देर शाम चलाए गए अभियान के दौरान सुरक्षा कंपनी का लाइसेंस नवीनीकरण करने की एवज में शिकायत कर्ता से 90 हजार रुपए लेते हुए असम सरकार के संयुक्त सचिव केके शर्मा को रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया। सिंह ने कहा कि इसके बाद शर्मा के घर पर तलाशी के दौरान 49.24 लाख रुपए नकद बरामद किये गए। शर्मा असम सिविल सेवा (एसीएस) के अधिकारी हैं।

काजीरंगा में राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

पर्यावरण-वन्यजीव की सुरक्षा को लेकर कई कदम उठाए : डॉ. शर्मा

काजीरंगा (हि.स.)। राष्ट्रीय उद्यान काजीरंगा में गौहाटी उच्च न्यायालय द्वारा असम सरकार के सहयोग से पर्यावरण और सतत विकास-न्यायपालिका की भूमिका और डिजिटाइजेशन एंड इट्स इम्पैक्ट ऑन द न्याय प्रणाली विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन हुआ। उद्घाटन समारोह में राज्य के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्वशर्मा भी मौजूद रहे। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय न्यायिक प्रणाली का पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के सिद्धांतों के पालन के क्षेत्र में एक गौरवशाली अतीत है। साथ ही कहा कि काजीरंगा में संगोष्ठी आयोजित करने का निर्णय जैव विविधता के संरक्षण और सतत विकास के बारे में एक मजबूत संदेश देगा। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने पर्यावरण और वन्यजीवों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए समय-समय पर विभिन्न कदम उठाए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दो मुद्दों को अत्यधिक महत्व देते रहे हैं- डिजिटल प्रणाली के माध्यम से समाज के हर तबके के नागरिकों की सुविधा के लिए उपयुक्त प्रौद्योगिकियों का उपयोग और पूरी प्रणाली को अधिक कुशल बनाना। इस कार्यक्रम में केंद्रीय कैबिनेट मंत्री किरेन रिजिजू, उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों में एमआर शाह, सूर्यकांत, एसएस बोपन्ना, एस रवींद्र भट, ऋषिकेश रॉय, बिक्रम नाथ, सीटी रवि कुमार, एमएम सुंदरेश, पीएस नरसिम्हा, गौहाटी उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश आरएम छाया, देश के अन्य राज्यों के उच्च न्यायालयों के न्यायाधीश, उच्चतम न्यायालयों के न्यायाधीश (सेवानिवृत्त) इंदिरा बनर्जी, गौहाटी उच्च न्यायालय के न्यायाधीश सुमन श्याम, असम नगालैंड, मिजोरम, अरुणाचल प्रदेश के महाधिवक्ता, राज्य के जिला न्यायाधीश, नगालैंड, मिजोरम और अरुणाचल प्रदेश के पंजीयक, गौहाटी उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश, राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी तथा न्यायिक अधिकारियों के साथ ही अन्य सम्मानित व्यक्ति मौजूद थे।

टोकोबाड़ी में भीषण आगजनी, आग बुझाने में तंग गलियां बनी बाधा

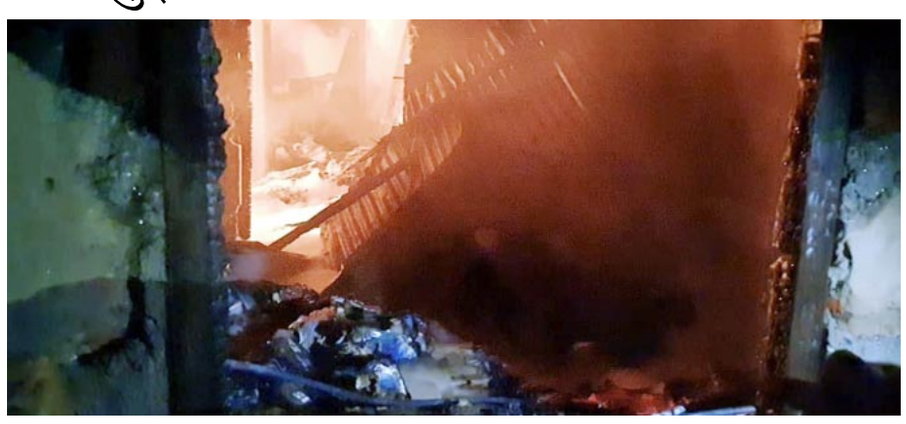

गुवाहाटी (नसं)। आठगांव टोकोबारी गली में हाउस नंबर 135 माधव देव शर्मा बिल्डिंग के पीछे एक गोडाउन में शॉर्ट सर्किट होने की वजह से आग लग गई। मौके पर फायर ब्रिगेड की 6 गाड़ियों ने आग बुझाने का प्रयास किया। लेकिन टोकोबाड़ी की तंग गली के अलावा बिल्डिंग के बीच में भी तंग रास्ते की वजह से फायर ब्रिगेड को कर्मचारियों को आग बुझाने में काफी दिक्कत का सामना करना पडा।कर्मचारियों ने केमिकल के द्वारा प्रारंभिक रूप से आग पर काबू पाया।इस बीच बिजली गुल होने की वजह अंधेरा होने के कारण और मुश्किलें बढ़ गई ।केमिकल से आज पर काबू पाया गया। किंतु तुरंत ही वापस जोर पकड़ लिया। गोडाउन में स्टेशनरी सामान, बिस्कुट, खाने के पैकेट व प्लास्टिक होने की वजह से आग बीच-बीच में जोर पकड़ लेती थी। दमकल की 6 गाड़ियां आग बुझाने में लगी हुई है। आग लगने का सटीक कारण अभी तक पता नहीं चल पाया।

रंगिया : चार दुकानों में चोरों ने किया हाथ साफ

रंगिया (निसं)। रंगिया में बीती रात को चोरों ने एक के बाद एक दुकान में चोरी को अंजाम दिया। चोरों ने दूकानों के ताले तोड़े और अंदर प्रवेश किया। पहले चोरों ने सीसीटीवी कैमरे को काटकर चोरी को अंजाम देने की कोशिश की। किंतु इतने में ही सीसीटीवी कैमरे में इसका पूरा दृश्य कैद हो गया। रंगिया में एक ही रात को चोरों ने नंदन वाइन शॉप से लग्जरी शराब की बोतलें और नकदी की चोरी की उसके पश्चात साईं मेडीकोज सहित चार दूकानों में सफाई अभियान चलाया। जानकारी प्राप्त हुई है कि भुक्तभोगी दुकानदारों द्वारा रंगिया थाने में इसके लिए शिकायत दर्ज कराई जाएगी। वहीं दूसरी ओर चोरी हुई दूकानों का मुआयना करने रंगिया सदर थाना के नगर परिदर्शक के पहुंचने की जानकारी प्राप्त हुई है।

अमीनगांव में एक करोड़ की हेरोइन जब्त, तस्कर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हि.स.)। कामरूप (ग्रामीण) जिले के अमीनगांव में पुलिस ने बीती रात एक करोड़ रुपये मूल्य की भारी मात्रा में हेरोइन जब्त की है। कार्बी आंगलोंग के एक ड्रग्स तस्कर के पास से हेरोइन से भरे पंद्रह पैकेट जब्त किए गए हैं। समाचार लिखे जाने तक ड्रग्स तस्कर की पहचान का खुलासा नहीं हो पाया है। शहर की पुलिस के अनुसार पुलिस ने गुवाहाटी से पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी में तस्करी करने की फिराक में लिप्त तस्कर को अपने गंतव्य तक पहुंचने से पहले ही गिरफ्तार कर लिया।

रंगिया पौरसभा का संध्या कचरा संग्रह अभियान शुरू

रंगिया (निसं)। रंगिया पौरसभा द्वारा तथा स्वेच्छासेवी संस्था साधना के सहयोग से रंगिया शहर में शुक्रवार की संध्या से कचरा संग्रह अभियान की शुरुआत की गई है। रंगिया पौरसभा द्वारा इस अभियान की शुरुआत प्रतिष्ठानों को जानकारी पत्र तथा माईक से घोषणा करते हुए की गई इस मौके पर पौरसभा द्वारा सभी प्रतिष्ठानों से दैनिक रूप से अपने प्रतिष्ठानों में उत्पन्न कचरे को अलग-अलग कूड़ेदानों में रखने का आग्रह किया गया। तथा इसे सुबह और संध्या समय कचरा संग्रह करने आये पौरसभा के वाहनों में डालने का अनुरोध किया गया। मालूम हो कि रंगिया पौरसभा द्वारा सुबह के अलावा रात को भी कूड़ा उठाने के लिए विशेष वाहनों की व्यवस्था की है। पौरसभा द्वारा इस संबंध में जनता से सहयोग की कामना की है। शुक्रवार को इस अभियान की शुरुआत रंगिया पौरसभा के कार्यवाहक अधिकारी चंपक डेका, रंगिया पौरसभा के अध्यक्ष अमरेंद्र लहकर, उपाध्यक्ष विद्युत डेका, रंगिया पौरसभा के अभियंता बसंत डेका, रंगिया पौरसभा स्वच्छ भारत मिशन के अधिकारी नेहार समद, रंगिया पौरसभा स्वच्छ भारत के कैप्टन उत्तम पाल, पार्षद मिताली डेका, गुंजन दास, रंगिया नगर पालिका के अधिकारी, कर्मचारी सहित एनजीओ साधना के सचिव ज्योतिष कलिता और साधना के कार्यकर्ता की उपस्थिति में की गई।

एक करोड़ की हेरोइन समेत दो तस्कर गिरफ्तार

मोरीगांव (हि.स.)। मोरीगांव पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर अभियान चलाकर एक करोड़ रुपए मूल्य की हेरोइन समेत दो तस्करों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने शनिवार को बताया कि जिला के धरमतुल पुलिस चौकी अंतर्गत तेलाही से पुलिस ने भारी मात्रा में हेरोइन बरामद की। मोरीगांव पुलिस टीम ने नगांव पुलिस की मदद से सामागुरी में अभियान चलाकर सुकुर अली और इकरामुल इस्लाम को गिरफ्तार किया। आरोपितों के पास से लगभग एक करोड़ रुपए मूल्य की हेरोइन जब्त की गई है। दोनों तस्करों को पकड़ने के लिए पुलिस को गोली चलानी पड़ी। पुलिस इस संबंध में एनडीपीएस एक्ट के तहत एक प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार तस्करों से पूछताछ कर रही है।

एसएसबी ने किया राष्ट्रीय एकता दिवस पर कार्यक्रमों का आयोजन

रंगिया (निसं)। सशस्त्र सीमा बल द्वारा राष्ट्रीय एकता दिवस का आयोजन 29 अक्तूबर 2022 से 31 अक्तूबर 2022 तक किया जा रहा है प्राप्त जानकारी के अनुसार राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यकर्मों का आयोजन जैसे साईकिल रैली, बाईक रैली, यूनिटी रन, शपथ ग्रहण समारोह, मार्च पास्ट, इत्यादि का आगाज सेकेंड इन-कमांड रमेश कुमार की अगुवाई मे किया जा रहा है। वहीं इसका समापन शसस्त्र सीमा बल क्षेत्रक मुख्यालय के उप-महानिरीक्षक जगदीप पाल सिंह की अगुवाई में किया जाएगा। इस मौके पर मुख्यालय के सेकेंड इन-कमांड रमेश कुमार ने बताया है कि भारत में राष्ट्रीय एकता दिवस की शुरुआत 31 अक्तूबर, 2014 को दिल्ली में सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती से हुई है। जिसका उद्घघाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया गया था, स्वतंत्र भारत के पहले उप-प्रधानमंत्री एवं पहले गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल ने देश को एकता के सूत्र में बांधे रखने के लिए अथक प्रयास किए थे। सरदार पटेल द्वारा ही 1947-49 के दौरान 562 रियासतों का एकीकरण विश्व इतिहास का एक आश्चर्य था क्योंकि भारत की यह रक्तहीन क्रांति थी। इसी एकीकरण के लिए उन्हें लोह पुरुष की उपाधि मिली थी। इसके अलावा उन्होंने गुजरात के बारदोली एवं खेड़ा में हुए किसान आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। बारदोली सत्याग्रह के दौरान उन्हें सरदार की उपाधि मिली थी। ऐसे में उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए 31 अक्तूबर को उनकी जयंती पर पूरे देश में राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया जाता है। आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ सेकेंड-इन-कमांड रमेश कुमार द्वारा किया गया। इस मौके पर उनके साथ डा. चन्दन तालुकदार,ष्टङ्कह्व (स.त.), रूपेश मधुवाल उप-कमांडेंट, शंकर बानिक, सहायक अभियंता, अशोक कुमार नाथ सहायक कमांडेंट (मंत्रायलिक), एवं कार्मिक,महिला कार्मिक तथा विभिन्न् स्कूल के बच्चे उपस्थित रहे। बताया गया है कि शसस्त्र सीमा बल मुख्यालय द्वारा राष्ट्रीय एकता दिवस के अंतर्गत निम्नलिखित कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। शनिवार को साईकिल रैली, 30 को बाईक रैली, 31 अक्तूबर को, यूनिटी रन, शपथ ग्रहण समारोह, व मार्च पास्ट। इनके अंतर्गत आज आयोजित कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ अधिकारियों सहित अन्य बल कार्मिक एवं स्कूल के बच्चे भी उपस्थित रहें। कार्यक्रम के अंत में उप-महानिरीक्षक, क्षेत्रक मुख्यालय सशस्त्र सीमा बल, रंगिया द्वारा आभार प्रकट किया गया। वहीं इसका समापन बैंड प्रदर्शन के साथ किया गया।

जामुगुरीहाट में दो दिवसीय तिहार सम्मेलन का आयोजन

विश्वनाथ (निसं)। शोणितपुर जिले के जामुगुरीहाट के एराबारी में एराबारी गांव विकास समिति के तत्वावधान में दो दिवसीय गोर्खा समुदाय का पवित्र उत्सव तिहार सम्मेलन का आयोजन किया गया उक्त का सम्मेलन का शुभारंभ दक्षिण सीलाबन्धा गांव पंचायत की सभानेत्री गंगा देवी फीता काटकर किया गंगा देवी ने अपने भाषण में कहा अपनी जाति की संस्कृति परम्परा रीति नीति नृत्य गीत की कार्यशाला आयोजित करके अपनी जाति की मान मर्यादा जीवित रखनी चाहिये इसमें समाज के अभिभावकों का योगदान जरूरी हैं अंचल के विभिन्न समुदायों के लोगों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया जिसमे देवसी भेलि नृत्य प्रतियोगिता आदि आयोजित की गई प्राप्त जानकारी गांव विकास समिति के अध्यक्ष गोपाल छेत्री व सचिव माधव छेत्री ने दी हैं।

दमदमा साहित्य सभा का युवा रत्न सम्मान, पुस्तक विमोचन सभा संपन्न

रातुल शर्मा युवा रत्न सम्मान से सम्मानित

हाजो (निसं)। तीर्थनगरी हाजो स्थित दमदमा महाविद्यालय में आज दमदमा साहित्य सभा के बैनर तले आयोजित एक कार्यक्रम में युवा रत्न सम्मान वितरण और पुस्तक विमोचन का आयोजन किया गया। ट्रेनजिशन अकादमी की छात्राओं द्वारा संगीत प्रस्तुति से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम में असम विधानसभा के अध्यक्ष विश्वजीत दैमारी मुख्य अतिथि तथा साहित्यकार रीता चौधरी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थी। कार्यक्रम की अध्यक्षता दमदमा साहित्य सभा के अध्यक्ष कनक शर्मा ने की। इस अवसर पर हाजो के युवा समाजसेवक तथा दमदमा साहित्य सभा के आजीवन सदस्य रातुल शर्मा को विस अध्यक्ष दैमारी ने वृहत्तर हाजो अचंल में जनकल्याणमूलक सेवा के लिए युवा रत्न सम्मान से सम्मानित किया गया। इसके अलावा कार्यक्रम में शिक्षका व लेखक रजनी शालै द्वारा लिखित *प्रसंग रास* और गोपाल चंद्र मालाकार द्वारा लिखित *बोलुकात एखोज* नामक दो पुस्तकों का विमोचन किया गया। कार्यक्रम में बाबुल चंद्र दास, गौतम मालाकार, रजनी शालै, धर्मेश्वर, जादव चंद्र दास, रेनुका कलिता, और मुनींद्र महंत को विशेष रूप से अभिनंदन किया गया। आज के कार्यक्रम में दमदमा महाविद्यालय के अध्यक्ष सुरंजन शर्मा, असम वाणी समाचार पत्र के संपादक दिलीप चंदन, दैनंदिन वार्ता के संपादक शंकर गोहाई के अलावा कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

लंबी सजा के बाद सुतारकंडी लैंड पोर्ट के रास्ते स्वदेश लौटे आठ बांग्लादेशी

करीमगंज (हि.स.)। भारत में अवैध रूप से प्रवेश करने के जुर्म में लंबी जेल की सजा के बाद करीमगंज के सुतारकांदी-बियानी बाजार से शेओला (बांग्लादेश) सीमा लैंड पोर्ट मार्ग से आठ बांग्लादेशी नागरिकों को स्वदेश भेज दिया गया है। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और असम पुलिस ने शनिवार को आठ बांग्लादेशी नागरिकों को शेओला आव्रजन पुलिस और बीजीबी को सौंप दिया। लंबे समय तक भारत में कैद रहने के बाद उनके घर लौटने की खबर मिलने के बाद उनके रिश्तेदार सुबह से ही शेओला कस्टम पर आ गए थे। भारतीय जेल से रिहा किए गए आठ बांग्लादेशियों में लालमियां काजी, मोहिरउद्दीन, अब्दुल मतीन, लाल मियां, फरीद आलम, अतबुर रहमान, फैमा बेगम और रहीम मियां शामिल हैं। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सिलचर से छह और गुवाहाटी से दो बांग्लादेशियों को आज सुबह करीमगंज लाया गया। इसके बाद बॉर्डर पुलिस उन्हें सुतरकांदी कस्टम लैंड पोर्ट लेकर आई। शनिवार की दोपहर बीएसएफ और सीमा पुलिस ने कानूनी प्रक्रिया के बाद उन्हें जीरो प्वाइंट पर ले जाकर बांग्लादेश बीजीबी और आव्रजन पुलिस को सौंप दिया। असम पुलिस के एएसपी (सीमा) सिद्धेश्वर सोनोवाल ने कहा कि शनिवार को आठ बांग्लादेशी नागरिकों को बीजीबी को सौंप दिया गया। ये सभी अवैध रूप से भारत में घुसे थे। सजा खत्म होने के बाद उन्हें उनके देश लौटने की प्रक्रिया शुरू हुई।

दिल्ली-एनसीआर की आबोहवा बेहद खराब, 24 उद्योग बंद करने के आदेश

नई दिल्ली, (हि.स.)। राष्ट्रीय राजधानी और उसके आसपास के क्षेत्र में वायु गुणवत्ता बेहद खराब और दिल्ली के कुछ इलाकों में खतरनाक श्रेणी में पहुंच गई है। शनिवार को दिल्ली में औसत वायु गुणवत्ता इंडेक्स 305 के करीब रहा। यह बेहद खराब श्रेणी को दर्शाता है। आनंद विहार में एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 350, मथुरा रोड क्षेत्र में 340 जबकि नोएडा में 392 मापा गया। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने दिल्ली-एनसीआर में बढ़ते वायु प्रदूषण को देखते हुए सख्त कदम उठाया है। एनसीआर में आयोग ने वायु प्रदूषण से संबंधित नियमों और दिशा-निर्देशों का उल्लंघन करने वाली 24 औद्योगिक इकाइयों को बंद करने के आदेश जारी किए हैं। आयोग की टीम ने राजस्थान में 45 कोयला आधारित औद्योगिक इकाइयों को बंद करने के निर्देश जारी किए हैं। 32 कोयला आधारित इकाइयां (हरियाणा में 9 और उप्र में 23) स्थायी रूप से बंद कर दी गई हैं। 48 इकाइयों (हरियाणा में 8 और उप्र में 40) ने स्वीकृत ईंधन में परिवर्तित होने तक अपने परिचालन को अस्थायी रूप से स्थगित कर दिया है। एनसीआर में वायु प्रदूषण के स्तर में कमी लाने के मुख्य उद्देश्य से आयोग ने फ्लाइंग स्क्वॉड के माध्यम से फील्ड निरीक्षण तेज कर दिया है। आयोग ने कहा है कि 6 अक्टूबर से ग्रेडेड रिस्पोंस एक्शन प्लान (जीआरएपी) चरण- एक को लागू करने के बाद से एनसीआर में औद्योगिक क्षेत्रों और निर्माण परियोजनाओं में कुल 472 गुप्त निरीक्षण किए गए हैं और उल्लंघन करने वाली 52 इकाइयों एवं परियोजनाओं को बंद करने के आदेश जारी किए गए हैं। बेतहाशा उल्लंघन करने वाली 24 औद्योगिक इकाइयों को बंद करने के आदेश जारी किए गए हैं। इनमें से पांच औद्योगिक इकाइयां अभी भी ईंधन में कोयले का उपयोग कर रही थीं।

आयोग सी एंड डी परियोजनाओं से संबंधित निर्देशों के अनुपालन की भी निगरानी कर रहा है। मानदंडों के अनुसार 500 वर्ग मीटर से अधिक के भूखंड पर सी एंड डी परियोजनाओं को सीएक्यूएम के विभिन्न निदेर्शों, धूल कम करने के उपायों से संबंधित नियमों और दिशा- निर्देशों का पालन करने के अलावा रिमोट ऑनलाइन निगरानी के लिए एक वेब पोर्टल पर पंजीकरण करना आवश्यक है। 28 परियोजना स्थलों द्वारा अभी तक स्वयं को वेब पोर्टल पर पंजीकृत नहीं किए जाने एवं धूल नियंत्रण मानदंडों और संबंधित दिशा-निर्देशों का उल्लंघन किए जाने के कारण आयोग ने उन्हें बंद करने के निर्देश जारी किए हैं।

वंदे भारत ट्रेन के आगे पशु आने से इंजन का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त

-अक्टूबर के दौरान तीसरी घटना, गांधीनगर से मुंबई की ओर जा रही थी ट्रेन

अहमदाबाद, (हि.स.)। वलसाड के समीप अतुल स्टेशन के पास शनिवार सुबह वंदे भारत ट्रेन के सामने गाय आने से हादसे की खबर है। जिसमें ट्रेन के आगे के हिस्से को क्षति पहुंची है। ट्रेन की मरम्मत कर आगे के लिए रवाना कर दिया गया। वंदे भारत ट्रेन सुबह अहमदाबाद से मुंबई की ओर जा रही थी। घटना की जानकारी मिलने पर रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। जानकारी के अनुसार वलसाड के अतुल स्टेशन के समीप रेल पटरी पर गाय आ जाने से ट्रेन के इंजन का अगला भाग क्षतिग्रस्त हो गया। इस मामले में पशु मालिक के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की जा सकती है। इससे पूर्व ट्रेन दो बार पशुओं के पटरी पर आने से दुर्घटनाग्रस्त हो चुकी है। गत 6 अक्टूबर को गांधीनगर से रवाना होने के बाद अहमदाबाद के निकट मणिनगर और वटवा के समीप गाय आने पर ट्रेन का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हुआ था, तो रेलवे पुलिस ने पशु मालिकों के खिलाफ मामला दर्ज किया था। इसके अगले दिन 7 अक्टूबर को आणंद स्टेशन के समीप ट्रेन के साथ गाय की टक्कर हुई थी। तीनों दुर्घटनाओं में जनहानि नहीं हुई थी। इस मामले में भी पशु मालिक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी। 30 सितम्बर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर गांधीनगर से रवाना कराया था। वे इस ट्रेन में बैठकर गांधीनगर से कालूपुर स्टेशन गए थे।

दिल्ली में इंडिगो की फ्लाइट से निकली चिंगारी, विमान को रोका गया, सभी यात्री सुरक्षित

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली के इंदिरा गांधी एयरपोर्ट से बेंगलुरु जा रही इंडिगो की फ्लाइट से चिंगारी निकलने कारण विमान को दिल्ली एयरपोर्ट पर ही इमरजेंसी में रोकना पड़ा। विमान में मौजूद सभी यात्री सुरक्षित हैं। बताया जा रहा है कि उसमें करीब 184 ह-वाई यात्री और क्रू मेंबर्स सवार थे। इंडिगो एयरलाइन के अनुसार, रात को विमान (6ई-2131) को दिल्ली से बेंगलुरु के लिए रवाना होना था।

टेक्निकल इश्यू की वजह से टेक ऑफ के दौरान उसे वापस दिल्ली एयरपोर्ट पर ही रोकना पड़ा। विमान में मौजूद सभी यात्री सुरक्षित हैं। सभी यात्रियों के लिए अल्टरनेट एयरक्राफ्ट का इंतजाम किया गया। डीसीपी एयरपोर्ट तनु शर्मा ने इसकी पुष्टि करते हुए शनिवार को बताया कि शुक्रवार रात 10:08 बजे इंदिरा गांधी इंटरनेशनल कंट्रोल रूम को सीआईएसफ कंट्रोल रूम से सूचना मिली कि फ्लाइट संख्या 6ई-2131 के इंजन में चिंगारी की वजह से आग लग गई है। यह फ्लाइट दिल्ली से बेंगलुरु जा रही थी जिसमें कुल 184 हवाई यात्री सहित 7 क्रू मेंबर्स मौजूद थे। उल्लेखनीय है कि फ्लाइट ने उ-ड़ान भरने के लिए रनवे पर दौड़ना शुरू ही किया था कि टेक्निकल प्रॉब्लम की वजह से विमान से चिंगारी निकलने लगी। पायलट ने तुरंत विमान को रोक दिया। सभी यात्रियों और क्रू मेंबर्स को सकुशल बाहर निकालकर दूसरे विमान से बेंगलुरु भेजा गया।

भाजपा नेता अनुराग ठाकुर ने साधा आम आदमी पार्टी पर निशाना

शिमला, (हि.स.)। हिमाचल प्रदेश में शनिवार नामांकन बापिस का अंतिम है और चुनाव प्रचार अब जोर पकड़ने लगा है। शनिवार को शिमला में केन्द्रीय सूचना एंव प्रसारण मंत्री व हमीरपुर से सांसद अनुराग ठाकुर ने आम आदमी पार्टी पर निशाना साध है। अनुराग ठाकुर ने कहा कि जो लोग आज नोटों पर लक्ष्मी और गणेश की फोटो की बात कर रहे हैं, वही लोग राम मंदिर का विरोध कर रहे थे। उन्होने कहा केजरीवाल की पार्टी हिन्दू देवी-देवताओं का अपमान करती है। उन्होंने कहा कि केजरीवाल अराजकता के प्रतीक हैं। भाजपा नेता ने केजरीवाल से सवाल किया कि मौलवियों को पैसा दिया जा रहा है तो पुजारियों को क्यों नहीं। हिमाचल में भाजपा उम्मीदवारों पर अनुराग ने कहा कि जिन नए लोगों को भाजपा ने उम्मीदवार बनाया है। वे पार्टी को जीत दिलाने में सक्षम हैं। अनुराग ठाकुर ने कहा कि हर किसी को टिकट देना असंभव हैं, जो नाराज हैं उन्हें जल्द ही मना लिया जाएगा। अनुराग ठाकुर ने कहा कि आम आदमी पार्टी को राम मंदिर का विरोध करने वालों, हिंदू देवी-देवताओं का अपमान करने वालों को एक मंत्री को बर्खास्त करना पड़ा है। अरविंद केजरीवाल अराजकता के प्रतीक हैं। वह नए प्रचार को बढ़ावा देते हैं ताकि उनके भ्रष्टाचार पर चर्चा न हो। केन्द्रीय मंत्री ने दिल्ली के सीएम केजरीवाल से पूछा कि आप स-रकार दिल्ली में मुस्लिम मौलवियों को सालाना पैसे देते हैं। क्या आप पुजारियों, गुरुद्वारा ग्रंथियों और पादरियों को भी वही पैसे देंगे?

एमसीडी चुनाव से पहले दिल्ली में कूड़े और यमुना सफाई को लेकर सियासत तेज

नई दिल्ली (ईएमएस)। आम आदमी पार्टी ने शुक्रवार को दिल्ली नगर निगम पर 16 नए कूड़े के पहाड़ बनाने का आरोप लगाते हुए प्रदर्शन किया। आप विधायकों ने दिल्लीभर में जगह-जगह लगे कूड़े के ढेर का जायजा लेने के बाद नगर निगम और भाजपा के खिलाफ नारेबाजी की। आप विधायक सौरभ भारद्वाज ने कहा कि वैसे तो भाजपा शासित निगम ने पिछले 15 सालों में दिल्ली को कूड़े की राजधानी बना दिया है। भलस्वा, ओखला और गाजीपुर के कूड़े के पहाड़ों ने पहले ही दिल्लीवासियों का जीना दूभर कर रखा है। दिल्ली के किसी भी इलाके में चले जाओ, हर जगह कूड़ा-कूड़ा है। अब भाजपा 16 और कूड़े के पहाड़ बना रही है, जिसके लिए कुछ इलाके भी चिन्हित किए जा चुके हैं। इससे बड़ा खतरा दिल्ली वालों के लिए कुछ नहीं हो सकता है। हम किसी भी कीमत पर भाजपा को दिल्लीवालों की जिंदगी के साथ खिलवाड़ नहीं करने देंगे। आप विधायक दिलीप पांडेय ने कहा कि एमसीडी द्वारा कूड़े के पहाड़ बनाने की जो योजना है, उसका हम विरोध करते हैं। भाजपा के 15 साल के शासन की सिर्फ यही उपलब्धि है।

विधायक आतिशी ने कहा कि गोविंदपुरी मेट्रो स्टेशन के पास नगर निगम की ओर से एक महीने से कूड़ा डाला जा रहा है। इससे कूड़े का पहाड़ यहां पर बनना शुरू हो गया। लैंडफिल साइट बनाए जाने का खुलासा करने के बाद निगम ने इसकी रातों-रात सफाई कराई।

दिल्ली में ऑटो और रिक्शा से सफर करना हुआ महंगा, केजरीवाल सरकार ने कितना बढ़ाया किराया

नई दिल्ली। दिल्ली में ऑटो-टैक्सी से सफर करना महंगा हो सकता है। दिल्ली सरकार ने सीएनजी की बढ़ती कीमतों को आधार बनाकर किराये में बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी है। जल्द ही इस-की अधिसूचना जारी होगी जिस-के बाद ऑटो, काली-पीली टैक्सी और इकॉनोमी टैक्सी के किराये की नई दरें लागू हो जाएंगी। ऑटो से शुरूआत के डेढ़ किलोमीटर का किराया 25 से बढ़ाकर 30 रुपये कर दिया गया है। जबकि टैक्सी से 25 रुपये की जगह 40 रुपये देने होंगे। यानी ऑटो से सफर करने पर प्रति किलोमीटर डेढ़ रुपया अधिक किराया देना होगा। एसी टैक्सी से चार रुपये और गैर-एसी टैक्सी से सफर पर तीन रुपये प्रति किलोमीटर किराया बढ़ा दिया गया है। इससे पहले दिसंबर 2020 में ऑटो के किराये में बढ़ोतरी की गई थी लेकिन लगातार बढ़ रही सीएनजी की कीमतों को लेकर ऑटो यूनियन हड़ताल पर चली गई थीं। 18 अप्रैल को हुई हड़ताल के बाद सरकार ने 13 सदस्यीय समिति गठित की थी, जिसके सुझाव पर अब किराये में बढ़ोतरी की गई है। आपका अपना ऑटो टैक्सी यूनियन के महासचिव उपेंद्र सिंह ने कहा, हम सुनिश्चित कराएंगे कि सभी टैक्सी चालक मीटर से चलें और निर्धारित दरों से ही किराया लें। वहीं, दिल्ली ऑटो रिक्शा संघ के महामंत्री राजेश सोनी ने कहा, स-रकार के इस फैसले से बड़ी संख्या में सवारी ऐप आधारित टैक्सी सेवा की ओर शिफ्ट हो जाएंगी। हमारी मांग थी कि स-रकार किराये की दरों में वृद्धि न कर सीएनजी पर सब्सिडी दे। इस फैसले से कोई बड़ा लाभ नहीं होगा लेकिन हम सुनिश्चित कराएंगे कि सभी ऑटो और टैक्सी मीटर से चलें।

दिल्ली पुलिस को एक और सफलता पंजाब के 4 गैंग्स्टर गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने पाकिस्तानी इंटेलिजेंस एजेंसी आईएसआई समर्थित आतंकी मॉड्यूल का हिस्सा रहे चार गैंगस्टरों को गिरफ्तार किया है। चारों आरोपी आतंकवादी लखबीर सिंह के शार्पशूटरों में शामिल हैं। पुलिस फिलहाल इन सभी के अपराधों की कुंडली खंगाल रही है। गिरफ्तार किए गए चारों आरोपियों की पहचान लखविंदर सिंह उर्फ मटरू (31), गुरजीत उर्फ गुरी (21), हरमंदर सिंह (26) और सुखविंदर सिंह उर्फ सुखा (28) आतंकवादी लखबीर सिंह के शार्पशूटरों में शामिल हैं और उस-के इशारे पर ही काम करते हैं। पंजाब के रहने वाले चारों आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद भारत में अलगाववाद को बढ़ावा देने के लिए गैंगस्टर्स और अपराधियों के गठजोड़ का इस्तेमाल करने के लिए ड्रॉन के जरिए बॉर्डर इलाकों में हथियार फेंके जाने का भी खुलासा हुआ है। पुलिस अधिकारी इन सभी गैंगस्टरों से पूछताछ करने के साथ ही इनके मददगारों के अलावा गिरोह में शामिल अन्य सदस्यों जानकारी हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं।

केरल में अफ्रीकी स्वाइन फ्लू से दहशत, मांस की बिक्री पर प्रतिबंध, 48 सूअरों को मारा गया

कोट्टायम (केरल), (हि.स.)। केरल के कोट्टायम जिले के एक निजी पिग फार्म में अफ्रीकी स्वाइन फ्लू फैलने दहशत है। दो-तीन दिन में यह 6-7 सूअर दम तोड़ चुके है। महामारी वैज्ञानिक राहुल एस ने बताया कोट्टायम जिले में अफ्रीकी स्वाइन फ्लू की पहली सूचना 13 अक्टूबर को मिली थी सैंपल को जांच के लिए भेजा गया। वहां इस वायरस की पुष्टि हुई है। महामारी वैज्ञानिक राहुल के अनुसार फार्म में कुल 67 मौजूद पिग (सूअर) थे। इसमें से 19 पहले ही मर चुके थे और 48 पिग को हमने मारा है। इस क्षेत्र में जानवरों के परि-वहन और बिक्री, जानवरों के मांस की बिक्री और जानवरों को ले जाने वाले वाहनों पर सख्त प्रतिबंध लगाया है। यह भी सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए गए हैं कि संक्रमित क्षेत्र से कोई सूअर नहीं ले जाया जाए। इससे पहले केरल में एवियन फ्लू के चलते 20 हजार से ज्यादा पक्षियों को मारने के लिए बड़े स्तर पर अभियान शुरू किया गया है। बतखों में एवियन फ्लू की पुष्टि होने के बाद पक्षियों को मारने के लिए निर्देश दिए गए।

भारती सिंह-हर्ष के खिलाफ एनसीबी ने कोर्ट में दायर की 200 पेज की चार्जशीट

- ड्रग्स मामले में नवंबर 2020 में भारती और हर्ष के ऑफिस और घर में की थी छापेमारी

मुंबई (ईएमएस)। कॉमेडियन भारती सिंह और उनके पति हर्ष लिंबाचिया के खिलाफ ड्रग मामले में एनसीबी ने कोर्ट में 200 पेज की चार्जशीट दायर की है। साल 2020 में दोनों को एनसीबी ने गिरफ्तार किया था। हालांकि दोनों जमानत पर बाहर हैं। बता दें की जून 2020 में सुशांत सिंह राजपूत के सुसाइड के बाद से बॉलीवुड इंडस्ट्री में ड्रग्स के इस्तेमाल के मामले सामने आए थे। एनसीबी ने जब जांच शुरू की, तो कई बड़े सेलेब्स इसके घेरे में आए। एनसीबी ने दीपिका पादुकोण, श्रद्धा कपूर और सारा अली खान समेत कई बड़े सेलेब्स से ड्रग्स मामले में पूछताछ की थी। इसी क्रम में एनसीबी ने नवंबर 2020 में भारती सिंह और हर्ष लिंबाचिया के ऑफिस और घर में छापेमारी की थी। इस दौरान उनके घर से मा-रिजुआना बरामद किया गया था। इसके बाद एनसीबी ने कपल को गिरफ्तार कर लिया था। एनसीबी ने हर्ष और भारती को कोर्ट में पेश किया था और इसके बाद दोनों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया था। इस बीच कपल को 15 हजार रुपए कि सिक्योरिटी मनी जमान करवाने के बाद जमानत मिल गई थी। तब से दोनों बाहर है। हालांकि एनसीबी ने कोर्ट में दावा किया था कि अभियोजन पक्ष को सुने बिना ही जमानत दे दी गई। बता दें कि जब भारती सिंह को गिरफ्तार किया गया था, उस वक्त वह प्रेग्नेंट थीं। इस अप्रैल में उन्होंने बेटे लक्ष्य को जन्म दिया।

हर जिले में खुलेगा साइबर थाना, साइबर क्राइम पर लगेगी लगाम : मुख्यमंत्री

-मुख्यमंत्री का निर्देश, ड्रग्स के अवैध कारोबार के खिलाफ तेज हो अभियान

लखनऊ, (हि.स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को गृह विभाग की उच्चस्तरीय बैठक कर पुलिस, अग्निशमन, महिला सुरक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में किये जा रहे प्रयासों की समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में नगर विकास मंत्री अरविंद कुमार शर्मा भी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में मादक पदार्थों के अवैध निर्माण, खरीद-फरोख़्त और ड्रग ट्रैफिकिंग के विरुद्ध अभियान को और तेज करने की आवश्यकता है। इस दृष्टि से संवेदनशील जिलों में सतर्कता और इंटेलिजेंस को और बेहतर करना होगा। अंतरराज्यीय एवं अंतरराष्ट्रीय सीमा पर चौकसी बढ़ाई जाए। गृह विभाग के साथ-साथ नगर विकास एवं ग्राम्य विकास विभाग को भी इस अभियान में सहयोग करना होगा। बेहतर समन्वय के साथ ड्रग माफिया के खिलाफ कठोरतम का-र्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश, नेपाल राष्ट्र के साथ-साथ उत्त-राखंड, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखण्ड, बिहार और दिल्ली से अपनी सीमा साझा करता है। विकास और सुरक्षा की दृष्टि से सीमा प्रबंधन अत्यंत महत्वपूर्ण विषय है। सीमावर्ती जिलों में थाना, तहसील, विकास खंड सहित जिला प्रशासन में युवा, विजनरी और ऊजावान अधिकारियों की तैनाती की जाए। यहां सभी विभागों में पर्याप्त मानव संसाधन की उपलब्धता रहे। सभी सीमावर्ती जिलों में केंद्र एवं राज्य सरकार की लाभार्थीपरक योजनाओं का 100% संतृप्तिकरण सुनिश्चित करें। हर पात्र को स-रकार की योजनाओं का लाभ जरूर मिले। इन जिलों में योजनाओं की प्रगति की अलग से समीक्षा की जानी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सीमावर्ती जिलों में समीपवर्ती राज्य, राष्ट्र से आवागमन होता रहता है। ऐसे में यह जिले अन्य राज्य, राष्ट्र के लिए हमारे ब्रांड एम्बेसेडर सरीखे होते हैं। यह आवश्यक है कि यहां प्रशासन का व्यवहार सहयोगपूर्ण हो। इन जिलों में मंडी, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, मॉल, अच्छे स्कूल, बेहतर प-रिवहन व्यवस्था होनी चाहिए। इस दिशा में नियोजित प्रयास किया जाए। सीमावर्ती जिलों में प्रदेश की पुलिस एवं एसएसबी के दल के साथ ज्वाइंट पेट्रोलिंग कराई जाए। एसएसबी के साथ बेहतर समन्वय बनाये रखें। आज के दौर में साइबर सिक्योरिटी अहम विषय है। पुलिस परिक्षेत्र के बाद अब प्रदेश के हर जिले में एक साइबर क्राइम थाना की स्थापना की आवश्यकता है। इस बारे में यथाशीघ्र विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर प्रस्तुत करें। उन्होंने कहा कि लखनऊ में निमार्णाधीन फॉरेंसिक इंस्टीट्यूट के कार्य में तेजी की अपेक्षा है। गांधीनगर, गुजरात स्थित नेशनल फॉरेंसिक यूनिवेसर्टी के सहयोग से यहां के लिए सर्टिफिकेट, डिप्लोमा व डिग्री पाठ्यक्रम तैयार कराये जाएं। अग्निशमन अनापत्ति प्रमाण-पत्र जारी करने की व्यवस्था को और व्यवहारिक बनाने के लिए इसमें बदलाव की आवश्यकता है। इसके साथ-साथ अन्य आवश्यक बदलावों को अंगीकार करते हुए फायर एक्ट को और बेहतर बनाया जाना चाहिए। महिला सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन के संकल्प की पूर्ति में "सेफ सिटी परियोजना" अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो रही है। प्रदेश में इस परियोजना के माध्यम से लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट के अंतर्गत मॉडर्न कंट्रोल रूम, पिंक पुलिस बूथ, आशा ज्योति केंद्र, सीसीटीवी कैमरे, महिला थानों में परामर्शदाताओं के लिए हेल्प डेस्क, बसों में पैनिक बटन एवं अन्य सुरक्षा उपायों को लागू करने में सहायता मिली है। हाल के समय में महिला सुरक्षा एवं अपराध नियंत्रण में सीसीटीवी कैमरों की महत्वपूर्ण भूमिका का हम सभी ने अनुभव किया है। वर्तमान में स्मार्ट सिटी परियोजना अंतर्गत स्थापित इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम से शहरों की सुरक्षा व्यवस्था स्मार्ट हुई है। बड़ी संख्या में व्यापारीगणों ने सीसीटीवी कैमरे लगाने में सहयोग किया है। हमें इसे एक मुहिम का रूप देना होगा। गृह, नगर विकास, आवास, संस्थागत वित्त और राज्य कर विभाग परस्पर बैठक कर जनसहयोग के माध्यम से सभी सार्वजनिक स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे, पिंक टॉयलेट, बसों में पैनिक बटन आदि सुरक्षा प्रबंध करने की कार्ययोजना तैयार करें।

भारत ने सभी तरह के विचारों का किया स्वागतः शिवराज

इंदौर, (हि.स.)। मुख्यमंत्री शि-वराज सिंह चौहान कहा कि आज युवा साथियों से स्वामी वि-वेकानंद जी की उन पंक्तियों को साझा करना चाहता हूं कि तुम ईश्वर के अंश हो, ईश्वर के पुत्र हो, अनंत शक्तियों के भण्डार हो, कोई ऐसा काम नहीं है, जिसे तुम नहीं कर सकते हो। भारत ने सभी तरह के विचारों का स्वागत किया। हमारे भगवान के विषय में कहा गया कि भगवान साकार है। कुछ लोगों ने कहा कि वह तो सृष्टि के कण-कण में है, वह तो निराकार है। मुख्यमंत्री चौहान शनिवार को इंदौर प्रवास के दौरान यहां डेली कॉलेज के 'यंग थिंकर्स कॉन्क्लेव 2022' को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में इंदौर महापौर पुष्यमित्र भार्गव एवं अन्य गणमान्य जन उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रृषि चार्वाक ने कहा कि यावज्जीवेत्सुखं जीवेत ऋणं कृत्वा घृतं पिबेत। भस्मीभूतस्य देहस्य पुनरागमनं कुतः।।' इनके विचार को भी भारत ने स्वीकार किया। संयुक्त राष्ट्र तो द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद बना। हमारे ऋषियों ने तो पहले ही कह दिया था कि अयं निजः परोवेति गणना लघुचेतसाम। उदारचरितानां वसुधैव कुटुम्बकम॥ दुनिया में एक नहीं, अनेक विचार आये। पहले राजतंत्र था, फिर प्रजातंत्र आया, औद्योगिक क्रांति आई और जब शोषण की अति हो गई, तो कार्ल मार्क्स ने कहा कि दुनिया के मजदूरों एक हो जाओ, तुम्हारे पास खोने के लिए कुछ नहीं है, लेकिन पाने के लिए सारा संसार पड़ा है। उन्होंने कहा कि भारत के गांव-गांव में पंडित जी सत्यनारायण भगवान की कथा भी कहते हैं तो हर बच्चे से कहलाते हैं कि धर्म की जय हो, अधर्म का नाश हो, प्राणियों में सद्भावना हो और विश्व का कल्याण हो।

रूस के राष्ट्रपति ने भी माना, मोदी जैसे राष्ट्रभक्त दुनिया में नहीं : दिनेश शर्मा

मेरठ (हिंस)। उप्र के पूर्व उप मुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत का रुतबा पूरी दुनिया में बढ़ा है। रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन ने भी भारत का लोहा माना है और कहा है कि नरेंद्र मोदी जैसा राष्ट्रवादी पूरी दुनिया में नहीं है। योगी सरकार की तारीफ करते हुए डॉ. दिनेश शर्मा ने कहा कि कांवड़ यात्रा पर पहले पत्थर बरसते थे और अब फूल बरसते हैं। उप्र श्रम कल्याण परिषद के पूर्व अध्यक्ष पंडित सुनील भराला के पल्लवपुरम फेज-2 स्थित आवास पर शनिवार को पूर्व उप मुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा पहुंचे। मेरठ पहुंचने पर कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। पत्रकारों से बातचीत करते हुए डॉ. दिनेश शर्मा ने कहा कि विपक्षी दल अपना अस्तित्व बचाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। भारत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कोई विकल्प नहीं है। पूरी दुनिया आज हमारे प्रधानमंत्री का लोहा मान रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ईमानदारी के कारण देश प्रगति कर रहा है। युद्धग्रस्त यूक्रेन से अपने छात्रों को सकुशल वापस भारत

लेकर आए। दुनिया में भारत की लोकप्रियता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वजह से हुई है। पूर्व उप मुख्यमंत्री ने कहा कि गुजरात, हिमाचल प्रदेश के विधानसभा चुनावों और उत्तर प्रदेश के निकाय चुनावों में भाजपा को प्रचंड बहुमत मिलेगा। योगी सरकार बनने से उप्र में माफिया राज खत्म हो गया है और विकास कार्यों को बढ़ावा मिला है। निकाय चुनावों को लेकर उन्होंने कहा कि उप्र के निकाय चुनावों में विपक्ष का सूपड़ा साफ हो जाएगा। भाजपा कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर निकाय चुनाव लड़ने चाहिए। भाजपा में पद नहीं, बल्कि कार्यकर्ता बड़ा होता है। इस अवसर पर जिला सहकारी बैंक के चेयरमैन मनिंदर पाल सिंह, जिलाध्यक्ष विमल शर्मा, पूर्व विधायक सत्यप्रकाश अग्रवाल, अजय भारद्वाज भराला, अंकुर मुखिया, डॉ. राजीव भराला, अरुण वशिष्ठ, विजेंद्र अग्रवाल, राजकुमार कौशिक, डीडी शर्मा, पूर्व महापौर सुशील गुर्जर, राजेश कांत जैन, शिवकुमार शर्मा, हरेंद्र जाटव जितेंद्र प्रधान आदि उपस्थित रहे।

ट्रैक्टर पलटने से दो युवकों की मौत

प्रतापगढ़ (हिंस)। उदयपुर थानाक्षेत्र में बेकाबू ट्रैक्टर पलटने से दो युवकों की मौत हो गई। रात भर दोनों ट्रैक्टर के नीचे दबे रहे। शनिवार को जानकारी होने पर उन्हें वाहन के नीचे से मशक्कत के बाद बाहर निकाला गया तो उनकी मौत हो चुकी थी। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। उदयपुर थाना क्षेत्र के भगवानदीन का पुरवा गांव के निकट शुक्रवार की रात में करीब 12 बजे की घटना है। मिस्त्री का पुरवा राहा टीकर निवासी लवकुश यादव (20) जो ट्रैक्टर चालक था। वह शुक्रवार की रात में ट्रैक्टर लेकर कहीं से आ रहा था। उसके साथ दोस्त अहीरन का पुरवा ऊंछापुर निवासी वीरेंद्र कुमार यादव (20) भी मौजूद था। भगवानदीन का पुरवा में अचानक ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे के बाद ट्रैक्टर के नीचे लवकुश और वीरेंद्र दब गए। रात होने के कारण किसी को हादसे की जानकारी नहीं हो सकी। रात भर ट्रैक्टर के नीचे दबे होने के कारण दोनों की मौत हो गई।

औरंगाबाद में सिलेंडर ब्लास्ट, सात पुलिसकर्मियों समेत 25 से अधिक घायल

औरंगाबाद/पटना (हिंस)। बिहार में औरंगाबाद शहर के नगर थाना इलाके के शाहगंज मोहल्ले में शनिवार तड़के एक घर में हुए सिलेंडर ब्लास्ट में सात पुलिसकर्मी सहित करीब दो दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। यह धमाका अनिल गोस्वामी के घर पर हुआ। पुलिस के मुताबिक अनिल के घर खरना की तैयारी हो रही थी। इस दौरान रसोई सिलेंडर से गैस लीक कर गई और आग फैल गई। इस दौरान सिलेंडर में विस्फोट हो गया। स्थानीय लोगों ने किसी तरह आग पर काबू पाने का प्रयास किया लेकिन इसमें सफलता नहीं मिली। आशंका जताई जा रही है कि शार्ट सर्किट के कारण सिलेंडर से लीक हो रही गैस ने आग पकड़ी। इस हादसे में 25 से 30 लोग घायल हो गए। इसमें से करीब 10 लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। सदर अस्पताल में भर्ती लोगों का उपचार किया गया। इसके बाद लोग स्थिति अनुसार अपने मरीज को आसपास के निजी अस्पताल एवं गंभीर हालत देखते हुए बाहर ले गए। सदर अस्पताल से 10 घायलों को गंभीर अवस्था में रेफर कर दिया गया। नगर थाना के एसआई विनय कुमार सिंह में बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस पहुंची। आग बुझाने का प्रयास किया गया। इस दौरान तेज धमाका हुआ। छानबीन की जा रही है। गृहस्वामी अनिल गोस्वामी का कहना है कि सिलेंडर में गैस लीकेज से आग लगी है। सिंह ने बताया कि हादसे में सात पुलिसकर्मी भी घायल हैं। घायलों में प्रभात कुमार, आर एन गोस्वामी, अनिल कुमार, राज किशोर, मो नाजिर, मो मेराज, मो बिट्टू, अशगर, शाहनवाज, सोनू, मोनू, महेंद्र साव, आदित्य राय, सुधांशु कुमार, छोटू आलम, अरबाज, शाबिर, पंकज वर्मा, अभय कुमार ठाकुर, राजीव कुमार, दिलीप कुमार, आदित्य कुमार, अखिलेश कुमार, मो मोज्म, छोटू आलम, प्रीति कुमारी, जगलाल प्रसाद आदि हैं।

मेरठ में 400 हिंदुओं के मतांतरण मामले में नौ के खिलाफ मुकदमा दर्ज

मेरठ (हिंस)। उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले में 400 हिंदुओं के मतांतरण के मामले में नौ लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। भाजपा के महानगर मंत्री दीपक शर्मा के आरोपों के बाद शुरू हुई जांच में इस पूरे मामले के तार दिल्ली से जुड़े पाए गए हैं। शर्मा ने 400 हिंदुओं को जबरन ईसाई बनाने का आरोप लगाया था। एक अस्थायी चर्च की जांच में मिले दस्तावेज से पता चला है कि सुनियोजित तरीके से मतांतरण कराया गया। पुलिस के साथ ही इंटेलीजेंस, एलआईयू की टीम भी जांच में जुटी हुई हैं। अभी तक नौ लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस चार लोगों को हिरासत में लेकर गहन पूछताछ में जुटी है। भाजपा के महानगर मंत्री दीपक शर्मा के नेतृत्व में ब्रह्मपुरी थाना क्षेत्र के मंगतपुरम के लोगों ने शुक्रवार को एसएसपी कार्यालय पर प्रदर्शन करके 400 लोगों को जबरन ईसाई बनाने के आरोप लगाए थे। इसके बाद एसएसपी रोहित सिंह सजवाण के निर्देश पर सीओ ब्रह्मपुरी ब्रिजेश कुमार ने जांच शुरू की। शुक्रवार देर रात क्राइम ब्रांच, इंटेलीजेंस, एलआईयू की टीमों ने मंगतपुरम में जाकर जांच शुरू कर दी। जांच में अभी तक पुलिस को मंगतपुरम में अस्थायी चर्च मिला और वहां से कुछ कागजात मिले। इससे पता चला है कि इस मतांतरण के तार दिल्ली से जुड़े हैं। दिल्ली निवासी महेश पास्टर ने पूरी योजना तैयार करके मतांतरण कराया। कोराना काल में मतांतरण की साजिश रची गई और इसकी नींव रखी गई। मंगतपुरम के लोगों की बेटियों की शादी और बच्चों की पढ़ाई का खर्च महेश उठा रहा था। मेरठ के रेलवे रोड निवासी अनिल इस मामले की निगरानी कर रहा था। पूरे मामले की अभी तक की जांच के आधार पर ब्रह्मपुरी थाने में बिनवा, अनिल, सरदार, निक्कू, छबीली उर्फ शिवा, बसंत, प्रेमा, तितली, रीना के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने चार लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। एसएसपी ने सीओ ब्रह्मपुरी के नेतृत्व में पूरे प्रकरण की जांच के लिए कमेटी का गठन किया है।

सुरक्षित व स्वच्छ छठ के संदेश के साथ जनभावनाओं का करें सम्मान : मुख्यमंत्री

लखनऊ (हिंस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने छठ महापर्व के अवसर पर आमजन की आवश्यकताओं के अनुरूप व्यवस्था के संबंध में शनिवार को उच्चस्तरीय बैठक कर निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि 30 एवं 31 अक्तूबर को लोकआस्था का महापर्व छठ मनाया जाना है। पूर्वी उत्तर प्रदेश और बिहार में इस पर्व की विशिष्ट परंपरा रही है। हमारा प्रयास हो कि हर एक व्रतधारी श्रद्धालु जन को अधिकाधिक सुविधाएं उपलब्ध हों, ताकि पर्व का आयोजन सुचारू पूर्वक संपन्न हो। इस वर्ष *स्वच्छ और सुरक्षित छठ* का संदेश लेकर लोगों की जरूरत के अनुसार सभी प्रबंध किए जाएं। छठ महापर्व में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की सपरिवार सहभागिता होती है। ऐसे में नदी घाटों पर स्वच्छता, सुरक्षा, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, पार्किंग, मोबाइल टॉयलेट, पेयजल सहित जनसुविधा के व्यवस्थित प्रबंध किए जाएं। स्थानीय आवश्यकताओं का ध्यान रखते हुए सभी व्यवस्था होनी चाहिए। छठ पर

अस्ताचलगामी सूर्य और उदित होते सूर्य को अर्घ्य देने की परंपरा है। नदी घाटों के आस-पास पर्याप्त प्रकाश प्रबंध होना चाहिए। पर्व के अवसर पर निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित कराई जाए। नदी की गहराई के अनुसार सुरक्षित क्षेत्र का चित्रांकन किया जाए। छठ घाटों के पास स्वास्थ्य शिविर लगाए जाएं। यहां डेंगू, बुखार एवं विभिन्न जलजनित बीमारियों की जांच की व्यवस्था होनी चाहिए। व्रतधारी माताएं ठंडे पानी में देर तक खड़ी रहती हैं। ऐसे में किसी आपात स्थिति से निपटने के लिए प्राथमिक चिकित्सा का समुचित प्रबंध किया जाए। जिन नदी, तालाब एवं अन्य जलाशय पर छठ पूजन की परंपरा है, वहां पानी की पर्याप्त उपलब्धता होनी चाहिए। आपात स्थिति के लिए एसडीआरएफ/एनडीआरएफ की टीमों की तैनाती होनी चाहिए। सुरक्षा के दृष्टिगत पूजन स्थल पर पुलिस की उपस्थिति रहे। महिला पुलिस की भी तैनाती की जाए। कुछ पुरुष पुलिस को सादी वर्दी में भी तैनात किया जाना चाहिए। हर प्रमुख स्थल, जहां छठ पूजन होता है, वहां पब्लिक एड्रेस सिस्टम की व्यवस्था करें। कई बार छोटे बच्चे अपने परिजनों से बिछड़ जाते हैं, ऐसे में एक हेल्पडेस्क की स्थापना भी कराई जाए। इन स्थलों पर ट्रैफिक प्रबंधन पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। पार्किंग की समुचित व्यवस्था हो। छठ पूजन के दौरान आतिशबाजी की परंपरा है। लोगों की आस्था का सम्मान करते हुए उनकी सुरक्षा का ध्यान रखा जाना चाहिए। यह सुनिश्चित करें कि आतिशबाजी भीड़भाड़ से दूर हो, ताकि व्रत-पूजन सुचारू रूप से सम्पन्न हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर व्यक्ति छठ पर्व अपने पूरे परिवार के साथ मनाने की इच्छा रखता है। ऐसे में पूर्वी उत्तर प्रदेश के जिलों में लोगों को घर तक पहुंचाने के लिए अतिरिक्त बसें लगाई जाएं। दूसरे प्रदेशों से आ रहे लोगों के साथ प्रशासन एवं पुलिस के लोग सहयोगपूर्ण व्यवहार करें। उन्होंने कहा कि प्रदेश के प्रत्येक नागरिक को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधा सुलभ कराने के लिए सरकार संकल्पित है। विगत कुछ दिनों से डेंगू एवं अन्य बीमारियों के मरीजों की संख्या में बढ़ोतरी देखी जा रही है। प्रत्येक दशा में यह सुनिश्चित किया जाए कि अस्पताल में आने वाले हर मरीज को बेड मिले, उसकी विधिवत जांच हो और समय पर इलाज किया जाए।

31 अक्तूबर को *राष्ट्रीय एकता दिवस* के रूप में मनाई जाएगी पटेल की जयंती

लखनऊ (हिंस)। राष्ट्रीय एकीकरण के शिल्पकार लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती को *राष्ट्रीय एकता दिवस* के रूप में 31 अक्तूबर को मनाई जाएगी। अपर जिलाधिकारी नगर (पूर्वी) अमित कुमार ने शनिवार को यह जानकारी देते हुए बताया है कि भारतरत्न लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती 31 अक्तूबर को *राष्ट्रीय एकता दिवस* के रूप में मनाई जाएगी। *राष्ट्रीय एकता दिवस* के अवसर पर आजादी का अमृत महोत्सव की भावना का संदेश पूरे देश में प्रसारित करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय एकता को केंद्र में रखते हुए विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। जैसे कि सचल वाहन प्रदर्शनी, छात्रों के मध्य प्रतियोगिता, सुरक्षा बलों द्वारा मार्च पास्ट तथा जनपद में कम से कम 100 एकता दौड़ आयोजित किए जाएंगे। देश की एकता अखण्डता के लिए *राष्ट्रीय एकता दिवस* के अंतर्गत शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित करते हुए शपथ ली जायेंगी। उन्होंने बताया है कि इस अवसर पर होने वाले समारोह में साइकिल रैलियों, मोटर साइकिल रैलियों, सुबह आठ बजे से प्राइमरी विद्यालयों के छात्रों की ओर अपने-अपने क्षेत्र मे प्रभात फेरी, माध्यमिक विद्यालय के छात्रों द्वारा रैली का आयोजन किया जाएगा। सरदार वल्लभ भाई पटेल के व्यक्तित्व एवं कृतिव के बारे में निबन्ध, वाद- विदाद, भाषण प्रतियोगिता, माध्यमिक विद्यालयों, महाविद्यालयों आदि में आयोजित कराई जाएगी।

ड्रोन से होगी छठ घाटों की निगरानी, सुरक्षा में तैनात रहेंगे 1500 जवान

रांची (हिंस)। रांची में छठ महापर्व को लेकर जिला प्रशासन की ओर से सुरक्षा व्यवस्था की सभी तैयारी पूरी कर ली गई है। राजधानी के विभिन्न छठ घाटों पर पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा में लगभग 1500 अतिरिक्त जवान को तैनात किया गया है। पूरे शहर को चार जोन में बांटकर दंडाधिकारी के नेतृत्व में पुलिस जवानों को तैनात किया गया है। छठ घाट पर पहुंचने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी ना हो, इस बात को लेकर पुलिस ने विशेष तैयारी की है। सभी डीएसपी और थाना प्रभारियों को संबंधित क्षेत्र में निगरानी रखने को कहा गया है। इसके अलावा सीसीटीवी और ड्रोन कैमरे से सभी छठ घाटों की निगरानी की जाएगी। एसएसपी किशोर कौशल ने शनिवार को बताया कि छठ घाटों की सुरक्षा के मद्देनजर 1500 जवानों की तैनाती की गई है।

साथ ही ड्रोन और सीसीटीवी कैमरे से घाटों की निगरानी की जाएगी। छठ महापर्व के दौरान ट्रैफिक में बदलाव किया गया है। इसके लिए 30 अक्तूबर की सुबह आठ बजे से लेकर रात के 11 बजे और 31 अक्तूबर की सुबह दो बजे से लेकर रात के 10 बजे तक शहर में भारी वाहनों के प्रवेश पर पाबंदी लगा दी गई है। सिटी सह ट्रैफिक एसपी अंशुमान कुमार ने शनिवार को बताया कि इस दौरान भारी वाहन शहरी क्षेत्र को छोड़ कर रिंग रोड से अपने गंतव्य तक जाएंगे। कांके रोड में ट्रैफिक नियंत्रण के लिए विशेष इंतजाम किए गये हैं। कांके रोड में 31 अक्तूबर को दिन के दो बजे से शाम के सात बजे तक राम मंदिर एवं चांदनी चौक के पास एक्सेस कंट्रोल प्वाइंट होगा। सिर्फ छठ व्रती को लेकर घाट के तरफ जाने वाले वाहनों को प्रवेश की अनुमति होगी। राम मंदिर से कांके की ओर जाने वाली सड़क की बायीं लेन छठ व्रतियों को लाने और ले जाने के लिए विशेष रूप से चिह्नित किया गया है। इसके साथ ही चांदनी चौक से राम मंदिर की ओर आनेवाली सड़क की बायीं लेन को जतरा-झांकी के लिए निर्धारित किया गया। कांके रोड चांदनी चौक के तरह से छठ व्रतियों को लेकर आनेवाले वाहन को चांदनी चौक के पास रांग-वे में भी आने की छूट दी गई है। चांदनी चौक की ओर से आनेवाले वाहन गांधी नगर छठ घाट एवं सीएमपीडीआइ छठ घाट आ सकते हैं। शहर की कई जगह को चिह्नित कर वाहनों के लिए पार्किंग की सुविधा भी प्रदान की गई है। रणधीर वर्मा चौक से हटनिया तालाब जानेवाले मार्ग में निगम पार्क, रोड किनारे वाहन पार्क होंगे। जबकि एसएसपी आवास से हटनिया तालाब जाने वाले मार्ग में रोड किनारे, जाकिर हुसैन पार्क से हटनिया तालाब जाने वाले मार्ग में नागा बाबा खटाल और सड़क किनारे, चांदनी चौक से कांके डैम जाने वाले मार्ग में सीएमपीडीआइ/गांधीनगर एवं रॉक गार्डेन के पास, शालीमार बाजार से तालाब जाने जाने वाले मार्ग में शालीमार बाजार एवं शहीद मैदान से तालाब जाने वाले मार्ग में वाहन शहीद मैदान में पार्क होंगे।

भारी मात्रा में गोली व हथियार के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

बेगूसराय (हिंस)। बिहार पुलिस का स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) इन दिनों हथियार तस्करों की कमर तोड़ने में लगातार जुटा हुआ है। बेगूसराय की स्थानीय पुलिस को भले ही हथियार तस्करों को पकड़ने में सफलता नहीं मिल रही हो। लेकिन एसटीएफ बेगूसराय से जुड़े हथियार तस्करों को लगातार गिरफ्तार कर रही है। बीते रात भी पटना एसटीएफ की टीम ने बेगूसराय के दो हथियार तस्करों को खगड़िया रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार हथियार तस्कर साहेबपुर कमाल थाना क्षेत्र के श्रीनगर छर्रा पट्टी निवासी घोलट प्रसाद यादव का पुत्र कन्हैया कुमार उर्फ अमरजीत एवं इसी गांव के अमरजीत यादव का पुत्र बिट्टू कुमार है। इन दोनों के पास से 7.65 एमएम का एक पिस्टल, पिस्टल का दो मैगजीन, 7.65 एमएम का एक सौ गोली, दो मोबाइल तथा 250 रुपया बरामद किया गया है। गिरफ्तार दोनों तस्करों से पुलिस की टीम पूछताछ कर रही है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार हथियार तस्करों को चुन-चुन कर गिरफ्तार करने में जुटी एसटीएफ की टीम को सूचना मिली थी कि बेगूसराय के दो हथियार तस्कर एक बार फिर हथियार और बड़ी संख्या में गोली के डील को अंजाम देने वाले हैं। सूचना मिलते ही एसटीएफ की स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी)-वन पटना ने जाल बिछा दिया। इसके बाद मिले इनपुट के आधार पर छापेमारी कर दोनों कुख्यात को खगड़िया रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार किया है। उल्लेखनीय है कि विगत छह महीने में एसटीएफ की टीम ने बेगूसराय में एक दर्जन से अधिक हथियार तस्करों को स्थानीय पुलिस के सहयोग से गिरफ्तार किया है। परसों भी टीम ने तीन तस्करों को हथियार के साथ गिरफ्तार किया था, उसके मात्र 48 घंटे के बाद फिर बड़ी सफलता मिली है।

ईश्वरीय विवि की पांचवी वर्षगांठ हर्षोल्लास संपन्न

सहरसा (हिंस)। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय बनगांव रोड स्थितशांति अनुभूति भवन की पांचवीं वर्षगांठ शनिवार को हर्षोल्लास एवं समारोहपूर्वक मनाई गई। कार्यक्रम को संबोधित कर सेवाकेंद्र प्रभारी स्नेहा बहन ने कहा कि सहरसा में कोशी वासियों की आध्यात्मिक सेवा के लिए जनवरी 2008 में ब्रह्मा कुमारीज की शाखा का शुभारंभ हुआ था। परिणामस्वरूप अनेक कोशीवासी भाई-बहनों ने ईश्वरीय ज्ञान का लाभ लेकर जीवन को पवित्रता, सात्विकता एवं चरित्र-निर्माण के मार्ग पर कदम बढ़ाया और सेवाओं का चारों ओर विस्तार करने

के लक्ष्य से सेवाकेंद्र का अपना भवन बनाने का संकल्प किया। 29 अक्टूबर, 2017 कोशांति अनुभूति भवन का निर्माण कार्य संपन्न हुआ। जिसका उद्घाटन बिहार ब्रह्मा कुमारीज सेंटर्स की संचालिका राजयोगिनी रानी दीदी और बिहार की अनेक वरिष्ठ बहनें एवं भाई पधारे और बहुत ही शानदार उद्घाटन कार्यक्रम संपन्न हुआ। विगत पांच वर्षों में माउंट आबू एवं भारत के अनेक प्रमुख स्थानों से महारथी, त्यागी-तपस्वी, महान आत्माओं का इस भूमि पर शुभागमन हुआ। जिनके द्वारा अनेक कार्यक्रमों के माध्यम से लाखों आत्माओं को परमपिता परमात्मा शिव के अवतरण एवं कर्तव्य का जो महान कार्य का संदेश पहुंचाया गया। इस स्थान पर प्रतिदिन राजयोग प्रशिक्षण एवं अनेक प्रकार की सेवाओं का कार्यक्रम चलता रहता है।

मनी लांड्रिंग मामले में पंकज मिश्रा की याचिका पर सुनवाई नौ नवंबर को

रांची (हिंस)। अवैध खनन से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले में पंकज मिश्रा की जमानत याचिका पर शनिवार को सुनवाई हुई। मामले में ईडी की ओर से जवाब दाखिल करने के लिए समय की मांग की गई। अगली सुनवाई नौ नवंबर को होगी। 17 अक्तूबर को पंकज मिश्रा ने जमानत याचिका दाखिल किया था। इससे पूर्व ईडी ने पंकज मिश्रा को 19 जुलाई को गिरफ्तार किया था। तीसरी बार समन भेजने के बाद पंकज मिश्रा ईडी कार्यालय पहुंचे थे। ईडी ने आठ घंटे की कड़ी पूछताछ के बाद अवैध खनन मामले में गिरफ्तार पंकज को गिरफ्तार कर लिया था। ईडी की टीम ने पंकज मिश्रा को लगातार दो बार समन जारी किया था लेकिन स्वास्थ्य का हवाला देते हुए ईडी कार्यालय नहीं पहुंचे थे।

150 रुपए के सिक्कों में सूफी संत रामचंद्र की फोटो से खुशी की लहर

फर्रुखाबाद (हिंस)। जिले में जन्मे सूफी संत रामचंद्र की 150वीं जयंती पर केंद्र सरकार उनकी फोटो सहित 150 रुपए का सिक्का जारी करने जा रही है। इसकी जानकारी होने पर संत के शिष्यों में खुशी की लहर दौड़ गई है। महात्मा के परिजन दिनेश बताते है कि सूफी संत रामचंद्र ब्रिटिश काल में फतेहगढ़ में जिलाधिकारी के पेशकार थे। जब कमिश्नर मुआयने पर जनपद आए तो उस समय रामचंद्र ध्यान में मस्त थे। किवदंती है कि रामचंद्र के रूप में किसी शक्ति ने आकर कलेक्ट्रेट का मुआयना कराया और उनके हर सवाल का जबाव दिया। जब रामचंद्र का ध्यान टूटा तो वह भाग कर कचहरी चले आए। उन्हें देख कर कमिश्नर ने कहा कि बहुत अच्छे जबाव दिए आपने। इस घटना का असर उनके जीवन पर पड़ा और उन्होंने नौकरी छोड़ दी। फतेहगढ़ में रह कर उन्होंने अखंड साधना की, जिससे दुनिया भर के 80 देशों में उनके शिष्य बन गए। सूफी संतों की परंपरा में आदरणीय नाम, परम त्यागी, महान ज्ञानी, भेदभाव रहित जीवन बिता कर सारे संसार को मानवता का संदेश देने वाले सूफी संत महात्मा रामचंद्र लाला महाराज के 150 जयंती के अवसर पर उनकी स्मृति स्वरूप 150 रुपए का स्मारक सिक्का केंद्र सरकार प्रचलित करेंसी में जारी करने जा रही है। इसकी विधिवत अधिसूचना भी केंद्र सरकार द्वारा जारी की जा चुकी है। इस अधिसूचना का पता चलते ही महात्मा रामचंद्र के अनुयायियों में खुशी की लहर देखी जा रही है। इन सूफी महात्मा की समाधि फतेहगढ़ (फर्रुखाबाद) नवादिया में है। महात्मा रामचंद्र का गहरा संबंध कायमगंज क्षेत्र से है। बताया जाता है कि कायमगंज क्षेत्र के गांव रायपुर में इनके गुरु सूफी संत मौलाना शाह फजल अहमद खां की रायपुर दरगाह में समाधि बनी हुई है। मौलाना साहब नक्शबंदी सिलसिले के एक बहुत बड़े महान सूफी संत शायक रहे। इन्हीं मौलाना साहब ने पहली बार में और एक नजर में ही अपने सूफी ज्ञान से जब महात्मा रामचंद्र अपनी कम उम्र में ही उनसे मिले थे, उसी समय उन्होंने इनकी प्रतिभा को परख लिया था। बताया जा रहा है कि जब मौलाना साहब ने महात्मा रामचंद्र

को सूफी ज्ञान दिया। तो इसका तत्कालीन बहुत से सूफी संतों ने विरोध भी किया था। इसी के साथ कुछ दूसरे धर्म के प्रचारकों ने भी अपना विरोध दर्ज कराया था। इस पर सूफी संत मौलाना साहब ने शर्त रख दी थी कि जो भी इस कम उम्र के बच्चे को तर्कपूर्ण बहस में सार्थकता के साथ पराजित कर देगा और यदि यह हार गया तो मैं अपना दिया हुआ ज्ञान इसके पास से खत्म कर दूंगा। शर्त के मुताबिक, शास्त्रार्थ हुआ लेकिन अपने गुरु की कृपा से महात्मा रामचंद्र ने अपने सभी प्रतिद्वंद्वियों को पराजित कर दिया। इसके बाद मौलाना साहब ने इन्हें पूरी तरह सूफी ज्ञान देकर दुआ भी दी थी, की एक दिन रामचंद्र ही इस सूफी ज्ञान को पूरी दुनिया में पहुंचाने में सफल होगा और वैसा ही हुआ। ज्ञान देने वाले मौलाना साहब कायमगंज क्षेत्र में स्थित इसी गांव जहां उनकी दरगाह है रायपुर गांव के मूल निवासी भी थे। दुनिया को अलविदा कहने के बाद उन्हीं की इच्छा के मुताबिक उनकी समाधि रायपुर गांव में लगाई गई थी। जहां हर साल पूरे भारत देश के अलावा अन्य देशों से आने वाले उनके मुरीद समाधि पर आकर यहां होने वाले जलसे में समाधि पर मत्था टेक कर दुआएं मांगते हैं। ठीक इसी तरह उनके शिष्य महात्मा रामचंद्र लाला की समाधि भी फतेहगढ़ के पास बसे गांव नवदिया में मुख्य मार्ग के किनारे स्थित है। यहां भी सूफी अनुयाई बड़ी संख्या में आकर समाधि पर नमन करते हैं।

Tender No. Sil/02/2022-23

TENDER NOTICE

Sealed tenders affixing court fee stamp for Rs 8.25/- *(Rupees Eight and Paise Twenty-Five only)* are hereby invited from reputed Govt registered Firm/Supplier for supply of the following items under SOPD scheme. The details may be seen in the bid document available in the O/o The Silviculturist, Assam, Basistha, Guwahati-29 during the working hours of the office day. Tenders will be received by the undersigned on or before **10th November 2022 up to 3:00 PM (IST)** and will be opened in thesame day in presence of tenderers at 3:30 PM (IST). The rate should be put including all taxes as admissible. The bid document should be procured from the office of the undersigned on payment of Rs. 500.00 *(Rupees Five Hundred Only)* through demand draft pledged to the undersigned for each tender paper.
The intending tenderer shall quote the rate in rupees (words).

Sl. No.	Items	Specifications	Value (₹)
1	Digital Camera 1 No.	NIKON Z5 Kit with NIKKOR Z 24-200 mm F/4-6.3 lens	4,87,500.00 (Rupees Four Lakhs eighty seven thousand five hundred) only
2	Binoculars 2 Nos.	NIKON 7549 Monarch 7 10 × 42	
3	GPS Handset 2 Nos.	GRAMIN GPS Map 78s	
4	Hygrothermometer 5 Nos.	Any Model	
5	Photostat Machine with Scanner 1 No.	Canon iR c3226	

-- Janasanyog /C/ 12796/ 22

Silviculturist, Assam
Basistha, Guwahati-29

संपादकीय

खुदरा महंगाई दर में फिर हुई बढ़ोतरी

खुदरा महंगाई दर सितंबर में लगातार दूसरे महीने बढ़कर 7.41 फीसदी पर पहुंच गई, जो पिछले पांच महीने में सबसे ज्यादा है। इससे रिजर्व बैंक की परेशानी और बढ़ेगी। पिछले महीने खुदरा महंगाई दर में बढ़ोतरी की बड़ी वजह खाने की कीमतों में आई तेजी है, जो 22 महीने के शिखर पर जा पहुंची। अनाज और सब्जियों के दाम में तेजी की वजह सितंबर में देश के कई हिस्सों में हुई बारिश से सप्लाई में आई बाधा है, जो अस्थायी दिक्कत है। लेकिन कोर इन्फ्लेशन भी ऊंची बनी हुई है। इसमें अनाज और पेट्रोल-डीजल जैसे ईंधन की महंगाई शामिल नहीं की जाती। सितंबर में कोर इन्फ्लेशन 6.1 फीसदी के साथ चार महीने में सबसे अधिक रही। रिजर्व बैंक की परेशानी यह भी है कि पिछले 9 महीने से खुदरा महंगाई दर उसके लक्ष्य से ऊपर बनी हुई है। आरबीआई ने इसके लिए 4 फीसदी का लक्ष्य तय किया है और 2 फीसदी कम या ज्यादा की फ्लेक्सिबिलिटी भी रखी है। जिस एक्ट के तहत रिजर्व बैंक काम करता है, उसमें कहा गया है कि 9 महीने तक खुदरा महंगाई दर के लक्ष्य से ऊपर रहने पर उसे सरकार को आने वाले वक्त में इसका अनुमान और उसे नियंत्रित करने के उपाय बताने होंगे। महंगाई कम करने और अमेरिका में ब्याज दरों में बढ़ोतरी की वजह से रिजर्व बैंक पिछले मई से कर्ज महंगा कर रहा है। कर्ज महंगा होने से डिमांड कम होती है, जिससे महंगाई पर अंकुश लगता है। मई से अब तक आरबीआई नीतिगत दरों में 1.9 फीसदी की बढ़ोतरी कर चुका है। अभी रीपो रेट 5.9 फीसदी है, जो कोरोना महामारी से पहले के स्तर से भी अधिक है। माना जा रहा है कि दिसंबर के पहले हफ्ते में भी आरबीआई ब्याज दरों में 0.35 फीसदी का इजाफा कर सकता है। इससे आर्थिक ग्रोथ पर दबाव बन सकता है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने हाल ही में वित्त वर्ष 2023 में जीडीपी ग्रोथ का अनुमान घटाकर 6.8 फीसदी कर दिया था, जबकि आरबीआई ने 7 फीसदी का अनुमान रखा है। ब्याज दरों में बढ़ोतरी से डिमांड में कमी आएगी, जिससे आगे चलकर ग्रोथ और कम हो सकती है। यूं भी अगले साल वैश्विक मंदी के आने का खतरा है। मंदी से भी ग्रोथ में कमी आएगी, जिसका असर अभी से निर्यात की कमी के रूप में दिखने लगा है। दूसरी तरफ, सरकार का ध्यान ग्रोथ बढ़ाने पर होगा। वह तब रिजर्व बैंक पर डिमांड और इन्वेस्टमेंट बढ़ाने के लिए ब्याज दरों में कटौती का दबाव बना सकती है। महंगाई कम रखते हुए तेज ग्रोथ की बुनियाद पक्की करना आरबीआई के लिए आसान नहीं होगा, वह भी ऐसे दौर में जब यूक्रेन युद्ध और अमेरिका की मौद्रिक नीतियों की वजह से दुनिया भर में आर्थिक अनिश्चितता काफी बढ़ गई हो।

भारतीय रिजर्व बैंक की मुश्किलें एक बार फिर बढ़ी हैं। देस में खुदरा महंगाई दर सितंबर महीने में लगातार दूसरे महीने 7 .41 प्रतिशत पर पहुंच गई है। अमेरिका में ब्याज दरों में बढ़ोतरी और महंगाई कम करने के वास्ते आरबीआई पिछले मई से कर्ज महंगा कर रहा है।

विचार

परमाणु हथियारों के इस्तेमाल का खतरा इसलिए बढ़ गया है कि यूक्रेन को इतने लंबे समय से झुकता न देख रूस का अहं चोट खा रहा है

परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की आशंकाएं से बढ़ी चिन्ताएं

ललित गर्ग

रूस द्वारा परमाणु हथियारों के इस्तेमाल किये जाने एवं यूक्रेन के द्वारा 'डर्टी बम' का इस्तेमाल किये जाने की धमकियां, दुनिया के लिये डर का कारण बन रही है। भयंकर विनाश की आशंकाओं के बीच समूची दुनिया सहमी हुई है। यदि परमाणु हथियारों का उपयोग होता है तो यह मानवता के मूलभूत सिद्धांतों के खिलाफ होगा एवं दुनिया को अशांति की ओर अग्रसर करने वाला होगा। इस मसले का हल कूटनीति और आपसी बातचीत से ही निकालने के प्रयास किये जाने की आवश्यकता भारत लगातार व्यक्त करता रहा है। शांति का उजला एवं अहिंसा-सहजीवन की कामना ही भारत का लक्ष्य रहा है। इसीलिये भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लगातार युद्ध विराम की कोशिश करते हुए दोनों ही देशों को दिशा-दर्शन देते रहे हैं।

रूस एवं यूक्रेन के बीच लम्बे समय से चल रहा युद्ध भीषणतम तबाही एवं सर्वनाश का कारण बनता दिख रहा है। रूस द्वारा परमाणु हथियारों के इस्तेमाल किये जाने एवं यूक्रेन के द्वारा 'डर्टी बम' का इस्तेमाल किये जाने की धमकियां, दुनिया के लिये डर का कारण बन रही है। भयंकर विनाश की आशंकाओं के बीच समूची दुनिया सहमी हुई है। यदि परमाणु हथियारों का उपयोग होता है तो यह मानवता के मूलभूत सिद्धांतों के खिलाफ होगा एवं दुनिया को अशांति की ओर अग्रसर करने वाला होगा। इस मसले का हल कूटनीति और आपसी बातचीत से ही निकालने के प्रयास किये जाने की आवश्यकता भारत लगातार व्यक्त करता रहा है। शांति का उजला एवं अहिंसा-सहजीवन की कामना ही भारत का लक्ष्य रहा है। इसीलिये भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लगातार युद्ध विराम की कोशिश करते हुए दोनों ही देशों को दिशा-दर्शन देते रहे हैं। परमाणु युद्ध न हो, इसके लिये रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने यह अपील अपने रूसी समकक्ष सर्गेई शोइगु से बातचीत के दौरान की। यह बातचीत रूस की पहल पर ही आयोजित हुई थी। हालांकि कहना मुश्किल है कि रूस भारत की इस अपील को कितनी गंभीरता से लेगा। जब युद्ध शुरू हुआ तबसे लेकर अब तक भारत कई बार यह बात दोहरा चुका है, मगर दोनों में से किसी भी देश ने अपने रुख में लचीलापन लाने का प्रयास नहीं किया। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पूतिन के यूक्रेन की ओर से यूरेनियम जैसा रेडियोएक्टिव एलीमेंट से जुड़े 'डर्टी बम' के इस्तेमाल की आशंका जताए जाने के बाद जहां समूची दुनिया अनर्थ होने की आशंका से भयभीत एवं डरी हुई है, वहीं इस युद्ध के कहीं घातक दौर में प्रवेश करने का डर बढ़ गया है। यूक्रेन और उसके सहयोगी अमेरिका, फ्रांस और ब्रिटेन जैसे देशों ने भले ही इस आरोप को बेबुनियाद एवं बेतुका बताया हो या पश्चिमी देशों द्वारा रूस द्वारा परमाणु हथियारों का

प्रयोग की संभावनाएं जताया जाना, इन दोनों ही स्थितियों ने एक ऐसा अंधेरा परिव्याप्त किया है जिससे मानवता का भविष्य धुंधलाते हुए दिख रहा है। अब परमाणु हथियारों के इस्तेमाल का खतरा इसलिए बढ़ गया है कि यूक्रेन को इतने लंबे समय से झुकता न देख रूस का अहं चोट खा रहा है। हालांकि परमाणु हथियारों के दुष्परिणामों से दोनों देश अनजान नहीं हैं। इस युद्ध को चलते लंबा वक्त हो गया। इस तरह युद्धरत बने रहना खुद में एक असाधारण और अति-संवेदनशील मामला है, जो समूची दुनिया को विनाश एवं विध्वंस की ओर धकेलने जैसा है। ऐसे युद्ध का होना विजेता एवं विजित दोनों ही राष्ट्रों को सदियों तक पीछे धकेल देगा, इससे भौतिक हानि के अतिरिक्त मानवता के अपाहिज और विकलांग होने का भी बड़ा कारण बनेगा। भारत इस समस्या का समाधान कूटनीति के रास्ते से देखना चाहता है। वह युद्ध का अंधेरा नहीं, शांति का उजाला चाहता है। एक डर्टी बम शॉर्टहैंड है। इसे परमाणु-सुरक्षा अधिकारी रेडियोलॉजिकल डिस्पर्सल डिवाइस कहते हैं। यानी एक ऐसा उपकरण जो रेडियोधर्मी पदार्थों को फैलाने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। इसमें आमतौर पर डायनामाइट जैसे अक्सर इस्तेमाल किए जाने वाले विस्फोटकों के साथ किसी भी तरह के रेडियोधर्मी कचरे का इस्तेमाल किया जाता है। ये विस्फोट करने पर मलिनता या गंदगी फैलाते हैं। इन्हें आतंक फैलाने के हथियार के तौर पर भी देखा जाता है। इस तरह से ये आतंक फैलाने के साथ ही आर्थिक नुकसान करने के लिए जाने जाते हैं। इसमें परमाणु हथियारों की ऊर्जा या विनाशकारी क्षमता दूर-दूर तक नहीं होती। यह संभावना भी नहीं है कि एक डर्टी बम के विकिरण की पर्याप्त मात्रा सेहत पर तत्काल असर डाले या बड़ी संख्या में लोगों की मौत की वजह बने। फिर भी विनाश के तीक्ष्ण वार के रूप में इसका इस्तेमाल घातक हैं। विगत लम्बे दौर से दोनों देशों के बीच घातक एवं विनाशक हथियारों का लगातार प्रयोग होने से न केवल पर्यावरण प्रदूषित हो रहा है, बल्कि दुनिया में आर्थिक असंतुलन बढ़ रहा है, महंगाई बढ़ रही है। करीब दो हफ्ते पहले यूक्रेन की ओर से किए गए एक बड़े हमले के जवाब में रूस जिस तरह यूक्रेन के शहरों को निशाना बना कर हमले कर रहा है, उससे भारी तबाही की आशंका गहरी होती गई है। इन अशांत एवं युद्ध की स्थितियों से निजात दिलाने के लिये भारत लगातार प्रयासरत बना हुआ है। रूस ने जब यूक्रेनी शहरों पर, खासकर नागरिक ठिकानों को निशाना बनाते हुए क्रूज मिसाइलें छोड़ीं तो भारत ने लड़ाई फैलने को लेकर गंभीर चिंता जाहिर की थी। इससे पहले खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बातचीत में कहा था कि यह युद्ध का दौर नहीं है। लेकिन इन सबके बावजूद तथ्य यह है कि शांति स्थापना के अब तक के सभी प्रयास नाकाम रहे हैं। आज यूक्रेन और रूस के बीच जारी युद्ध की कीमत कमोबेश पूरी दुनिया चुका रही है। इसलिए युद्ध बंद करने की कोई राह जल्द से जल्द निकालने की कोशिशों को सभी संबद्ध पक्षों द्वारा पूरी गंभीरता से आगे बढ़ाए जाने की जरूरत है। मोदी दोनों देशों के नेताओं से बातचीत करके आपसी संवाद के जरिए समाधान निकालने की सलाह दे चुके हैं। समरकंद में शंघाई शिखर सम्मेलन के दौरान जब रूसी राष्ट्रपति पुतिन से मुलाकात हुई तब भी उन्होंने यह बात कही थी। उस वक्त पुतिन ने उनकी सलाह पर अमल का भरोसा भी जताया था। मगर उसके कुछ दिन बाद ही रूस ने यूक्रेन पर भारी हमले शुरू कर दिए थे। स्वयं को एक महाशक्ति मानने वाला रूस चाहता है कि यूक्रेन आत्मसमर्पण कर दे, मगर वह झुकने को तैयार नहीं। दरअसल, सोवियत संघ टूटने के बाद यूक्रेन ने रूस से अलग होकर स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में अपनी पहचान कायम की थी। अब वह यूरोपीय देशों के संगठन नाटो का सदस्य बन कर अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करना चाहता है। रूस को लगता है कि अगर यूक्रेन नाटो का सदस्य बन गया, तो यूरोपीय सेनाएं उसकी सरहद पर आ खड़ी होंगी। इसलिए उसने यूक्रेन पर यह सदस्यता न लेने का दबाव बनाया। यूक्रेन नहीं माना, तो रूस ने उस पर हमला कर दिया। हालांकि इस मसले को आपस में मिल-बैठ कर भी सुलझाया जा सकता था, मगर दोनों अपनी जिद पर अड़े हुए हैं और दुनिया तबाही देख रही है। यूक्रेन और रूस में शांति का उजाला करने, अभय का वातावरण, शुभ की कामना और मंगल का फैलाव करने के लिये भारत ने लगातार शांति प्रयास किये हैं। मनुष्य के भयभीत मन को युद्ध की विभीषिका से मुक्ति दिलाना आवश्यक है।

गांधी के गुजरात में मारवाड़ का गांधी फिर मैदान में

कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में मल्लिकार्जुन खड़गे के पद सम्हालने के वक्त दिल्ली में गहलोत ने सोनिया गांधी और राहुल गांधी सहित खड़गे से मिलकर गुजरात में विधानसभा चुनाव की तैयारियों पर चर्चा की और राजनीतिक हालात की जानकारी दी, उसके बाद वे गुजरात दौरे पर निकले हैं। इस बार के विधानसभा चुनाव में गहलोत का गुजरात में फिर प्रमुख जिम्मेदारी सम्हालना बदली हुई कांग्रेस की बदलती राजनीति के नए संकेत है। वैसे, राजनीतिक संकेत तो यह भी हैं कि गुजरात में कांग्रेस का पिछली बार जैसा माहौल बनना मुश्किल है, क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह जैसे दो दिग्गज नेताओं के गुजरात में कांग्रेस की हालत पिछली बार जैसी नहीं रही।

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का गुजरात मिशन फिर शुरू हो गया हैं। गुजरात में विधानसभा चुनाव प्रचार की कमान उन्होंने सम्हाल ली है और जीत के लिए वे सारी कोशिश करेंगे, जो बीजेपी की ताकत को वहां कमजोर कर सके। अब, जब गुजरात में चुनाव घोषित होने को है, तो गहलोत के ताजा गुजरात दौरे को राजनीति के कई मायने तलाशे जा रहे है। गहलोत को उनकी सादगी भरी राजनीति के कारण मारवाड़ का गांधी कहा जाता है, लेकिन गांधी के गुजरात में पिछली बार की ही तरह से उनका ताकतवर रूप देखने को मिल रहा है। कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में मल्लिकार्जुन खड़गे के पद सम्हालने के वक्त दिल्ली में गहलोत ने सोनिया गांधी और राहुल गांधी सहित खड़गे से मिलकर गुजरात में विधानसभा चुनाव की तैयारियों पर चर्चा की और राजनीतिक हालात की जानकारी दी, उसके बाद वे गुजरात दौरे पर निकले हैं। इस बार के विधानसभा चुनाव में गहलोत का गुजरात में फिर प्रमुख जिम्मेदारी सम्हालना बदली हुई कांग्रेस की बदलती राजनीति के नए संकेत है। वैसे, राजनीतिक संकेत तो यह भी हैं कि गुजरात में कांग्रेस का पिछली बार जैसा माहौल बनना मुश्किल है, क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह जैसे दो दिग्गज नेताओं के गुजरात में कांग्रेस की हालत पिछली बार जैसी नहीं रही। फिर, गहलोत के लिए इस बार सबसे बड़ा चैलेंज यह भी है कि मोदी और शाह अपनी पार्टी की लगातार 27 साल की सत्ता को बनाए रखने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। दूसरी तरफ कांग्रेस के वोट बैंक में सेंध मारने में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी लगातार सफल होती जा रही है। कांग्रेस की अंदरूनी चुनौतियों की बात करें, तो इस बार राहुल ने गुजरात में चुनाव प्रचार से किनारा कर लिया है, क्योंकि वे 'भारत जोड़ो यात्रा' पर हैं। फिर, गुजरात कांग्रेस के नेताओं में अंदरूनी बिखराव भी बहुत बड़ा है, साथ ही कांग्रेस छोड़कर जाने वालों को रोके रखना भी एक अलग बड़ा काम है। गुजरात में कांग्रेस के बड़े नेताओं को एकजुट करने में गुजरात के प्रभारी रघु शर्मा पहले से ही सक्रिय रहे हैं। लेकिन प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष जगदीश ठाकोर का राजनीतिक नजरिया किसी की भी समझ से परे माना जा रहा है। उधर, गुजरात की 25 सीटों पर जबरदस्त पकड़ रखने वाले दिग्गज नेता भरत सिंह सोलंकी को मुख्यधारा में लाना भी बेहद जरूरी है। तो, शक्तिसिंह गोहिल, अमित चावड़ा, अर्जुन मोढवाडिया, सिद्धार्थ पटेल, परेश धानाणी को एकजुट करना भी एक अलग चुनौती है, क्योंकि इस चुनाव में अशोक गहलोत अकेले हैं, और उनके दोस्त अहमद पटेल भी अब इस संसार में नहीं है। गुजरात में पिछली बार 2017 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के प्रभारी के रूप में गहलोत ने गुजरात की चुनावी फिजां बदल कर रख दी थी। उसी चुनाव से राहुल गांधी की राजनीतिक छवि भी पहले से ज्यादा मजबूत हुई थी और कांग्रेस 77 सीटें हासिल करके बहुमत के करीब पहुंची थी। राजनीतिक पर्यवेक्षकों का मानना है कि गुजरात की कुल 182 सीटों में से कई सीटों पर कांग्रेस जबरदस्त मजबूत है, जहां कांग्रेस को हराना कतई संभव नहीं है, वहां पर बीजेपी जीत के जबरदस्त प्रयास कर रही है। लेकिन मुख्यमंत्री गहलोत के गुजरात की कमान सम्हालने से बीजेपी की ये कोशिशें कमजोर पड़ेंगी और उनके व्यापक दौरों व जनसंपर्क का असर आसपास की सीटों पर भी पड़ेगा। राजनीतिक जानकारों की राय में गहलोत को देश में एक ताकतवर नेता व अच्छे संगठक के रूप में जाना जाता है, तथा फिर से गुजरात में उन्हें कमान मिलने से कांग्रेस को कुछ तो लाभ जरूर होगा। क्योंकि गहलोत की अगुवाई में आने वाले दिनों में कई और बड़े नेता भी गुजरात में सक्रिय होंगे, तो इससे भी कांग्रेस की राजनीतिक तस्वीर बदलेगी। गुजरात में विधानसभा चुनाव के वरिष्ठ पर्यवेक्षक बनने के बाद मुख्यमंत्री गहलोत का यह तीसरा गुजरात दौरा है, जो 28 अक्टूबर से शुरू हुआ है। इससे पहले वे 25 अगस्त को आए थे और उसके बाद 5 सितंबर को राहुल गांधी को लेकर अहमदाबाद आए थे, जहां उन्होंने विधानसभा चुनाव अभियान की शुरुआत की थी। उल्लेखनीय है कि 2017 में पिछले विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री गहलोत के नेतृत्व में गुजरात में कांग्रेस ने बीजेपी को जबरदस्त टक्कर दी थी, और गहलोत अपनी रणनीतिक मेहनत से कांग्रेस को जीत के काफी करीब ले आये थे। इस बार के लिए भी गहलोत ने अपने स्तर पर सारी तैयारियां कर ली है ताकि इस चुनाव में पिछले चुनाव से भी ज्यादा ताकत से कांग्रेस को एकजुट करके कार्यकर्ताओं में जोश पैदा किया जा सके। गहलोत मानते हैं कि गुजरात की जनता अब और परेशानियां नहीं झेल सकती तथा सांप्रदायिक ताकतों को दरकिनार करके महात्मा गांधी के प्रदेश में जनता एक ऐसी सरकार लाना चाहती है, जिसमें गरीब, मजदूर, किसान, छोटे व्यापारियों आदि सबके लिए जगह हो। उनका कहना है कि केजरीवाल और मोदी दोनों एक ही सिक्के के दो पहलू हैं, जो अब साबित भी हो चुका है। दरअसल, गहलोत के राजनीतिक काम करने व चुनावी रणनीति का हर तरीका बेहद विशिष्ट व कसा हुआ होता है, जो उनको बाकी नेताओं से उनको अलग करता है। इसके इतर, उनकी साफ सुथरी ताकतवर छवि व विरोधियों की हर रणनीति को मात देने की अबूझ तरकीबें भी उनको कद्दावर नेता साबित करती हैं, इसी कारण माना जा रहा है कि गुजरात में कांग्रेस के बारे में जो धारणाएं बनी हैं, वे गहलोत के आने से बदल रही है। माना यह भी जा रहा है कि गुजरात में कांग्रेस ने अपने सबसे कुशल रणनीतिकारों में से एक गहलोत पर जो दांव खेला है, उसका संदेश यही है कि पार्टी को उनकी क्षमता पर भरोसा है। ऐसे में, कांग्रेस के इस दिग्गज नेता के सामने कांग्रेस को जीत दिलाने में कई बड़ी चुनौतियां और आनी बाकी हैं। लेकिन इससे निश्चिंत गहलोत का कहना है कि पिछली बार भी जोरदार टक्कर हुई थी, इस बार भी हम कोई कसर नहीं छोड़ें। क्योंकि जनता जान रही है कि गुजरात मॉडल की बात करने वाले तो प्रधानमंत्री बन गए।

नागरिक बोध

सत्य ही ईश्वर का दूसरा रूप है

सत्य ही ईश्वर का दूसरा रूप है।सत्य बोलना कठिन है। उतना ही सत्य की रक्षा करना अनंतगुना कठिन है।कफ़न का टुकड़ा सिर पर बांधकर चलने वाला ही सत्य की आराधना कर सकता है। आज के समय मे पग पग पर जुठ का बोलबाला है। सत्य के प्रकाश से असत्यवादी बौखला जाते है तो यही सत्यवादी की पहचान है। समाज मे हर कदम पर जुठ है।वही राजनीतिक पार्टियां हर भाषण में जुठ परोसने का ही काम कर रही है। उससे इन कथाकथित ठेकेदारों को यह एहसास होता है कि हमने किस तरह लोगो को बेवकूफ बनाया है। लेकिन जब सत्य सामने आता है तब जुठ बोलने वाले की जमीन पैरों तले खिसकती जाती है।सत्यवादी हर समय सफल होते है।सत्य को साक्षी की जरूरत नही है। समाज मे तीसरा आदमी जुठ का सहारा ले रहा है। राजनीति में जुठ घट घट वासी हो गया है। विश्वास से बड़ा कोई धर्म ,गुरु या भगवान नही। किसी को दिया हुआ विश्वास बनाए रखने के लिए ईमानदारी नही बताये तो उसको धार्मिक तो क्या व्यक्ति कहलाना का भी अधिकारी नही,सत्य की कोई सीमा नही है। आज भी सत्य को भगवान की तरह जीने वाले समाज मे भरे पड़े है। अपनी वाणी की अहमियत समझते है। किसी को दिया गया वचन हर हालत में निभाकर दम लेते है। किसी को दी गई जुबान को हर हालत में निभाते है। सत्य अनंत है। इस सम्पूर्ण सत्य का आभास केवल ज्ञानी के अलावा दूसरा कोई नही कर सकता है। वर्तमान में पूर्ण सत्य का दावा करने वाला नादान है। सत्यांश को नकारना ही पूर्ण सत्य को ठुकराना है। सत्य की विजय होती है। असत्य का पराजय होता है। महाभारत में उदाहरण हमारे सामने है। पूर्वाग्रह और हठाग्रह दोनों सत्य के साक्षात्कार में बाधक है। और भयंकर शत्रु है। क्योंकि सत्य की कोई सीमा नही है। इसको कैद भी नही कर सकते है। सत्य शाश्वत है। भगवान महावीर ने अहिंसा से बढ़कर सत्य को महामंडित किया है। सत्य के समान कोई तप नही है। जिस तरह समाज में जुठ का पुलिंदा बनाकर जुठ जीता जा रहा है। यह समाज के उन नोनिहालो के लिए खतरनाक है । जो वे जवानी की दहलीज पर पैर रखकर जीवन की शुरुआत कर रही है। घर,सोसायटी में जुठ व्यवहार में आता है वो ही हमारी नई जनरेशन जीवन मे उतारनी है। बीस प्रतिशत सत्य सिखा जा रहा है दूसरा सब जुठ ही पल्ले पड़ता प्रतीत होता है। कदम कदम पर जुठ बोलने वालों से समाज और राष्ट्र क्या उम्मीद रख सकता है। यह सर्वविदित है कि सत्य की भूमि पर ही धर्म की खेती की जा सकती है। युवाओ को धर्म आराधना करने और सन्तो का सानिध्य पाने के लिए युवक युवतियों को प्रेरित करता है। इसलिए की ज्ञानरूपी मन्दिर में सत्य सिखाया जाता है। इसलिए युवाओ को सन्त भगवन्तों के दर्शन के लिए बारबार कहा जाता है। असत्य से बढ़कर कोई जहर नही है। भौतिक जहर से तो विचलित हो सकते है। लेकिन असत्य के जहर से कोई बच नही सकता है। सत्य की महिमा हमारे सामने है। महाभारत में कौरवों और पांडवों का घमासान हुआ। सत्य की असत्य पर विजय आज हजारो वर्ष बीत जाने के बाद भी हम नही भूल पाए। सत्य अपने आप मे कोहिनूर हीरा के समान है। जब अपने ऊपर विश्वास नही,तो दूसरों पर क्या विश्वास करेंगे। विश्वास के अभाव में जीने वाला व्यक्ति अपने आप मे भारभूत समान है। परम्परा की दिवालो में घसीटने वाला आकांशी सत्य को छू भी नही सकता है।

कुछ अलग

सकल जगतारिणी हे छठी मइया

अच्छी बात यह है कि इस पर्व पर बाजार हावी नहीं हो पा रहा। छठ में आज भी आपको घर में ही बनाकर खाना होगा। अमीर हो या गरीब, शुचिता इसमें सबसे महत्वपूर्ण है। छठ लोकपर्व है। लोकगीत इसका प्राणरस है। सूर्य भी तो इस जगत में प्राण फूंकता है। उगी हे सुरूज देव, भेल भिनसरवा, अरघ केरा बेरवा हो/ बरती पुकारे देव, दुनो करजोरिया, अरघ केरा बेरिया हो... यह सुबह के अर्घ्य के समय का गीत है। इस गीत के जरिये व्रती महिलाएं सूर्य देव से आराधना करती हैं कि आप उगिए। सामूहिक स्वर में जब घाट पर यह गीत गाया जाता है, तो लगता है, कहीं सैकड़ों लोग एक साथ मंत्र का जाप कर रहे हों और सामने से सूर्य देव आ रहे हों। छठ में गाए जाने वाले लोकगीत ही उसके मंत्र और शास्त्र, दोनों हैं। छठ में जितने विधि-विधान होते हैं, उनमें थोड़ा-बहुत बदलाव अलग-अलग इलाके में बेशक आप देख सकते हैं, लेकिन एक बात हर जगह समान रूप से मिलेगी कि कहीं भी, कोई भी छठ का पर्व गीत के बिना करता हुआ नहीं मिलेगा। मुझे छठ के पारंपरिक गीत बेहद पसंद हैं। खासकर वे गीत, जो व्रती महिलाएं अपने-अपने घाट पर व्रत के दौरान, प्रसाद बनाते वक्त, खरना के दिन सामूहिक स्वर में गाती हैं। इनमें सबके कल्याण की भावना होती है। सकल जगतारिणी हे छठी मइया, सभक शुभकारिणी हे छठी मइया/ जल-थल-वायु-अगिन में अहीं छी, अहीं छी जग के आधार/ सकल जगतारिणी हे छठी मइया, सभक शुभकारिणी हे छठी मइया...। इधर चलन चला है कि पॉपुलर फिल्मी धुनों पर भी छठ गीत बनने लगे हैं, और यह भी कि जो कुछ सामयिक घट रहा है, उसको भी छठ के गीतों में लाया जाए। व्यक्तिगत तौर पर मैं इसकी पक्षधर नहीं हूं। सामयिक संदर्भों को लोकगीतों में लाने के लिए अनेक विधाएं हैं। फाग के गीत, चैती के गीत, सोरठी धुन पर गीत सब सामयिक विषयों को सामने लाते रहे हैं। सबसे बढ़कर तो कजरी की विधा है, जो हमेशा समकालीन विषयों को लेकर आगे बढ़ती रही है। इतनी विधाएं हैं, जिनमें कई प्रयोग किए जा सकते हैं। वैसे छठ के गीतों का दायरा सीमित है, इसलिए इसे सीमित ही रहने दिया जाए। सृष्टि और प्रकृति से जुड़े तत्वों का मेल-जोल, सूप-दौरा में रखे जाने वाले सामान का विवरण, नदी-घाट का विवरण, बेटा-बेटी की कामना, अच्छे स्वास्थ्य की कामना, दुख से मुक्ति की कामना, सुख मिलने पर धन्यवाद ज्ञापित करने जैसे शाश्वत तत्वों को लेकर ही गीत गाया जाए। छठ के पारंपरिक गीत में उगी हे सुरूज देव... कांच ही बांस के बहंगिया... गंगा माई के उंच अररिया... सोने के खड़उआं हे दीनानाथ... जैसे गीत मुझे बहुत पसंद हैं। छठ गीतों में कैसा प्रयोग हो, इसके लिए बिहार की मशहूर लोकगायिका विंध्यवासिनी देवी मानक हो सकती हैं। भूपेन हजारिका साहब जैसे संगीतकार के साथ मिलकर उन्होंने जो गाए, वे पारंपरिक छठ गीत की तरह लोकमानस में रच-बस गए हैं। मैं बचपन से ही छठ देखती रही हूं। इसमें बहुत कुछ बदला है, लगातार बदलने की कोशिश जारी भी रहती है। मगर अच्छी बात यह है कि इस पर्व पर बाजार हावी नहीं हो पा रहा। जैसे, छठ में आज भी आपको घर पर में बनाकर खाना होगा। अमीर हो या गरीब, सब नहाय-खाय के दिन लौकी की सब्जी और चावल ही खाते हैं। सब ठेकुआ ही प्रसाद में चढ़ाते या बांटते हैं। हालांकि, इधर एक-दो बदलाव ऐसे भी दिखे हैं, जो पीड़ा देते हैं। एक तो यह कि अब छठ घाटों पर भी अमीरी और गरीबी का फर्क दिखने लगा है, और दूसरा यह कि छठ गीतों को भी सामान्य फिल्मी गीत की तरह बनाने की कोशिश हो रही है। हाल के वर्षों में छठ गीतों में अश्लीलता का बढ़ना बेहद दुखद है। मेरा मानना है कि छठ गीतों में शालीनता बचाना छठ महोत्सव समितियों के हाथों में है। वे तय कर लें कि जो मूल रूप से छठ के गीत होंगे या मूल गीत के करीब होंगे, या फिर जिन गीतों में छठ का मर्म-भाव व तत्व होगा, उन्हीं गीतों को छठ घाटों पर, गलियों में सार्वजनिक तौर पर बजाया जाएगा, तो निस्संदेह वैसे ही गीत बनने-बजने लगेंगे, जो सदियों से हमारे दिलों के करीब रहे हैं। स्पष्ट है, समाज को अपने तईं प्रयास करना होगा। कुछ गायक तर्क देते हैं कि अश्लील गीतों को 'मिलियन व्यूज' मिल जाते हैं, जबकि उम्दा गीत अपने श्रोताओं को तरसते रहते हैं। इसलिए श्रोताओं को तय करना होगा कि उनको क्या सुनना चाहिए। वे अपने बच्चों या परिवार को क्या सुनाना चाहते हैं। श्रोता यह रोना नहीं रो सकते कि यही गाना चल रहा है। छठ की पवित्रता को ध्यान में रखते हुए समाज को जागना चाहिए। मुझे भी अश्लील गीत गाने के ऑफर मिलते हैं। न कहने पर यह धमकी भी दी जाती है कि इस जीवन में गायक-कलाकार बनने का ख्वाब छोड़ दो।

सृष्टि और प्रकृति से जुड़े तत्वों का मेल-जोल, सूप-दौरा में रखे जाने वाले सामान का विवरण, नदी-घाट का विवरण, बेटा-बेटी की कामना, अच्छे स्वास्थ्य की कामना, दुख से मुक्ति की कामना, सुख मिलने पर धन्यवाद ज्ञापित करने जैसे शाश्वत तत्वों को लेकर ही गीत गाया जाए।

देश दुनीया से

कहीं युवा तो कहीं अनुभव का जोर

कहा जाता है कि दुनिया बदलनी हो, तो नौजवानों पर भरोसा करना चाहिए और नौजवान अगर बुजुर्गों के अनुभव को अपने साथ जोड़ लें, तो फिर बेहतरी का रास्ता निश्चित हो जाता है, लेकिन ये दोनों ही शर्तें पूरी होना आसान नहीं है। अव्वल तो समाज में युवाओं पर भरोसा करना और उन्हें नेतृत्व का मौका देना और जब युवाओं को नेतृत्व मिल जाए, तो बुजुर्गों को भी अपने साथ जोड़कर रखना आसान नहीं है। वैसे यह हिन्दुस्तानी समाज की ताकत और सच्चाई भी रही है, जब संयुक्त परिवारों में एक साथ तीन-तीन पीढ़ियां चला करती थीं, तब उनकी ताकत उनके व्यापार, उद्योग-धंधों और परिवारों को भी आगे ले जाने में मददगार होती थी। इस सप्ताह दो महत्वपूर्ण राजनीतिक घटनाएं हुई हैं, उधर, ब्रिटेन में 42 साल के ऋषि सुनक प्रधानमंत्री चुने गए, तो इधर, भारत में देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस के 137 साल के इतिहास में मल्लिकार्जुन खड़गे छठे निर्वाचित अध्यक्ष चुने गए। 80 साल के खड़गे ने चुने जाने के बाद सबसे पहले कांग्रेस में जवां खून को शामिल करने का ऐलान किया और कहा कि पचास फीसदी हिस्सेदारी युवाओं की रहेगी। आलोचक कह सकते हैं कि 80 साल के बुजुर्ग खड़गे कांग्रेस में क्या नया जोश भर पाएंगे, लेकिन यह भी सच है कि पचास फीसदी युवाओं को अगर जगह मिली, तो यह बदलाव कांग्रेस पार्टी और राजनीति के लिए बेहतर साबित हो सकता है। सवाल तो यह भी किया जा सकता है कि जब राहुल गांधी साल 2004 में सांसद बनकर राजनीति में सक्रिय हुए थे, लेकिन उन्होंने पार्टी को चुनावी राजनीति के तौर पर तो निराश ही किया और उनके कार्यकाल में पार्टी लोकसभा और विधानसभाओं के करीब पचास चुनावों में से चालीस हार गई। उनके पिता राजीव गांधी के जमाने में 415 सांसदों वाली पार्टी का आंकड़ा 54 तक पहुंच गया। राजीव गांधी भी करीब इसी उम्र में प्रधानमंत्री बन गए थे, मगर राहुल गांधी के समर्थकों की इस बात को खारिज नहीं किया जा सकता कि उन्होंने हिन्दुस्तान में एक नई तरह की राजनीति की शुरुआत की। कांग्रेस की युवा इकाइयों - युवा कांग्रेस और एनएसयूआई में लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए संगठन चुनाव राहुल गांधी ने ही करवाए और आज 25 साल बाद कांग्रेस में गैर-गांधी परिवार का अध्यक्ष बना है, तो उसका एक बड़ा कारण राहुल गांधी की जिद ही है, जिन्होंने तय किया कि न तो वह खुद दोबारा अध्यक्ष बनेंगे और न ही गांधी परिवार के किसी सदस्य को अध्यक्ष बनने देंगे। दुनिया के युवा देशों में से एक हिन्दुस्तान की कुल आबादी में पचास फीसदी 25 साल से कम उम्र वाले हैं और 35 साल से कम उम्र वाले करीब 65 फीसदी हैं। साल 2020 में एक भारतीय की औसत उम्र 29 साल थी, जबकि चीन में यह 37 साल और जापान में 48 साल। साल 2019 के लोकसभा चुनावों में करीब 8 करोड़ बीस लाख वोटर ऐसे थे, जिन्होंने पहली बार वोट के अधिकार का इस्तेमाल किया था और शायद इसी का नतीजा रहा कि मौजूदा लोकसभा में 64 सांसदों की उम्र 40 साल से कम है और 41 से 55 साल के उम्र के 221 सांसद चुने गए यानी हिन्दुस्तान के वोटर ने अपने नौजवान नेताओं पर भी उतना ही भरोसा जताया, जितना अनुभवी नेताओं पर। इसका असर केंद्र सरकार और मौजूदा भारतीय राजनीति पर भी साफ-साफ दिखाई देता है, जहां मोदी सरकार में युवा और अनुभवी, दोनों का बेहतर योग है। अनुभवी प्रधानमंत्री मोदी 70 साल के हैं, तो उनकी सरकार में 14 मंत्रियों की उम्र 50 साल से कम है। कुल 36 मंत्री 60 साल से कम उम्र के हैं। सरकार में शामिल कूच बिहार के नीतीश प्रामाणिक तो सिर्फ 35 साल के हैं। मौटे तौर पर मोदी और भाजपा ने 75 साल की उम्र सीमा सक्रिय राजनीति के लिए तय कर दी है, जिसकी वजह से कई मंत्रियों को सरकार से बाहर होना पड़ा है। बात सिर्फ केंद्र की राजनीति की ही नहीं है। कई राज्यों में सरकार की बागडोर युवा चेहरों के हाथ में है। देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 50 साल के तो पंजाब सूबे की जिम्मेदारी संभालने वाले भगवंत मान 48 साल के हैं। अरविंद केजरीवाल जब पहली बार मुख्यमंत्री बने थे, तब उनकी उम्र 45 साल थी। अखिलेश यादव 2009 में सिर्फ 38 की उम्र में मुख्यमंत्री बन गए थे। देश में सबसे कम उम्र का मुख्यमंत्री बनने का रिकॉर्ड तो 1967 में ही पुडुचेरी में एम ओ एच फारुक ने तोड़ दिया था, जब उन्होंने 29 साल की उम्र में मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। झारखंड में जब शिबू सोरेन ने अपने बेटे हेमंत सोरेन को 2013 में झारखंड मुक्ति मोर्चा की जिम्मेदारी सौंपी, तब हेमंत सोरेन की उम्र 28 साल थी। असम में 1985 में असम गण परिषद के प्रफुल्ल कुमार महंत 34 साल की उम्र में मुख्यमंत्री बने।

कहा जाता है कि दुनिया बदलनी हो, तो नौजवानों पर भरोसा करना चाहिए और नौजवान अगर बुजुर्गों के अनुभव को अपने साथ जोड़ लें, तो फिर बेहतरी का रास्ता निश्चित हो जाता है।

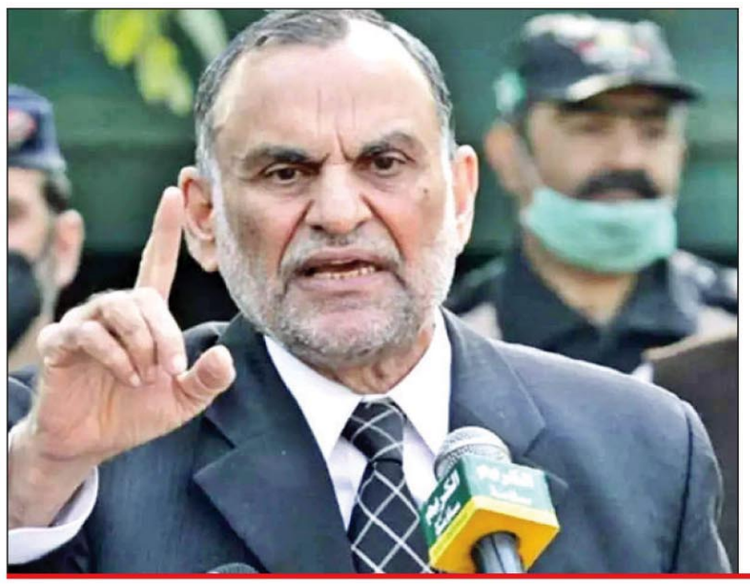

सेना व आईएसआई के खिलाफ इमरान के हमले तेज, पार्टी सांसद ने लगाए गंभीर आरोप, दो नामों का किया खुलासा

इस्लामाबाद । पाकिस्तान की सियासत में इन दिनों बहुत कुछ चल रहा है। एक तरफ इमरान खान सरकार के खिलाफ आजादी मार्च का एलान कर चुके हैं, तो दूसरी तरफ सेना के खिलाफ उनके जुबानी हमले भी जारी हैं। इस बीच इमरान खान की पार्टी के एक सांसद आजम खान स्वाति ने आईएसआई व सेना पर बड़े आरोप लगाए हैं। उन्होंने सैन्य अधिकारियों पर हिरासत के दौरान प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। दरअसल, आजम खान स्वाति ने 13 अक्तूबर को सेना प्रमुख जनरल बाजवा के खिलाफ एक ट्वीट पोस्ट किया था, जिसके बाद उन्हें एफआईए ने गिरफ्तार कर लिया था।

सैन्य अधिकारियों के नाम का किया खुलासा – आजम खान स्वाति ने शुक्रवार को प्रेसवार्ता का आयोजन कर सैन्य अधकारियों के नाम का भी खुलासा कर दिया। उन्होंने कहा, हिरासत के दौरान आईएसआई मेजर जनरल फैसल व सेक्टर कमांडर ब्रिगेडियर फहीम द्वारा उन्हें प्रताड़ित किया गया और गंभीर यातानाएं दी गईं। इस दौरान उन्होंने इस मामले की कड़ी जांच और दोनों को पद से बर्खास्त करने की मांग की।

खत्म हो आईएसआई की राजनीतिक शाखा – प्रेसवार्ता के दौरान आजम खान स्वाति ने कहा कि आईएसआई पाकिस्तान की रीढ़ है, लेकिन इसके राजनीतिकरण को खत्म किया जाना चाहिए। उन्होंने सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा से सेवानिवृत्ति से पहले आईएसआई की राजनीतिक शाखा को समाप्त करने की अपील की। उन्होंने कहा, पार्टी का उद्देश्य सेना व आईएसआई का बदनाम करना नहीं, बल्कि उसकी कमियों को उजागर करना है।

इमरान ने दी थी पोल खोलने की धमकी – इससे पहले इमरान खान ने आईएसआई की पोल करने की धमकी दी थी। इमरान ने कहा, कल हुई सेना और आईएसआई की साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस शेख रशीद के बयानों से ज्यादा राजनीतिक थी। उन्होंने धमकाने के अंदाज में कहा, ध्यान से सुनो डीजी आईएसआई, जो मैं जानता हूं, उस पर मैं सिर्फ अपने संस्थानों और देश के लिए चुप बैठा हूं। मैं अपने देश को नुकसान नहीं पहुंचाना चाहता। जब हम संस्थानों की आलोचना करते हैं, तो यह आपके भले के लिए होता है। मैं काफी कुछ बोल सकता हूं और जवाब दे सकता हूं। पर मैं इस संस्थान को कमजोर नहीं करना चाहता।

सरकार ने मार्च के कवरेज पर लगाई रोक – वहीं, पाकिस्तान की सरकार ने इमरान खान के आजादी मार्च की कवरेज पर पूरी तरह से रोक लगा दी है। बता दें, इमरान खान की ओर से शुक्रवार को आजादी मार्च के एलान के साथ ही हजारों कार्यकर्ता लाहौर से इस्लामाबाद के लिए कूच कर गए थे।

न्यूज ब्रीफ

स्पीकर नैंसी पेलोसी के घर पर हमले में पति पॉल पेलोसी गंभीर रूप से घायल, सिर की सर्जरी हुई

वॉशिंगटन । अमेरिकी संसद के निचले सदन हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स की स्पीकर नैंसी पेलोसी के कैलिफोर्निया स्थित घर पर अज्ञात व्यक्ति ने हमला कर दिया। शुक्रवार सुबह हुए इस हमले में पेलोसी के पति पॉल पेलोसी को सिर में गंभीर चोटें आईं। उनके सिर की सर्जरी की गई। पॉल पेलोसी को सिर के अलावा हाथों में भी चोट आई है। स्पीकर पेलोसी द्वारा जारी बयान के हवाले से सीएनएन ने यह खबर दी। अपने पति पर प्राणघातक हमले को लेकर उनके प्रति सहानुभूति जताने वालों के प्रति स्पीकर ने आभार व्यक्त किया है। बयान में कहा गया है कि पॉल पेलोसी के सिर की सर्जरी की गई है। पुलिस के मुताबिक, हमलावर को गिरफ्तार कर लिया गया। उसकी पहचान अभी उजागर नहीं की गई है। फिलहाल हमले की वजह सामने नहीं आ पाई है। इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने हमले को घृणित व निंदनीय बताया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका में हिंसा की कोई जगह नहीं है। यह राजनीतिक व नफरतभरी हिंसा है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव जीन-पियरे ने एक आधिकारिक बयान में पॉल पेलोसी पर हमले की निंदा की। उन्होंने कहा कि हम पेलोसी के पूरे परिवार के साथ हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, शुक्रवार सुबह जब यह घटना हुई, तब पेलोसी अपने घर पर नहीं थीं। नैंसी पेलोसी और पॉल पेलोसी की शादी 1963 में हुई थी। जहां नैंसी अमेरिकी राजनीति में एक ताकतवर नेता के तौर पर जानी जाती हैं, वहीं उनके पति निवेशक हैं। इसी साल की शुरुआत में उनकी कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी, जिसके बाद पुलिस ने उन पर शराब पीकर गाड़ी चलाने के आरोप तय किए थे। पॉल को इस मामले में दोषी पाया गया था और उन्हें पांच दिन तक जेल में रखा गया था।

संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन को संबोधित करेंगे जो बाइडेन, जी-20 समिट में मोदी भी होंगे शामिल

वाशिंगटन । वैश्विक जलवायु परिवर्तन पर मिस्र में होने वाले संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन में अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन हिस्सा लेंगे। व्हाइट हाउस की तरफ से जारी एक बयान में यह जानकारी दी गई है। संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (कॉप 27) अगले महीने 6 से 18 नवंबर तक मिस्र में होने जा रहा है। इसके अलावा अमेरिकी राष्ट्रपति यूएस-आसियान शिखर सम्मेलन और पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए 12-13 नवंबर तक कंबोडिया की यात्रा करेंगे। जिसके बाद वह जी-20 नेताओं के शिखर सम्मेलन के लिए 13-16 नवंबर तक इंडोनेशिया के बाली जाएंगे। व्हाइट हाउस ने कहा कि 11 नवंबर को मिस्र के शर्म अल-शेख में कॉप-27 शिखर सम्मेलन में जो बाइडेन वैश्विक जलवायु परिवर्तन पर अमेरिका द्वारा किए गए महत्वपूर्ण कार्य और दुनिया की आवश्यकता पर प्रकाश डालेंगे। इसके अलावा बाली में जो बाइडेन जी-20 के राष्ट्रपति विडोडो के नेतृत्व की सराहना करेंगे।

उत्तर कोरिया ने पूर्वी जल क्षेत्र में दागी एक और मिसाइल, अमेरिका करेगा युद्धाभ्यास

सियोल। दक्षिण कोरिया ने शुक्रवार को कहा कि उत्तर कोरिया ने अपने पूर्वी जल क्षेत्र की ओर एक बैलेस्टिक मिसाइल दागी है। दक्षिण कोरिया के 'ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ' ने एक बयान में कहा कि मिसाइल ने उत्तर कोरिया के पूर्वी जलक्षेत्र की ओर उड़ान भरी, लेकिन उन्होंने इस बारे में और कोई जानकारी नहीं दी कि मिसाइल कितनी दूर तक गई। उत्तर कोरिया ने हाल के हफ्तों में कई मिसाइलों और हथियारों का परीक्षण किया है। ताजा परीक्षण दक्षिण कोरिया के 12 दिवसीय वार्षिक सैन्य अभ्यास 'होगुक' के अंतिम दिन किया गया है। इस साल इस अभ्यास में अमेरिकी सैनिकों ने भी हिस्सा लिया है, जिनकी संख्या के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है। इस बीच, दक्षिण कोरियाई और अमेरिकी वायु सेनाओं ने अगले सप्ताह व्यापक प्रशिक्षण आयोजित करने की योजना बनाई है। दक्षिण कोरिया व अमेरिका के ऐसे नियमित सैन्य अभ्यास को उत्तर कोरिया अपने ऊपर हमले की तैयारियों के तौर पर देखता है। हालांकि, दक्षिण कोरिया और अमेरिका का कहना है कि वे रक्षा के लिए ये अभ्यास करते हैं।

यूक्रेन में जैविक हथियारों पर भिड़े रूस-पश्चिमी देश, पुतिन बोले- खतरनाक दौर में दुनिया

कीव/मॉस्को/संयुक्त राष्ट्र। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा यूक्रेन में जैविक हथियारों की मौजूदगी के आरोप लगाने के बाद अमेरिका और उसके सहयोगी पश्चिमी देशों ने उन्हें खारिज कर दिया है। यूक्रेन में जैविक हथियारों को लेकर दोनों पक्ष संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की यूक्रेन संबंधी तीसरी बैठक में भी भिड़ गए। रूस का कहना है कि यूक्रेन में अमेरिकी समर्थन से जैविक हथियार गतिविधियां संचालित हो रही हैं, जबकि पश्चिमी देशों ने इन आरोपों को गलत सूचना और मनगढ़ंत कहकर नकार दिया। इस बीच, पुतिन ने वल्दाई डिस्कशन क्लब की वार्षिक बैठक में कहा कि द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद से दुनिया खतरनाक दौर में है।

रूसी राष्ट्रपति ने दुनिया के सबसे खतरनाक दशक में होने के पीछे रूस-यूक्रेन युद्ध को नहीं बल्कि पश्चिमी देशों को जिम्मेदार ठहराया। पुतिन ने कहा, अमेरिका व उसके सहयोगियों के वैश्विक प्रभुत्व का पतन हो रहा है और इसे रोकने के लिए सभी देश हाथापाई कर खूनी खेल खेल रहे हैं, जिससे अराजकता पैदा हो रही है। उन्होंने यूक्रेन में संघर्ष भड़काने के लिए अमेरिका को जिम्मेदार माना।

उन्होंने कहा, मौजूदा टकराव के बावजूद रूस, पश्चिम को अपना शत्रु नहीं मानता है। इस बीच, संयुक्त राष्ट्र में रूसी राजदूत वसीली नेबेंजिया ने कहा, हम अपने इन आरोपों की संयुक्त राष्ट्र से जांच कराने को तैयार है कि यूक्रेन जैविक हथियारों के उपयोग पर पाबंदी लगाने वाले समझौते का उल्लंघन कर रहा है।

जबकि अमेरिकी राजदूत लिंडा थॉमस-ग्रीनफील्ड ने इस बैठक को समय की भारी बर्बादी बताते हुए रूसी आरोपों को मनगढ़ंत बताया। उन्होंने रूसी दावे को दुष्प्रचार अभियान का

हिस्सा बताया, ताकि उसके अत्याचारों से ध्यान भटकाकर अवैध युद्ध को वैध ठहराया जा सके। रूसी दावा 310 पेजों के दस्तावेज पर केंद्रित है, जिसे रूस ने परिषद के सदस्यों को बांटा है।

चलो, दुश्मनी बंद करो, साथ रहते हैं

रूसी राष्ट्रपति ने कहा, रूस का पश्चिम और नाटो के अग्रणी देशों के लिए एक संदेश है- चलो दुश्मन बनना बंद करो, चलो एक साथ रहते हैं। हालांकि इस बयान पर अमेरिका ने कहा, उनकी यह टिप्पणी नई नहीं है, क्योंकि पुतिन एटमी जंग की धमकी भी दे चुके हैं। उधर, पुतिन ने कहा कि वह यूक्रेन से बातचीत के लिए तैयार थे, लेकिन यूक्रेन कभी वार्ता की मेज पर नहीं बैठा।

उन्होंने कहा, हमसे ये नहीं पूछा जाना चाहिए कि हम बातचीत को तैयार हैं या नहीं। बल्कि यूक्रेनी नेताओं ने रूस से बातचीत न करने का फैसला किया। अगर अमेरिका यूक्रेन को समस्या हल करने की इजाजत देता है तो संघर्ष को खत्म करना आसान है।

यूक्रेन भर में 40 लाख लोग बिजली कटौती से प्रभावित

राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की ने बताया कि रूस के बमबारी के कारण यूक्रेन भर में 40 लाख लोग बिजली कटौती से प्रभावित हुए हैं।

रूस पर बरसा फ्रांस

ब्रिटिश राजदूत बारबरा वुडवर्ड ने परिषद से कहा कि 24 फरवरी के यूक्रेन पर आक्रमण के बाद से रूस ने लगातार दुष्प्रचार किया है, जिसमें डर्टी बमों, रासायनिक हथियारों और जैविक अनुसंधानों के बारे में खोखले दावे शामिल हैं। उन्होंने पूछा, हमें इस बकवास को कब तक झेलना होगा। फ्रांसीसी राजदूत निकोलस डि रिवेरे ने कहा कि रूस कोशिश कर रहा है कि हम यह भूल जाएं कि वह संयुक्त राष्ट्र चार्टर का उल्लंघन कर रहा है। संयुक्त राष्ट्र में रूस के राजदूत वसीली नेबेंजिया ने अमेरिका पर यूक्रेन में प्लेग, एंथ्रेक्स और इन्फ्लूएंजा जैसे घातक रोग फैलाने का आरोप लगाया।

यूक्रेन में परमाणु हथियारों के इस्तेमाल से इन्कार

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन में परमाणु हथियारों के इस्तेमाल के किसी भी इरादे से इन्कार किया लेकिन वहां के संघर्ष को पश्चिम द्वारा अपने वैश्विक प्रभुत्व को सुरक्षित करने के कथित प्रयासों का हिस्सा बताया। उन्होंने जोर दिया कि वैश्विक प्रभुत्व की पश्चिमी कोशिश नाकाम होगी। पुतिन ने अंतरराष्ट्रीय विदेश नीति विशेषज्ञों के एक सम्मेलन में बोलते हुए कहा कि रूस के लिए यूक्रेन पर परमाणु हथियारों से हमला करना निरर्थक है। उन्होंने कहा, हमें इसकी कोई जरूरत नहीं दिख रही है।

अमेरिका के मंदिर में भगवान के शाही प्रवेश द्वार का उद्घाटन, सैकड़ों भक्त रहे मौजूद

न्यूयॉर्क।

अमेरिका के नॉर्थ कैरोलिना में हिंदू समुदाय के लिए इस साल दिवाली का त्योहार खास रहा। कैरी में श्री वेंकटेश्वर मंदिर के एक नए 87 फीट के टावर का उद्घाटन किया गया। उत्तरी कैरोलिना के गवर्नर राय कूपर ने सैकड़ों भक्तों की मौजूदगी में 24 अक्तूबर को इसका उद्घाटन किया।

इसे भगवान के लिए शाही प्रवेश द्वार के रूप में वर्णित किया गया, जो क्षेत्र के बढ़ रहे हिंदू समुदाय के लिए मील का पत्थर है। इस गेटवे टावर को एकता और समृद्धि का टावर नाम दिया गया है। कूपर ने मंदिर का उद्घाटन करने के लिए उन्हें आमंत्रित करने पर समुदाय के नेताओं का धन्यवाद दिया। गवर्नर कूपर ने कहा कि मुसीबत के समय में यह कितना अद्भुत दिन है।

बता दें कि मंदिर के लिए टावर का निर्माण 2020 में कोरोना महामारी की शुरुआत के वक्त शुरू हुआ था। इस दौरान मंदिर के न्यासी बोर्ड के महासचिव लक्ष्मीनारायण श्रीनिवासन और मंदिर के अध्यक्ष डॉ. राज थोटकुरा भी मौजूद रहे। मंदिर का निर्माण 2009 में हुआ था जिसके 13 वर्ष बाद यह टावर बनकर खड़ा हुआ है जो सबसे ऊंचे टावरों की सूची में शामिल है।

उत्तरी अमेरिका का सबसे बड़ा मंदिर

मंदिर के महासचिव लक्ष्मीनारायणन श्रीनिवासन ने बताया कि 5,000 से अधिक दानदाताओं ने लगभग 25 लाख डॉलर इस धर्मस्थल के लिए दान दिए। मंदिर के बगल में एक असेंबली हॉल समेत कई अतिरिक्त योजनाएं हैं। उन्होंने कहा, मंदिर के चारों ओर फव्वारा बनाने और एक मैनीक्योर्ड लैंडस्केप बनाने की योजना है। मंदिर आंध्र प्रदेश के तिरुपति में प्रसिद्ध श्री वेंकटेश्वर मंदिर के बाद बनाया गया है और इसे उत्तरी अमेरिका में सबसे बड़ा हिंदू मंदिर माना जाता है।

चीन के शंघाई के यांगपू जिले में सामूहिक कोविड जांच के आदेश, लॉकडाउन लागू

बीजिंग।

चीन में इस बार भी कोरोना देखा जा रहा है। यहां तीन वर्ष पूर्व वुहान से फैला कोरोना वायरस एक बार फिर सामने आया है, जिसके बाद शहर में आंशिक लॉकडाउन लगाया गया है। इसी तरह चीन के व्यावसायिक शहर शंघाई के प्रशासन ने अपने यांगपू जिले के सभी 13 लाख लोगों की कोविड-19 की जांच के शुक्रवार को आदेश दिए। साथ में कहा है कि जांच रिपोर्ट आने तक लोग घरों से न निकलें।

इसी तरह के आदेश इस साल गर्मियों में भी दिए गए थे जिसके बाद पूरे शहर में दो माह तक लॉकडाउन लागू रहा। ढाई करोड़ की आबादी वाले इस शहर की स्थानीय अर्थव्यवस्था तबाह हो चुकी है। जानकारी के मुताबिक, पिछली बार लगे लॉकडाउन में शहर के भीतर खाद्यान्न संकट खड़ा हो गया और लोगों व अधिकारियों में कई बार टकराव हुआ था। चीन के वुहान से उत्तर पश्चिम में कई शहरों के भीतर कोरोना के मामले एक बार फिर सामने आने के बाद लॉकडाउन लगाया गया है। शून्य कोविड नीति के कारण यहां ऐसे इलाकों को सील भी किया गया है जहां कोरोना मामले सामने आ रहे हैं। पिछले 24 घंटों में चीन में लगातार तीसरे दिन कोरोना के 1,000 से ज्यादान नए मामले सामने आए हैं।

जारी रहेंगे प्रतिबंध

कारोबारी पत्रिका 'काईचिन' के मुताबिक, चीन में पाबंदियां बरकरार रहने के संकेत हैं और शंघाई हुआनपू नदी में एक द्वीप पर स्थायी पृथक-वास केंद्र बनाने की योजना पर काम कर रहा है। पत्रिका के मुताबिक, इसमें 3,009 पृथक कक्ष और 3250 बिस्तर होंगे और इसके निर्माण का काम छह महीने में पूरा हो जाएगा।

दक्षिणी फिलीपींस में भारी बारिश से बाढ़ और भूस्खलन, अब तक 72 की मौत

मनीला । फिलीपींस के एक दक्षिणी प्रांत में रातभर बारिश की वजह से आई बाढ़ और भूस्खलन में अब तक 72 लोगों की खबर सामने आई है। इसके अलावा नौ लोगों के लापता होने की खबर है। बताया गया है कि इस बारिश की वजह से प्रांत में बाढ़ की स्थिति पैदा हो गई, जिसके चलते लोग अपने घरों में फंसे हैं।

पूर्व गुरिल्ला लड़ाकों द्वारा प्रशासित पांच मुस्लिम स्वायत्त प्रांतों के गृह मंत्री नगुइब सिनारिम्बो के मुताबिक, मैगुइन्डानाओ प्रांत के तीन शहर प्राकृतिक आपदा से सबसे अधिक प्रभावित हैं। यहां अधिकतर मौतें लोगों के बाढ़ में डूबने या मलबे में दबने से हुई हैं।

सिनारिम्बो ने बताया, पूरी रात भारी बारिश से मलबे के साथ पानी पहाड़ों से होते हुए नदियों में आया जिससे बाढ़ आ गई। मैं उम्मीद कर रहा हूं कि हताहतों की संख्या नहीं बढ़ेगी लेकिन अब भी कुछ इलाके

हैं जहां पर हम नहीं पहुंच पाए हैं।

उन्होंने कहा कि शुक्रवार सुबह से बारिश की रफ्तार थोड़ी धीमी हुई है, जिससे कई शहरों में बाढ़ का पानी घट रहा है। सिनारिम्बो ने बताया कि मेयर, गवर्नर और आपदा प्रबंधन अधिकारियों से मिली जानकारी के मुताबिक 26 लोगों की मौत पड़ोसी तटीय शहर दातू ओडिन सिन्सुआट और दातु ब्लाह सिन्सुआट में हुई है जबकि पांच लोगों की जान उपी शहर में गई है।

दातु ब्लाह सिन्सुआट के महापौर मार्शल सिन्सुआट के मुताबिक शहर में पांच लोग लापता हैं। सिनारिम्बो के मुताबिक चार और लोगों के अन्य स्थानों से लापता होने की सूचना है। मौसम विभाग का कहना है कि तूफान नालगेई की वजह से इलाके में भारी बारिश हो रही है और इसके शनिवार को पूर्वी तट के इलाके में टकराने की आशंका है।

सरकारी मौसम वैज्ञानिक सैम दुरान ने बताया कि शुक्रवार दोपहर उत्तरी समर प्रांत के पूर्वी शहर काटरमैन से 180 किलोमीटर दूर था और यह उत्तर पश्चिम की ओर बढ़ रहा है जिससे 85 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से हवाएं बहेंगी।

तटरक्षक बल ने बताया कि साल के 16वें तूफान के मद्देनजर राजधानी मनीला सहित दर्जनों प्रांत और शहरों को अलर्ट पर रखा गया हैं। उन्होंने बताया कि मत्स्यस्य नौकाओं और मालवाहक पोतों की अंतरद्वीपीय यात्रा पर रोक लगा दी गई है और हजारों यात्री फंसे हुए हैं। एक अन्य अधिकारी और सरकारी मौसम पूर्वानुमान इकाई ने बताया कि करीब पांच हजार लोगों को चक्रवात के मद्देनजर सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया है। हालांकि,इसके जमीन से टकराने के बाद ताकतवर होने की उम्मीद नहीं है।

पाकिस्तान के कराची में मोबाइल कंपनी के दो कर्मचारियों की पीट-पीटकर हत्या

कराची।

पाकिस्तान के व्यापारिक केंद्र कहे जाने वाले शहर कराची में सड़क पर होने वाले अपराध की एक और घटना सामने आई है। यहां गुस्साई भीड़ ने बच्चा चोर होने के शक में एक मोबाइल कंपनी के दो कर्मचारियों की पीट-पीटकर हत्या कर दी। यह घटना शुक्रवार दोपहर को माचर कॉलोनी में हुई। केमारी के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) फिदा हुसैन जनवारी के अनुसार, घटना कराची के माचर कॉलोनी में शुक्रवार दोपहर की है। जाहिर है, मृतक कम आय वाले क्षेत्र में सिग्नल के लिए एक एंटीना की जांच करने के लिए वहां दौरे पर गए थे।

पुलिस ने कहा कि मामले में दो संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है, शक है कि इन्होंने ही कथित तौर पर भीड़ को उकसाया था। जनवारी ने कहा कि हमने आठ अन्य लोगों की पहचान की है। पड़ोस में लगे सीसीटीवी कैमरों को भी स्कैन करेंगे और अन्य संदिग्धों को पकड़ने के लिए गवाहों से पूछताछ करेंगे।

घटना के बारे में उन्होंने कहा कि जैसे ही एक सेल्युलर कंपनी के दो कर्मचारियों को उनके वाहन में बैठे वहां के लोगों ने देखा, तो कुछ लोग चिल्लाने लगे। ये लोग उन दोनों कर्मचारियों के संबंध में अफवाह फैला रहे थे कि वह दोनों अपहरणकर्ता हैं जो बच्चों का अपहरण करने के इरादे से आए थे। जनवारी ने कहा कि हाल के दिनों में यहां बच्चों के लापता होने की घटनाओं के बाद से ही स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई थी। पुलिस की प्रारंभिक जांच के अनुसार, भीड़ में लगभग 500 लोग शामिल थे। पुलिस विभाग में सर्जन डॉ. सुमैया सैयद ने कहा कि दोनों कर्मचारियों को अस्पताल लाए जाने से पहले मौत हो गई थी। क्योंकि दोनों को काफी गंभीर चोटें आई थीं और उनकी खोपड़ी में भी कई फ्रैक्चर थे। पूरे शरीर पर अलग-अलग आकार और गंभीरता के कई घाव थे।

सैयद ने कहा कि मोबाइल कंपनी के दोनों कर्मचारियों का पोस्टमार्टम पूरा हो चुका है और उनके चेहरे और शरीर पर चोट के निशान थे। हाल के दिनों में कराची में सड़क पर अपराध यानि लिंचिंग जैसी घटनाएं बड़े पैमाने पर हुई हैं। अधिकारियों ने इस पर लगाम लगाने की कोशिश की है, पर इसमें कोई खास सफलता नहीं मिली है। इस साल फरवरी में पाकिस्तान के पूर्व गृह मंत्री शेख राशिद अहमद ने इसे रोकने के लिए शहर के पुलिस स्टेशन में अर्धसैनिक रेंजरों को तैनात करने का सुझाव दिया था। जबकि सिंध के मुख्यमंत्री मुराद अली शाह ने पुलिस अधिकारियों को सख्त गश्त करने का निर्देश दिया था। इस साल मार्च में शाह ने कहा था कि कराची में सड़कों पर घूमने वाले कम से कम 7,500 अपराधी विभिन्न अपराधों में शामिल थे।

पीएम नरेंद्र मोदी की मानगढ़ धाम पर सभा से तीन राज्यों में पहुंचेगा सियासी संदेश

बांसवाड़ा (हिंस)। गोविंद गुरु की धरती और मामा बालेश्वर दयाल की कर्मस्थली वागड़ की अपनी अलग पहचान है। राजस्थान की इस दक्षिण पट्टी में ना केवल राजस्थान बल्कि गुजरात और मध्य प्रदेश से आने वाली सियासी हवा का असर होता है। त्रिवेणी संगम बेणेश्वर धाम जहां संपूर्ण देश के आदिवासियों का तीर्थ स्थल है तो राजस्थान का जलियांवाला कहा जाने वाला मानगढ़ धाम आस्था और श्रद्धा का धाम है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसी पवित्र धरती को नमन करने एक नवंबर को राजस्थान आ रहे हैं। प्रत्यक्ष रूप से मानगढ़ धाम से राजस्थान, गुजरात और मध्य प्रदेश के छह जनजाति जिले की आदिवासी बहुल सीटों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सभा का चुनावी समर में असर होगा। इसे सियासी संयोग ही कहा जा सकता है कि पीएम नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत इन दिनों राजस्थान और गुजरात के बॉर्डर की यात्राएं कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुजरात और राजस्थान सीमा पर मौजूद आदिवासी तीर्थ मानगढ़ धाम आने वाले है। उधर अमित शाह ने हाल ही में गुजरात चुनावों को लेकर बनास डेयरी पर मीटिंग ली। सीएम गहलोत भी राजस्थान से सटे गुजरात के दौरे पर है, यह आदिवासी बहुल इलाके है। बहरहाल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मानगढ़ आने के कार्यक्रम कई मायनों से अहम है। बतौर गुजरात मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी ने गोविंद गुरु की धरती मानगढ़ को विकसित करने में योगदान दिया था। इस धरती के महत्व को देश के सामने रखने मे रोडमेप बनाने का कार्य किया था। अंग्रेजी हुकूमत से लोहा लेते हुए हजारों वनवासियों ने मां भारती के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। इसके बाद भारत की आजादी के लिए वागड़ का मानगढ क्रांति का अग्रदूत बन गया और गोविंद गुरु मिसाल। क्रांतिकारी गोविंद गुरु के नेतृत्व में 17 नवंबर 1913 को मानगढ़ पर हजारों आदिवासियों ने अंग्रेजी हुकूमत से लोहा लिया और मातृभूमि के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। आज हर बरस यहां मेले लगते है और मानगढ़ पर्वत को आदिवासी एक तीर्थ के रुप में पूजते है। गोविंद गुरु को भगवान की तरह पूजा जाता है। चाहे सरकार कांग्रेस की रहे या बीजेपी की, मानगढ़ धाम को विकसित करने में अपना योगदान दिया। गोविंद गुरु का धूना और भव्य स्मारक आज यहां स्थापित है और महान आंदोलन को याद दिलाने वाला पैनोरमा। हाल ही में विश्व आदिवासी दिवस पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मानगढ़ पहुंचकर गोविंद गुरु को नमन किया था और विकास कार्यों की आधारशिला रखी थी। आदिवासियों के अगुवा गोविंद गुरु ने स्वराज के लिए कार्य किया और वे गांधी के विचारों पर चलने वाले व्यक्ति थे। गोविंद गुरु का संदेश था स्वदेशी, सच बोले और दुर्व्यसन मुक्त जीवन जीये। उनके आंदोलन को भगत आंदोलन कहा गया। आदिवासियों के बीच उन्होंने जब इन विचारों की अलख जगाई तो स्थानीय अंग्रेज रेजीडेंट और रियासतों के कान खड़े हो गए। 17 नवंबर 1913 को गोविंद गुरु की अगुवाई में दो हजार से अधिक वनवासी मानगढ़ की पहाड़ी पर एकत्रित हुये। स्वराज, स्वदेशी और सामाजिक सुधारों के परिप्रेक्ष्य में सम्मेलन बुलाया गया। यह खबर अंग्रेजों तक पहुंच गई, फिर वो हुआ जिसकी किसी ने कल्पना नहीं की थी। अंग्रेजी फौज ने चारों ओर से घेरकर वनवासियों को गोलियों से भून दिया। जलियावालां बाग में जनरल डायर ने जिस तरह आजादी के वीरों पर गोलियां बरसाई थी उसी तरह मानगढ की पहाड़ी पर निहत्थे आदिवासी स्वातंर्त्य वीरों को अंग्रेजी फौज ने मौत के घाट उतार दिया। पुलिस ने गोविंद गुरु को गिरफ्तार कर आजीवन कारावास की सजा दी।

10 किलोग्राम भुक्की के साथ पुलिस के हत्थे चढ़ा तस्कर

जम्मू। नशा तस्करों के खिलाफ अपनी मुहिम को जारी रखने के साथ ही इन नशा तस्करों की धरपकड़ भी जारी है। वाहनों के जरिए नशा को सप्लाई करने की कोशिश कर रहे एक ट्रक चालक को कुलगाम जिले में पुलिस ने एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अुनसार पुलिस ने टेंगबल में पास नाका लगाया हुआ था। इसी दौरान क्षेत्र से गुजर रहे ट्रक को रोका गया। पुलिस टीम ने ट्रक की तलाशी लेते हुए ट्रक में बड़े ही चतुराई से छुपाई गई भुक्की को बरामद किया जो करीब 10 कि लोग्राम के लगभग थी। मौके पर ही पुलिस टीम ने ट्रक चालक को 10 किलो भुक्की के साथ गिरफ्तार कर लिया है और उसके खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार आरोपी की पहचान सलीम मोहम्मद फकीर निवासी कठुआ के रूप में की गई है।

कश्मीर के लोगों ने खुली बांहों से भाजपा को अपनाया : सुनील शर्मा

जम्मू। जम्मू-कश्मीर भाजपा महासचिव और पूर्व मंत्री सुनील शर्मा ने कश्मीर के सिंहपोरा (पट्टन) में एक जनसभा को संबोधित किया। रैली को संबोधित करते हुए सुनील शर्मा ने कहा कि कश्मीर की जनता ने खुले हाथों से बीजेपी को गले लगाया है। कश्मीर की पीडीपी, नेकां और कांग्रेस जैसी वंशवादी पार्टियां, जिन्होंने जम्मू-कश्मीर को लूटा है, अब विलुप्त होने के कगार पर हैं। कश्मीर में भाजपा को लोगों का भारी समर्थन पीएम मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार और उसकी कल्याणकारी नीतियों पर कश्मीरी लोगों के भरोसे को दर्शाता है। सुनील शर्मा ने कहा। इस अवसर पर भाजपा नेता अनवर खान, अल्ताफ ठाकुर, मंजूर भट, शब्बीर अहमद, फारूक अहमद, सजाद अहमद, गुलाम अहमद और अन्य भी मौजूद थे। सुनील शर्मा ने कहा कि पीडीपी, नेकां और कांग्रेस ने दशकों में कश्मीर की शांति और प्रगति को लूटा है और उन्हें जनता के सामने अपने पापों के लिए पश्चाताप करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अब कश्मीर के लोगों का इन पार्टियों के नेतृत्व पर से पूरा विश्वास उठ गया है, यह अच्छी तरह से जानते हुए कि ये पार्टियां केवल अपने फायदे के लिए भोले-भाले लोगों को बेवकूफ बनाने के लिए तरसती हैं। शर्मा ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा जम्मू-कश्मीर के बेहतर भविष्य के लिए समर्पित रूप से काम कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा युवाओं के बेहतर भविष्य, बेहतर कल और अधिक समृद्धि के साथ एक नई सुबह का निर्माण कर रही है।

धान खरीद पर किया दस हजार करोड़ का भुगतान : चौटाला

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा के उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा कि हरियाणा सरकार निरंतर किसान हित में कार्य कर रही है। फसल खरीद का भुगतान सीधे किसानों के खातों में किया जा रहा है। सरकार ने 72 घंटे के भीतर किसानों को भुगतान करने का लक्ष्य निर्धारित किया था और इस बार तो एक कदम ओर आगे बढ़ते हुए केवल 48 घंटों में ही किसानों को भुगतान किया जा रहा है। प्रदेश में अब तक 52 लाख मीट्रिक टन धान की रिकॉर्ड खरीद की जा चुकी है और किसानों को लगभग 10 हजार करोड़ रुपए का भुगतान किया जा चुका है। उप मुख्यमंत्री शनिवार को चंडीगढ़ में खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग के अधिकारियों के साथ प्रदेश में धान, बाजरे सहित खरीद फसलों की खरीद के संबंध में समीक्षा बैठक कर रहे थे। दुष्यंत चौटाला ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि 48 घंटे के भीतर उन्हें भुगतान होना चाहिए। उन्होंने कहा कि कुछ किसानों को अभी तक तकनीकी कारणों से भुगतान नहीं हो पाया है, उन किसानों को एसएमएस के माध्यम से सूचित किया जाए, ताकि इन तकनीकी खामियों को दूर कर उन्हें तुरंत भुगतान किया जा सके। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पिछले दिनों हुई भारी बारिश से प्रभावित फसलों के मुआवजे के संबंध में जल्द रिपोर्ट सौंपे, ताकि किसानों को जल्द से जल्द मुआवजा दिया जा सके। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष इस अवधि के दौरान 46 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद की गई थी, जबकि इस बार इसी अवधि के दौरान अब तक 52 लाख 47 हजार 111 मीट्रिक टन धान की खरीद की जा चुकी है, जोकि लगभग 13 प्रतिशत अधिक है। कुरुक्षेत्र, करनाल और कैथल जिलों में सामान्य से अधिक खरीद हुई है। उप मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से मंडियों में धान के उठान संबंधित रिपोर्ट भी तलब की।

मनमाने ढंग से किराया बढ़ाने के खिलाफ औफाक किराएदारों ने खोला मोर्चा

जम्मू। औकाफ संपित्तयों के किराएदारों विशेष रूप से औकाफ मार्केट गांधीनगर और अन्य स्थानों पर अपने व्यावसायिक प्रतिष्ठान चलाने वाले दुकानदारों ने जम्मू-कश्मीर वक्फ बोर्ड के फैसले के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया, जिसमें व्यवसाय और अन्य उद्देश्यों के लिए अपनी संपित्तयों को रखने वाले किराएदारों के किराए को मनमाने ढंग से बढ़ाया गया था। यहां यह उल्लेख करना उचित है कि वक्फ बोर्ड जम्मू ने अपने पत्र संख्या: डब्ल्यूबी-जे / 02/1622 दिनांक 26.09.2022 के माध्यम से किराए को बढ़ाकर 11600 किया। सैकड़ों औकाफ किराएदार यहां प्रेस क्लब जम्मू में एकत्र हुए और वक्फ बोर्ड के फैसले के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की और कहा कि किराया निर्धारण के संबंध में उक्त पत्र कानून का पूर्ण उल्लंघन है। औकाफ किराएदारों के प्रवक्ता ने

कहा कि किराएदार नियमति रूप से वक्फ के साथ पिछले समझौते के अनुसार किराए का भुगतान कर रहे हैं लेकिन इस बार बोर्ड ने प्राथमिकता वाले हितधारकों के साथ इस मामले पर विचार किए बिना यानी किराएदारों ने मनमाने ढंग से 5500 रु पए से 11600 रुपए किराया बढ़ा दिया है। जो दुकानदारों के बजट को अस्थिर करने वाला है जो उन्हें दरिद्रता की ओर ले जा रहा है। उन्होंने कहा कि इन परिसरों को शुरू में उन्हें 1985 में खुली नीलामी के माध्यम से किराएदारों के रूप में आवंटित किया गया था, प्रत्येक के लिए 42000 रुपए प्रति माह के किराए के साथ 300 रुपए और बाद में समय-समय पर किराए में वृद्धि की गई थी। हालांकि, सलाहकार आई/सी औकाफ के साथ इस मुद्दे को उठाने के बाद सरकार ने वक्फ परिषद के माध्यम से आदेश संख्या एसडब्ल्यूसी/सीईओ/ 116/316 दिनांक 20.12.2018 जारी किया जिसमें प्रशासक औकाफ को हर दो साल में किराया बढ़ाने का निर्देश दिया गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि आदेश का घोर उल्लंघन है।

वरिष्ठ नेता समेत कई आप के कार्यकर्ता भाजमा में शामिल

जम्मू। भाजपा के कार्यों से प्रभावित होकर आम आमदी पार्टी के कई कार्यकर्ता के साथ शास्त्री सतीश शर्मा पूर्व सचिव और आम आदमी पार्टीके वरिष्ठ नेता ने भाजपा का दामन थामा। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र रैना ने पार्टी में नए लोगों का स्वागत किया। इस मौके पर सांसद जुगल किशोर भी मौजूद रहे, जिन्होंने पार्टी में नए लोगों का स्वागत किया। जम्मू-कश्मीर भाजपा कार्यालय सचिव तिलक राज गुप्ता और भाजपा मीडिया सचिव डॉ. प्रदीप महोत्र भी इस मौके पर मौजूद थे। आशीष अबरोल, राकेश शास्त्री, राकेश बाली, अशोक शर्मा, दीपक शर्मा, सुनीता देवी, चारू अबरोल, मदन लाल शर्मा और अन्य प्रमुख लोगों ने भाजपा का दामन थामा। रैना ने नए लोगों का स्वागत करते हुए कहा कि पार्टी परिवार में उनका स्वागत करती है और उन्हें विश्वास है कि नए सदस्य पार्टी के सिद्धांतों का पूरी तरह से पालन करेंगे और समाज और राष्ट्र की सेवा में समर्पित रूप से काम करेंगे। उन्होंने समर्पित कार्य करने की क्षमता के लिए सतीश शास्त्री की प्रशंसा की और कहा कि अब वह समाज के कल्याण और राष्ट्र को मजबूत करने के लिए सभी समुदायों और क्षेत्रों को एक साथ लेकर पार्टी सिद्धांतों के अनुसार काम करेंगे। जुगल किशोर शर्मा ने भी नए लोगों का स्वागत किया और कहा कि भाजपा के द्वार उन सभी के लिए खुले हैं जो लोगों की सेवा करना चाहते हैं और राष्ट्रवादी ताकतों और देश को मजबूत करने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं। उन्होंने कहा कि सतीश शर्मा ने सीखा है कि केवल भाजपा ही स्पष्ट दिल से समाज की सेवा करने का प्रयास करती है और इसलिए भाजपा में शामिल हो गई और हम उनके समर्थकों के साथ परिवार में उनका स्वागत करते हैं। सतीश शर्मा शास्त्री ने आम आदमी पार्टी में शामिल होने के अपने पहले के फैसले पर पश्चाताप किया और कहा कि केवल भाजपा ही राष्ट्र को मजबूत कर सकती है और अब वह फिर से जीवित, प्रबुद्ध और लोगों के समाज और राष्ट्र की सेवा करने के लिए तैयार महसूस कर रहे हैं।

जीएसटी में इनपुट टैक्स क्रेडिट मिलना हुआ ज्यादा मुश्किल

कोटा (हिंस)। केंद्र सरकार द्वारा 1 अक्टूबर, 2022 से लागू जीएसटी के नये संशोधन से व्यापारियों की परेशानियां और बढ़ गई हैं। अब उन्हें जीएसटी टैक्स क्रेडिट का इनपुट मिलना और कठिन हो गया है। लघु उद्योग भारती की कोटा ईकाई द्वारा शनिवार को पुरूषार्थ भवन में जीएसटी के नये प्रावधानों पर आयोजित सेमिनार में मुख्य वक्ता सीए इंस्टीट्यूट के नेशनल टेऊनर (जीएसटी) सीए देवेंद्र कटारिया ने यह बात कही। कटारिया ने बताया कि 1 अक्तूबर से लागू जीएसटी के नये आईटीसी संशोधन के बाद विक्रेता की गलतियां का खामियाजा क्रेता अर्थात व्यापारी को ही भुगतना पड़ेगा। जीएसटी आर-1 एवं 3 बी में यदि विक्रय की अलग-अलग सूचना दी गई तो समस्त क्रेताओं को इनपुट क्रेडिट नहीं मिलेगा।

कांग्रेस सरकार बनने पर खाली पड़े लाखों पदों पर होगी पक्की भर्ती : दीपेंद्र हुड्डा

हिसार (हिंस)। कांग्रेस सांसद दीपेंद्र हुड्डा कहा है कि बेरोजगारी और भाजपा सरकार दोनों सगी बहने हैं। बीजेपी सरकार रोजगार देने वाली नहीं, रोजगार छीनने वाली सरकार है। यही कारण है कि बेरोजगारी के मामले में हरियाणा की स्थिति सारे देश में सबसे बदतर हो गई है। सांसद दीपेंद्र हुड्डा शनिवार को कांग्रेस प्रत्याशी जयप्रकाश के समर्थन में चुनावी सभाओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा-जजपा सरकार की कुनीतियों और भ्रष्टाचार ने हरियाणा के युवाओं को रिकार्ड बेरोजगारी दर के गर्त में धकेल दिया। अकेले हरियाणा में करीब एक लाख 82 हजार सरकारी पद खाली पड़े हैं। देश की राजधानी के तीन तरफ लगा जो प्रदेश 2014 से पहले तक रोजगार देने में सबसे आगे था वो

आज बेरोजगारी दर में सबसे आगे है। भाजपा ने युवाओं को हर वर्ष दो करोड़ रोजगार देने का वादा किया था। आठ वर्ष हो गए, इस हिसाब से 16 करोड़ रोजगार मिलने चाहिए थे, 16 करोड़ रोजगार का मतलब है कि हर घर में एक रोजगार। अगर बीजेपी सरकार अपना वायदा पूरा करती तो आज हर घर में रोजगार होता लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि आज देश में सबसे ज्यादा बेरोजगारी हरियाणा में है। सांसद ने आगे कहा कि इस सरकार ने अग्निपथ योजना लाकर युवाओं का फौज में भर्ती होने का सपना भी चकनाचूर कर दिया। दीपेंद्र हुड्डा ने बताया कि हरियाणा से बड़ी संख्या में परम्परागत रूप से फौज में भर्ती होती रही है। यहां के विभिन्न इलाकों में पीढ़ी दर पीढ़ी देश के लिए समर्पित होकर सर्वोच्च बलिदान देने की परंपरा रही है।

राजस्थान में कानून व्यवस्था चौपट : राठौड़

झुंझुनू (हिंस)। पूर्व केंद्रीय मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कहा कि राजस्थान में कानून व्यवस्था खत्म हो चुकी है। पूरे प्रदेश में भय और दहशत का माहौल है। कानून का पालन करने वाले घबराए हुए हैं और जो कानून तो ? रहे हैं वे खुलेआम घूम रहे हैं। राठौड़ झुंझुनू के खेमी शक्ति मंदिर प्रांगण में पूर्व सैनिक सेवा परिषद के दो दिवसीय अधिवेशन में शनिवार को शामिल होने आए थे। राठौड़ ने कहा कि प्रदेश में बेटियों को बेचा जा रहा है। प्रदेश का मुखिया एकदम चुप है। उन्होंने कहा कि एनसीबीआर के आंकड़ों में राजस्थान दुष्कर्म में नंबर वन पर पहुंच चुका है।

चिनाब पहाड़ी रिजर्वेशन मूवमेंट ने प्रेसवार्ता कर उठाई अपनी मांगें

जम्मू। चिनाब पहाड़ी रिजर्वेशन मूवमेंट ने आज यहां प्रेसक्लब में प्रेसवार्ता आयोजित कर अपनी मांगों को उजागर किया। प्रेसवार्ता में मौजूद चेयरमैन शेख अयाज हुसैन ने वाइस चेयरमैन अनवर खान, वाइस चेयरमैन तनवीर हुसैन, महासचिव शरसद अहमद और प्रवक्ता सुजान सिंह के साथ पत्रकारों को संबोधित करते हुए कि चिनाब नदी एक प्रमुख नदी है जो भारत में बहती है और पंजाब क्षेत्र की पांच प्रमुख निदयों में से एक है। यह दो हेडवाटर्स यानी चंद्र और भागा के मिलन से बनता है। चिनाब नदी पर कई जलविद्युत बांधों का निर्माण किया गया था, बिजली का बड़ा हिस्सा चिनाब के पानी से उत्पन्न होता है और उसके बाद इसे देश के अन्य हिस्सों

में आपूर्ति की जाती है। दुनिया का सबसे ऊंचा रेल पुल भी इसी नदी पर कौरी कंठन में बनाया गया है, जो जम्मू और कश्मीर के सबसे अच्छे पर्यटन स्थलों में से एक है। सिंथनटॉप, डेगन टॉप, चिंकाह, कौसर नाग, दाल ड्रामाण, जंत्रों धार आदि जैसे कई अन्य पर्यटन स्थल हैं और श्री माता वैष्णो देवी जैसे धार्मिक स्थान हैं जहां दुनिया भर के तीर्थयात्री वहां जाते हैं और कटरा दुनिया का एकमात्र वह स्थान जहां साल भर दुकानें और होटल खुले रहते हैं। उन्होंने कहा कि हम प्रेसवार्ता के जरिए अपनी मांगों को उजागर कर रहे हैं, जिनमें उपरोक्त चार जिलों को पहाड़ी आरक्षण श्रेणी के क्षेत्रों में समवर्ती जिला पुंछ एवं राजौरी एवं अन्य क्षेत्रों में शामिल करना। आर.बी.ए.कोटा को 20 प्रतिशत पर पुनर्स्थापित करें जो पहले मौजूद था। सभी केंद्र सरकार में कम से कम 2 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करें। सरकार में अधिसूचित नौकरियां और प्रवेश। ओबीसी और एसटी, एससी श्रेणी के बराबर आरबीए श्रेणी के पेशेवर और गैर-पेशेवर पाठ्यक्रमों के संबंध में संस्थान। चिनाब क्षेत्र के पहाड़ी लोगों को पार अनुसूचित जनजाति और अनुसूचित जाति में राजनीतिक आरक्षण प्रदान करना व अन्य।

हड़ताली कर्मचारियों से परेशान सामाजिक संगठनों ने भरी हुंकार

भिवानी (हिंस)। हरियाणा प्रदेश के 42 हजार के लगभग सफाई कर्मचारी पिछले 10 दिनों से हड़ताल पर हैं। इसके चलते विभिन्न शहरों में सफाई व्यवस्था का बुरा हाल है। अब गंदगी से बीमारियां फैलने का अंदेशा भी शुरू हो गया है। प्रशासनिक व राजनीतिक स्तर पर इस बात का हल ना निकलते देख अब सामाजिक संगठन भी सफाई व्यवस्था बेहतर करने को लेकर सड़कों पर उतर आए हैं। इसी के चलते अब सरकार व प्रशासन पर सफाई कर्मियों को जल्द से जल्द मनाकर हड़ताल खत्म करने का दबाव बढ़ता नजर आ रहा है। भिवानी के विभिन्न सामाजिक संगठनों से जुड़े लोगों ने आज भिवानी शहर का दौरा कर जगह-जगह लगे गंदगी के ढेरों की तरफ मीडिया का ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि भिवानी इन दिनों गंदगी का ढेर बन गई है। जगह-जगह कूड़े के ढेर लगे हुए हैं। इसके चलते बीमारियां पनपने लगी हैं तथा हर गली-मोहल्ले में बीमार लोगों की संख्या बढ़ती जा रही है। ऐसे में उनकी मांग है कि सफाई व्यवस्था दुरुस्त करवाई जाए।

विक्रम संधू बने भाजपा आरएस पुरा मंडल के प्रधान

आरएस पुरा। भाजपा युवा नेता विक्रम संधू को भाजपा पार्टी हाईकमान की तरफ से आरएस पुरा भाजपा मंडल प्रधान बनाया गया है। पार्टी की नई जिम्मेदारी मिलने के उपरांत आज आरएसपुरा में पार्टी कार्यालय में उनके सम्मान में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर पूर्व मंत्री चौ शाम लाल सहित अन्य नेताओं ने विक्रम संधू को फूल माला पहना कर स्वागत किया। पूर्व मंत्री श्याम लाल ने कहा कि पार्टी की ओर से युवा वर्ग के लोगों को आगे लिया जा रहा है। वहीं विक्रम संधू ने कहा कि जो पार्टी उन्हें मंडल प्रधान की जिम्मेदारी सौंपी है, उसे वह पूरी ईमानदारी से निभाएंगे। इस दौरान आरएस पुरा नगर पालिका के चेयरमैन सतपाल पप्पी, जिला के महामंत्री आकाश चोपड़ा, विकास डोगरा सहित पार्टी के और कई नेता भी मौजूद थे।

बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष ने अस्पताल में व्यवस्थाओं का लिया जायजा

भीलवाड़ा (हिंस)। राजस्थान राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष संगीता बेनीवाल शनिवार को भीलवाड़ा के एक दिवसीय दौरे पर रही। उन्होंने राजकीय महात्मा गांधी अस्पताल में भी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। यहां वार्मर से झुलसने से दो मासूम बच्चों की मौत हो गयी थी, उसी मामले में वो भीलवाड़ा पहुंची थी। राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष संगीता बेनीवाल राजकीय महात्मा गांधी अस्पताल पहुंची। जहां उन्होंने स्पेशल न्यूबॉर्न केयर यूनिट का जायजा लिया। इसके अलावा चिकित्सा विभाग के अधिकारियों से भी घटना की जानकारी ली। अस्पताल में अव्यवस्थाओं पर नाराजगी जताते हुए व्यवस्थाएं सुधारने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

बेनीवाल ने संवेदना व्यक्त करते हुए दो बच्चों के मौत की घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि बाल आयोग ने इसे गंभीरता से लिया है। इस घटना में दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान जिला कलेक्टर आशीष मोदी, पुलिस अधीक्षक आदर्श सिद्दु, मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद डॉ शिल्पा सिंह, उपखंड अधिकारी डॉ पूजा सक्सेना, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मुस्ताक खान, सहायक निदेशक बाल अधिकारिता धर्मराज, सहायक निदेशक सामाजिक न्याय अधिकारिता विभाग सत्यपाल जांगिड़, उप श्रम आयुक्त करण सिंह यादव, बाल कल्याण समिति के सदस्य एवं पुलिस एवं विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

इंडियन डिफेंस सेक्टर देता है दुनिया में सबसे ज्यादा नौकरियां स्टेटिस्टा की रिपोर्ट में दावा, अमेरिका-चीन को भी पछाड़ा

नई दिल्ली।

नौकरी या रोजगार देने के मामले भारत की डिफेंस मिनिस्ट्री दुनिया में सबसे आगे है। यह दावा जर्मन कंपनी स्टेटिस्टा ने की है। स्टेटिस्टा जर्मनी की एक प्राइवेट ऑर्गेनाइजेशन है, जो दुनियाभर में अलग-अलग मुद्दों पर डाटा या आंकड़े जारी करती है। रिपोर्ट में भारत की डिफेंस मिनिस्ट्री को दुनिया का सबसे बड़ा इम्प्लोयर (नौकरी देने वाला) बताया गया है। इस मामले में अमेरिका दूसरे और चीन तीसरे नंबर पर है।

स्टेटिस्टा के मुताबिक मौजूदा सरकार ने रक्षा विभाग में 29.2 लाख लोगों को नौकरी दी है। ये नौकरियां तीनों सेनाओं (एयर फोर्स, नेवी और आर्मी) के सभी डिपार्टमेंट में दी गई हैं। भारत के बाद अमेरिकी डिफेंस मिनिस्ट्री का नंबर है। यहां 29.1 लोगों को नौकरी दी गई। वहीं, चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी ने 25 लाख लोगों को नौकरी दी।

वॉलमार्ट में 23 लाख, अमेजन में 16 लाख कर्मचारी- रिपोर्ट - रिपोर्ट्स की माने तो अमेरिकन कंपनी वॉलमार्ट के पास सबसे अधिक कर्मचारी हैं। वॉलमार्ट ने 23 लाख लोगों को नौकरी दी। वहीं, अमेजन के पास 16 लाख कर्मचारी है। अमेजन भी अमेरिकन कंपनी है।

सैन्य खर्च में भारत तीसरे नंबर पर 9 स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट के मुताबिक, विश्व सैन्य खर्च 2021 में 2.1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर के साथ अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गया। सबसे ज्यादा सैन्य खर्च के मामले में अमेरिका टॉप पर है। इसके बाद चीन और फिर तीसरे नंबर पर भारत है। 2021 में अमेरिका का सैन्य खर्च 801 बिलियन डॉलर था। वहीं, चीन ने अपनी सेना के लिए 293 बिलियन डॉलर और भारत ने 76.6 बिलियन डॉलर खर्च किया। बात अगर भारत की करें तो चार साल पहले यानी 2018 में भारत 5वीं पोजीशन पर था और तब कुल सैन्य खर्च 66.5 बिलियन डॉलर था। यानी 2021 तक इस खर्च में 10.1 बिलियन डॉलर (7.74 लाख करोड़ रुपए) का इजाफा हुआ है।

सैन्य खर्च में अमेरिका टॉप पर बरकरार 9 रिपोर्ट के मुताबिक 2021 में अमेरिकी सैन्य खर्च 801 बिलियन अमेरिकी डॉलर्स तक पहुंच गया, जो 2020 के मुकाबले 1.4प्रतिशत कम है। 10 साल में अमेरिका ने मिलिट्री रिसर्च और डेवलपमेंट के लिए 24प्रतिशत बजट बढ़ाया और हथियारों की खरीद पर खर्च में 6.4प्रतिशत की कमी की। दूसरे स्थान पर चीन है, जिसने डिफेंस पर 293 बिलियन अमेरिकी डॉलर खर्च किए।

पिछली तीन तिमाहियों से उच्च स्तर पर पहुंची महंगाई से निपटना भारत के लिए परीक्षा, निवेश पर असर

नई दिल्ली। देश में उच्च महंगाई से पिछले 9 महीने से कोई राहत नहीं मिल रही है। इसका असर खपत व निवेश पर पड़ रहा है। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) के सदस्य शशांक भिड़े ने कहा कि बाहरी दबावों यानी आयातित महंगाई की वजह से पिछली तीन तिमाहियों से खुदरा महंगाई की दर ऊंची बनी हुई है। इससे निपटने के लिए बेहतर नीतिगत प्रयास जरूरी हैं। भिड़े ने कहा कि ईंधन एवं खाद्य वस्तुओं के ऊंचे दाम और अन्य क्षेत्रों पर इसके असर ने महंगाई की दर को अधिक बना रखा है। महंगाई का दबाव बहुत अधिक है। यह भारत की महंगाई से निपटने की रूपरेखा के लिए निश्चित ही एक परीक्षा है। 2022-23 की दूसरी तिमाही में महंगाई उच्च स्तर पर रही। इससे पिछली दो तिमाहियों में भी इसकी दर ऊंची रही थी। खुदरा महंगाई जनवरी, 2022 से 6 फीसदी से ऊपर बनी हुई है। सितंबर में यह 7.41प्रतिशत थी। एमपीसी सदस्य ने कहा कि बाहरी दबावों के महंगाई और अर्थव्यवस्था पर असर को सीमित करने के लिए कदम उठाना जरूरी है। इन मुद्दों से निपटने के लिए समन्वित नीतिगत प्रयासों, मौद्रिक नीति और अन्य आर्थिक नीतियों की जरूरत होगी। आरबीआई की मौद्रिक सख्ती यानी रेपो दर में वृद्धि का मकसद महंगाई के दबाव को कम करना होता है। रेपो दर में वृद्धि से कर्ज की लागत बढ़ गई है। इस पर कहा, कम महंगाई की उम्मीद से मांग की स्थिति में सुधार करने में मदद मिलेगी।

शक्कर के एक्सपोर्ट पर अगले आदेश तक रोकः देश में महंगाई थामने के लिए केंद्र का फैसला, इंडोनेशिया-मलेशिया और दुबई हैं बड़े खरीदार

नई दिल्ली। सरकार ने शक्कर यानी चीनी के निर्यात पर लगे प्रतिबंध को अक्टूबर 2023 तक बढ़ा दिया है। घरेलू बाजार में इसकी बढ़ती कीमत को देखते हुए 1 जून 2022 से 31 अक्टूबर 2022 तक चीनी एक्सपोर्ट पर प्रतिबंध लगाया गया था। कीमतों में यह बढ़ोतरी शक्कर के रिकार्ड एक्सपोर्ट के बाद हुई थी। भारत दुनिया का सबसे बड़ा चीनी उत्पादक और ब्राजील के बाद दूसरा सबसे बड़ा निर्यातक है। बांग्लादेश, इंडोनेशिया, मलेशिया और दुबई भारतीय चीनी के सबसे बड़े खरीदारों में शामिल हैं। बीते साल देश ने भारी मात्रा में चीनी का निर्यात किया है। पिछले साल 60 (लाख मीट्रिक टन) तक चीनी निर्यात का लक्ष्य रखा गया था, लेकिन असल में 70 (लाख मीट्रिक टन) चीनी एक्सपोर्ट कर दी गई। इसी तरह इस साल भी 82 (लाख मीट्रिक टन) चीनी शुगर मिल से एक्सपोर्ट की गई। इस साल का चीनी निर्यात अब तक का सबसे ज्यादा माना जा रहा है। चीनी एक्सपोर्ट को सीमित करने की सरकार की योजना काफी ज्यादा ऐहतियात वाली लगती है।

निवेशकों के अच्छे दिनः एफडी पर ब्याज बढ़ने से बैंकों की ओर वापस लौट रहे निवेशक, 7.50प्रतिशत तक ब्याज दे रहे बैंक

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक द्वारा रेपो रेट बढ़ाए जाने के बाद अधिकांश बैंकों ने कर्ज पर ब्याज दरें बढ़ाने में तेजी दिखाई, लेकिन जमा दरों में बढ़ोतरी के लिए उत्साह नहीं दिखाया। बैंक ऑफ बड़ौदा की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक 2021-22 के दौरान कुल वित्तीय निवेश में म्यूचुअल फंड और इक्विटी की हिस्सेदारी वित्त वर्ष 2019-20 के क्रमशः 2.6प्रतिशत और 1.1प्रतिशत की तुलना में बढ़कर 6.3प्रतिशत और 1.9प्रतिशत हो गई। जबकि बैंक जमा की हिस्सेदारी इस दौरान 34.4प्रतिशत से घटकर 25.5प्रतिशत रह गई। अब कर्ज की तुलना में डिपॉजिट कम होने से बैंकों ने भी एफडी और अन्य जमा पर ब्याज दरें बढ़ानी शुरू कर दी हैं। इससे खासतौर पर डेट म्यूचुअल फंड के निवेशक एफडी की तरफ लौट रहे हैं। सितंबर 2022 तक बैंक डिपॉजिट की तुलना में म्यूचुअल फंड द्वारा मैनेज किए जाने वाले फंड की ग्रोथ एक तिहाई ही रही।

चीनी कंपनियों पर प्रतिबंध को अमेरिकी राज्यों ने ही नहीं माना, जारी रखी खरीदारी

वाशिंगटन।

चीन के दूरसंचार उपकरणों के इस्तेमाल पर रोक लगाने की अमेरिका की संघीय सरकार की कोशिश को वहां के राज्यों और स्थानीय प्रशासनों ने सफल नहीं होने दिया है। कई राज्यों और नगरों के प्रशासन ने उन चीनी उपकरणों की खरीद भी जारी रखी है, जिन्हें संघीय सरकार ने अमेरिकी की सुरक्षा के लिए खतरनाक घोषित कर रखा है। अमेरिका के जो बाइडन प्रशासन के लिए चिंताजनक ये तथ्य जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी के सेंटर फॉर सिक्योरिटी एंड इमर्जिंग टेक्नोलॉजी (सीएसईटी) की एक ताजा रिपोर्ट से सामने आए हैं।

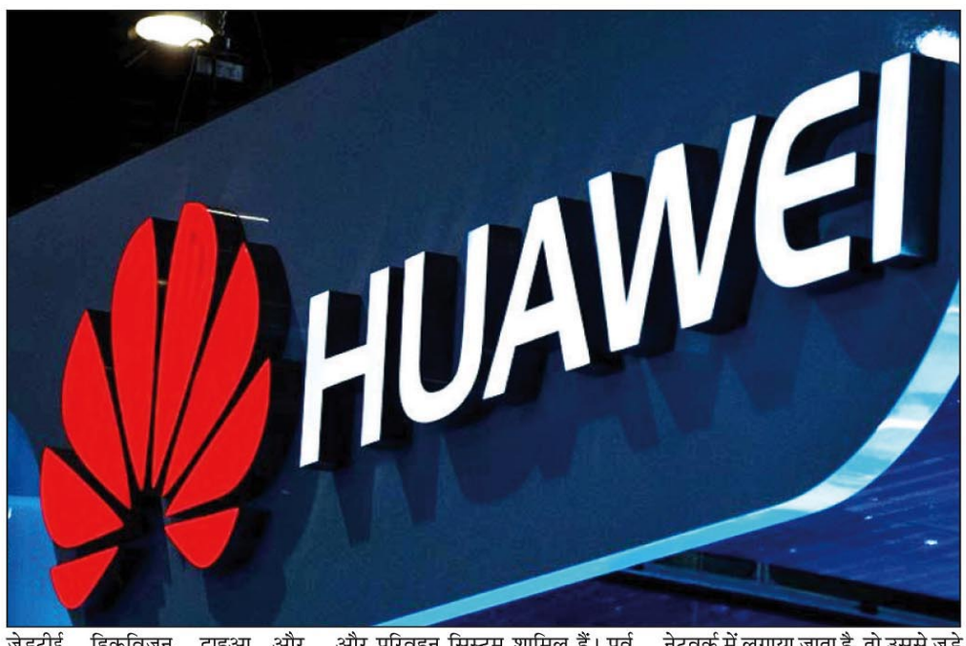

अमेरिकी अधिकारी चेतावनी देते रहे हैं कि चीन में बने टेलीकॉम उपकरणों के इस्तेमाल से अमेरिका आर्थिक जासूसी और डिजिटल धोखाधड़ी का शिकार हो सकता है। संघीय सरकार ने राज्यों और स्थानीय निकायों के प्रशासनों को बार-बार संदेश भेजा है कि वे अपनी नीति संघीय सरकार की नीति के अनुरूप ढालें। ऐसा करना स्कूलों, अस्पतालों और अन्य महत्त्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की सुरक्षा के लिए जरूरी है। लेकिन सीएसईटी की रिपोर्ट के मुताबिक कई स्थानीय सरकारों ने इस पर ध्यान नहीं दिया है। अमेरिका की संघीय एजेंसियों चीन की दूरसंचार कंपनियों हुवावे, जेडटीई, हिकविजन, दाहुआ और हायतेरा के उत्पादों पर प्रतिबंध लगा दिया था। लेकिन अमेरिकी व्यवस्था में संघीय सरकार के आम प्रतिबंध राज्यों की एजेंसियों पर लागू नहीं होते। नतीजा यह हुआ कि सिर्फ पांच राज्यों- फ्लोरिडा, जॉर्जिया, लुइजियाना, टेक्सस और वॉरमोंट ने चीनी कंपनियों के उपकरणों की खरीद पर रोक के कदम उठाए। रिपोर्ट के मुताबिक 2015 से 2021 के बीच राज्यों और स्थानीय प्रशासन की 1,681 इकाइयों ने प्रतिबंधित चीनी कंपनियों के टेक्नोलॉजी और सेवाओं की खरीदारी की। ये खरीदारी चार करोड़ 50 लाख डॉलर की रही। ऐसी खरीदारी करने वाली एजेंसियों में सरकारी स्कूल, कॉलेज, यूनिवर्सिटी, जेल, अस्पताल, और परिवहन सिस्टम शामिल हैं। पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 2018 में चीन के खिलाफ अभियान शुरू किया था। उसके बावजूद तब से 2021 तक चीनी कंपनियों से 600 से ज्यादा खरीदारियां की गईं। चीनी कंपनियों से खरीदारी करने वाले राज्यों में मिशिगन सबसे आगे रहा है। वहां चीनी कंपनी हुवावे से डेढ़ करोड़ डॉलर के नेटवर्किंग उपकरण और सेवाओं की खरीदारी की गई है। अरकंसास राज्य ने हिकविजन से दस लाख डॉलर के निगरानी उपकरण खरीदे हैं। एक रिपोर्ट में कहा है कि चीनी दूरसंचार उपकरण आम तौर पर दूसरी कंपनियों के उत्पाद से सस्ते होते हैं। इसलिए उन्हें खरीदना सरकारी एजेंसियों को आकर्षक सौदा मालूम पड़ता है।

जब किसी टेक्नोलॉजी को सरकारी नेटवर्क में लगाया जाता है, तो उससे जुड़े दूसरे नेटवर्कों के लिए यह एक प्रवेश द्वार बन जाता है। अगर विरोधी शक्तियां या हैकर इन सार्वजनिक सेवाओं को ठप करना चाहें, तो वे इन हार्डवेयर के जरिए ऐसा कर सकते हैं। इसलिए राज्यों और स्थानीय प्रशासनों को संघीय गाइडलाइंस का पालन करना चाहिए।

रिपोर्ट से सामने आई जानकारी के बाद अब अमेरिका फेडरल कम्युनिकेशंस कमीशन (एफसीसी) हुवावे और जेडटीई के सभी दूरसंचार उपकरणों की नई खरीदारी को प्रतिबंधित करने पर विचार कर रहा है। नया प्रतिबंध राष्ट्रीय सुरक्षा प्रावधानों के तहत लगाया जाएगा, जिससे राज्यों और स्थानीय प्रशासनों को उसे मानना अनिवार्य हो जाएगा।

ट्विटर पर अधिग्रहण के बाद मस्क ने की कंटेंट मॉडरेशन काउंसिल बनाने की घोषणा, क्या हैं इसके मायने

वॉशिंगटन।

ट्विटर अब एलन मस्क का हो चुका है। इस सोशल मीडिया कंपनी पर अधिग्रहण करते ही मस्क ने कई बड़े फैसले लिए हैं। शुक्रवार को एलन मस्क ने कंपनी के शीर्ष नेतृत्व को बाहर का रास्ता दिखा दिया था तो शाम होते ही उन्होंने ट्विटर क लिए कंटेंट मॉडरेशन काउंसिल के गठन की घोषणा कर दी।

कंटेंट मॉडरेशन से जुड़े फैसले लेगी काउंसिल

जल्द ही ट्विटर की कंटेंट मॉडरेशन पॉलिसी में कुछ बदलाव देखने को मिल सकते हैं। दरअसल, अधिग्रहण के बाद एलन मस्क ने ट्वीट कर बताया कि ट्विटर व्यापक रूप से विविध दृष्टिकोणों के साथ एक कंटेंट मॉडरेशन काउंसिल का गठन करेगा। यह काउंसिल ट्विटर के कंटेंट मॉडरेशन संबंधी फैसले लेगी। हालांकि, एलन मस्क ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि काउंसिल की बैठक से पहले हम ट्विटर की मौजूदा कंटेंट मॉडरेशन पॉलिसी में कोई बदलाव नहीं करना चाहते हैं।

एलन मस्क ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि काउंसिल की बैठक से पहले कंटेंट से संबंधित या फिर बैन खातों की बहाली पर कोई निर्णय नहीं लिया जाएगा। इस काउंसिल की समीक्षा के बाद ही बंद हो चुके खातों को दोबारा बहाल करने पर फैसला लिया जाएगा। यानी, ट्विटर पर प्रतिबंधित हो चुके खातों का भविष्य नई कंटेंट मॉडरेशन पॉलिसी पर ही निर्भर होगा।

ट्विटर के पास 238 मिलियन दैनिक यूजर्स

ट्विटर का कहना है कि उसके 238 मिलियन दैनिक उपयोगकर्ता हैं। कई कंपनियां, राजनेताओं, पत्रकारों और अन्य सार्वजनिक हस्तियों के लिए ट्विटर एक पसंदीदा मंच है। मस्क ने विज्ञापनदाताओं को एक पत्र में कहा कि वह चाहते हैं कि ट्विटर एक ऐसा मंच हो जहां प्रतिद्वंद्वी दृष्टिकोणों पर स्वस्थ तरीके से बहस की जा सके।

जनरल मोटर्स ने विज्ञापनों पर लगाई रोक

अमेरिकी मीडिया ने खबर दी है कि एलन मस्क के ट्विटर का अधिग्रहण करने के बाद टेस्ला की प्रतियोगी जनरल मोटर्स ने ट्विटर पर अपने विज्ञापनों को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया है।

भारत ने यूएई के सामने उठाए कृषि क्षेत्र और चावल निर्यात संबंधी मुद्दे

दुबई।

भारत ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के साथ हुई बैठक में कृषि क्षेत्र और चावल निर्यातकों की समस्याएं प्रमुखता से उठाईं। भारत-यूएई परिषद अध्यक्ष सांसद और भारत यूएई संयुक्त कार्यबल के सदस्य एस. विक्रमजीत सिंह ने यूएई के विदेश व्यापार राज्यमंत्री डॉ. थानी बिन अहमद अल जेयूदी से मुलाकात के दौरान द्विपक्षीय सहयोग के कई मुद्दों पर विचार-विमर्श किया।

सिंह ने कहा कि दोनों देशों के बीच किए गए दो प्रमुख समझौतों के कारण द्विपक्षीय कारोबार नई ऊंचाइयां छू रहा है। दोनों देशों के बीच वार्ता व्यापक आर्थिक सहयोग समझौते (सीईपीए) और मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के निष्कर्षों के मुताबिक ही हुई।

सिंह ने कीटनाशक मौजूद होने की बात कह भारतीय निर्यातकों के चावल अस्वीकार करने की समस्या उठाई। उन्होंने दोनों देशों को स्वीकार्य मानकों और लैब की स्थापना, भारत के फार्मा उत्पादों को तीव्र गति से स्वीकृति पर बल दिया। उन्होंने यूएई में निवेश की न्यूनतम सीमा कम करने पर भी बल दिया। वर्तमान में यह 10 करोड़ दिरहम है। उन्होंने भारत-यूएई के द्विपक्षीय निवेश पर जल्द निर्णय लेने, दोनों देशों के संयुक्त उद्यमों पर काम सुव्यवस्थित करने पर भी बल दिया। यूएई के मंत्री ने भारत के साथ व्यापार की स्थिति पर संतोष जताया। साथ ही भारत में निवेश का भरोसा दिया।

एस. विक्रमजीत सिंह ने पंजाब के मुख्यमंत्री के प्रतिनिधि के तौर पर राज्य और यूएई के बीच महत्वपूर्ण मुद्दों पर विमर्श किया। उन्होंने पंजाब के आधारभूत ढांचे में निवेश, बासमती निर्यात, कृषि प्रसंस्करण सेक्टर पर विचार विमर्श किया।

इंडोनेशिया में लगेगी भारत-ब्रिटेन के बीच मुक्त व्यापार समझौते पर मुहर, नवंबर में मिलेंगे मोदी और सुनक

नई दिल्ली।

भारत और ब्रिटेन के बीच बहुप्रतीक्षित मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) पर इंडोनेशिया के बाली में नवंबर मध्य में होने वाले जी-20 शिखर सम्मेलन की बैठक में मुहर लगेगी। इस बैठक के इतर ब्रिटेन के नवनिर्वाचित पीएम ऋषि सुनक और पीएम मोदी के बीच द्विपक्षीय वार्ता होगी। एफटीए पर अंतिम फैसला के लिए दोनों ही देशों में तैयारियां शुरू हो गई है।

गौरतलब है कि बृहस्पतिवार को पीएम मोदी ने ब्रिटिश पीएम सुनक से फोन पर बातचीत की थी। इस बातचीत में दोनों ने एफटीए के प्रति अपनी अपनी प्रतिबद्धता जाहिर की थी। बाली में होने जा रहे जी-20 शिखर सम्मेलन कई दूसरे कारणों से अभी से चर्चा में है। इस बैठक में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग भी हिस्सा लेंगे। इसके कारण शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की हाल में उज्बेकिस्तान की राजधानी समरकंद में हुई बैठक की तर्ज पर जिनपिंग-मोदी की मुलाकात पर कयासों का बाजार गर्म है।

गौरतलब है कि एससीओ की बैठक में पीएम मोदी ने जिनपिंग से दूरी बनाई थी। चर्चाओं का बाजार गर्म इसलिए भी है कि हाल ही में शी जिनपिंग को बतौर राष्ट्रपति तीसरा कार्यकाल मिलने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें बधाई देने से दूरी बरती है। सरकारी सूत्रों के मुताबिक बाली में होने वाली द्विपक्षीय वार्ता में एफटीए पर मुहर लगनी तय है। इसके मद्देनजर दोनों देश लगातार इस समझौते की अड़चनों को दूर करने में जुटे हैं। अड़चनों को दूर करने के लिए दोनों ही पक्षों के बीच बातचीत लगातार जारी है।

चूंकि बृहस्पतिवार को दोनों देशों के पीएम ने इसके प्रति प्रतिबद्धता जाहिर की है, ऐसे में बाली में होने वाली द्विपक्षीय वार्ता में एफटीए पर मुहर लगाने की कवायद शुरू हो गई है। हालांकि जी-20 शिखर सम्मेलन के इतर जिनपिंग-मोदी की मुलाकात की संभावना जताई जा रही है, मगर सरकारी सूत्र फिलहाल मुलाकात की संभावना से इंकार कर रहे हैं।

सब्जियों के दामों ने रुलाया

टमाटर पहुंचा 80 रुपये प्रति किलो, आलू के दाम में और बढ़ोतरी की आशंका

नई दिल्ली।

सब्जियों के दाम आसमान पर पहुंच गए हैं और रसोई में रोज इस्तेमाल होने वाली सब्जियां बजट से बाहर होती जा रही हैं। सब्जियों की महंगाई से हर कोई परेशान है और टमाटर खास तौर पर महंगा बिक रहा है। इसके अलावा अब आलू के भी महंगा करने की आशंका बढ़ा रही है। इसकी वजह है कि इस साल टमाटर का उत्पादन चार फीसदी और आलू का उत्पादन पांच प्रतिशत घटने का अनुमान कृषि मंत्रालय ने जताया है।

टमाटर हुआ लाल

कृषि मंत्रालय ने टमाटर के उत्पादन में चार फीसदी की कमी का अनुमान जताया है। कृषि मंत्रालय के मुताबिक, इस साल टमाटर का उत्पादन 2 करोड़ 3.3 लाख टन रह सकता है जबकि पिछले साल टमाटर का कुल उत्पादन 2 करोड़ 11.8 लाख टन था। ये अनुमान कृषि मंत्रालय की तरफ से बागवानी फसलों के उत्पादन को लेकर जारी किए गए पूर्वानुमान के बाद सामने आया है। टमाटर की महंगाई से लोग पहले से ही परेशान हैं। फिलहाल टमाटर 80 रुपये प्रति किलो पर बिक रहा है। त्योहारों के अलावा अक्तूबर की शुरुआत में हुई बारिश से टमाटर की फसल को नुकसान होने के अलावा अलावा इनकी सप्लाई घटने से कीमत में ये बढ़ोतरी हुई है।

आलू के दाम बढ़ने की आशंका

इसी तरह आलू के दाम बढ़ने की आशंका भी बढ़ रही है। कृषि मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक आलू का उत्पादन 2021-22 में 5 प्रतिशत की गिरावट के साथ 5 करोड़ 33.9 लाख टन रहने का अनुमान है। जबकि पिछले साल इसका इसका उत्पादन 5 करोड़ 61.7 लाख टन हुआ था। आलू पिछले कुछ महीने से लगातार 30 रुपये प्रति किलो बिक रहा है।

प्याज का उत्पादन बढ़ सकता है

इस बार प्याज के उत्पादन में भारी इजाफा देखने को मिला है। इस साल प्याज का उत्पादन 3 करोड़ 12.7 लाख टन होने का अनुमान है जबकि पिछले साल 2 करोड़ 66.4 लाख टन प्याज का उत्पादन हुआ था। इस साल देश में सब्जियों का उत्पादन 20 करोड़ 48.4 लाख टन होने का अनुमान है. ये आंकड़ा पिछले साल के 20 करोड़ 4.5 लाख टन के मुकाबले ज्यादा रहेगा। फलों के उत्पादन की बात करें तो इस साल 10 करोड़ 72.4 लाख टन फलों का उत्पादन होने का अनुमान है जबकि पिछले साल 10 करोड़ 24.8 लाख टन फलों का उत्पादन हुआ था। कृषि मंत्रालयों के आंकड़ों के मुताबिक देश में इस साल बागवानी फसलों के उत्पादन में 2.31 फीसदी की बढ़ोतरी का अनुमान है। ऐसे में इनका उत्पादन 34 करोड़ 23.3 लाख टन रह सकता है जबकि पिछले साल ये 33 करोड़ 46 लाख टन था. केन्द्र सरकार हर फसल वर्ष को लेकर अलग-अलग समय पर पूर्वानुमान आंकड़े जारी करती है।

भाती है म्यूजिक, सिंगिग और डांस के प्रति विक्की की दीवानगी, परेशान करता है जिद्दीपन : कैटरीना कैफ

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड अभिनेत्री कैटरीना कैफ और विक्की कौशल ने दिसंबर में शादी की और तब से ही यह जोड़ी चर्चा में है। फैंस इस शानदार जोड़ी की झलक पाने के लिए बेताब रहते हैं। दोनों सितारों को एक-दूसरे के बारे में बात करते हुए' और पब्लिक के सामने अपने प्यार का इजहार करते देखना अच्छा लगता है। कैटरीना ने विक्की की सबसे प्यारी और सबसे खराब आदतों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि म्यूजिक, सिंगिग और डांस के लिए उनका प्यार, उन्हें पसंद है। उन्होंने खुलासा किया कि विक्की एक शानदार सिंगर हैं और कभी-कभी वे जब सोने की तैयारी कर रही होती हैं, तो उनसे अपने लिए गाने के लिए कहती हैं। इसके अलावा, कैटरीना ने विक्की से जुड़ी सबसे तकलीफदेह आदतों के बारे में बताया। एक्ट्रेस ने कहा कि वह कभी-कभी बहुत जिद्दी हो जाते हैं। सलमान खान के बारे में पूछे जाने पर कैटरीना ने कहा कि उनके साथ काम करना हमेशा मजेदार होता है। कैटरीना ने खुलासा किया कि शाहरुख खान के साथ काम करने पर हमेशा कुछ सीखने को मिलता है, क्योंकि वह इतने बुद्धिमान हैं कि उनके साथ बातचीत के बाद हमेशा कुछ और चीजों के बारे में जान पाते हैं। उन्होंने आलिया भट्ट को खास और प्रियंका चोपड़ा को प्रेरक बताया। जहां विक्की, कैटरीना को सोते समय गाना गाकर सुनाते हैं, वहीं कैटरीना के पास उन्हें जगाने का कोई अच्छा तरीका नहीं है। एक्ट्रेस ने एक वीडियो पोस्ट किया था, जिसमें विक्की सोते नजर आ रहे हैं। कैटरीना फिलहाल अपनी अगली फिल्म फोन भूत का प्रचार कर रही हैं, जिसमें ईशान खट्टर और सिद्धांत चतुर्वेदी हैं। फिल्म में वे एक भूत का किरदार निभा रही हैं। विक्की फिलहाल मेघना गुलजार की अगली फिल्म सैम बहादुर की शूटिंग कर रहे हैं।

उर्फी जावेद ने सुधांशु पांडे को दिया करारा जवाब

-सुधांशु ने टॉपलेस होने पर बता दिया घटिया

मुंबई (ईएमएस)। एक्ट्रेस उर्फी जावेद ने दिवाली के मौके पर अपने फैंस को तगडा झटका दिया। दिवाली पर उर्फी जावेद ने अपना जो वीडियो पोस्ट किया, उसे देखकर 'अनुपमा' एक्टर सुधांशु पांडे ने एक्ट्रेस को घटिया बता दिया था। उर्फी जावेद इस पर भड़क गईं और सुधांशु पांडे को करारा जवाब दिया। वीडियो में उर्फी जावेद टॉपलेस होकर लड्डू खाती हुई नजर आ रही हैं। दिवाली जैसे पर्व पर उर्फी जावेद का ऐसा अंदाज यूजर्स के साथ-साथ सुधांशु पांडे को पसंद नहीं आया। सुधांशु पांडे ने उर्फी जावेद के इस वीडियो जैसे ही देखा आपा खो दिया। उन्होंने उर्फी जावेद के इस वीडियो को देखने के बाद अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा कि वह उर्फी जावेद को इंस्टाग्राम पर फॉलो नहीं करते हैं, लेकिन फिर भी उन्हें इस तरह की घटिया चीजें रोजाना देखनी पड़ती हैं। इसके लिए सुधांशु पांडे ने न्यूज चैनल्स को जिम्मेदार ठहराया। सुधांशु पांडे ने लिखा, 'मुझे बहुत गुस्सा आता है। आखिर कोई दिवाली जैसे मौके पर इस तरह का बेहूदा मजाक कैसे कर सकता है? कम से कम भगवान के लिए तो शर्म करो।' सुधांशु पांडे ने उर्फी जावेद को प्रमोट करने के लिए मीडिया और पपाराजी पर भी गुस्सा निकाला। सुधांशु पांडे के इस पोस्ट को देख उर्फी जावेद खुद को रोक नहीं पाईं और उन्होंने एक्टर को जवाब दिया। खुद को 'घटिया' बताए जाने से उर्फी जावेद कहां चुप बैठने वाली थीं।

उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर 'अनुपमा' शो और सुधांशु पांडे को लेकर लिखा, 'अनुपमा एक ऐसा शो है जहां नारी सशक्तिकरण की बात करता है। जहां महिलाएं समाज द्वारा महिलाओं के लिए तय किए गए पैमानों और नियमों को तोड़ रही हैं। तुम अपना खुद का शो क्यों नहीं देखते सुधांशु? हो सकता है कुछ सीख जाओ। उर्फी जावेद ने यह भी लिखा, 'आपको ये सब चीजें इसलिए देखनी पड़ती हैं क्योंकि आप दुनिया कंट्रोल नहीं कर सकते। मुझे आपके जैसे लोग दुनिया को यह बताते हुए अच्छे नहीं लगते कि तुम्हें मुझे देखना पसंद नहीं है, पर फिर भी बर्दाश्त करते हैं। ठीक? अनुपमा में डायलॉग नहीं मिल रहे तो सोचा उर्फी को बोलकर पब्लिसिटी ले लूं? जब तक कि आप इतने अमीर नहीं बन जाते कि इंस्टाग्राम, ट्विटर और फेसबुक को खरीद सकें, आपको मुझे बर्दाश्त करना पड़ेगा। आप लूजर हैं। वैसे मैंने आपको कभी भी किसी पुरुष या इंडस्ट्री के सेक्शुअल प्रिडेटर्स के खिलाफ बोलते हुए कभी नहीं देखा। लेकिन आपको मेरे खिलाफ आवाज उठाना ज्यादा जरूरी लगा क्योंकि मैं अपनी बॉडी पर क्या लगाती हूं या क्या पहनती हूं वो आपका बिजनस है।'

कमाई में अजय देवगन की 'थैंक गॉड' के आगे निकली अक्षय कुमार की 'रामसेतु'

मुंबई (ईएमएस)। अक्षय कुमार की फिल्म रामसेतु ने दो दिनों में 26 करोड़ रुपए कमाए हैं। वह अजय देवगन की फिल्म थैंक गॉड को पीछे छोड़ते हुए आगे बढ़ गई है। दोनों ही फिल्में दीपावली पर रिलीज हुई थी। दोनों फिल्मों में से अक्षय कुमार की फिल्म रामसेतु ने बाजी मार ली है। रिलीज के पहले दिन ही रामसेतु ने 15 करोड़ रुपए कमाए। इसके अगले दिन भी फिल्म ने करीब 11.40 करोड़ रुपए कमा लिए। थैंक गॉड भी दिवाली के दिन ही प्रदर्शित की गई थी। इस फिल्म ने अब तक कुल 14.10 करोड़ रुपए की कमाई की है। थैंक गाड में अजय देवगन के साथ सिद्धार्थ मल्होत्रा और रकुल प्रीत सिंह भी नजर आईं थीं। इस फिल्म को दर्शकों ने ज्यादा प्यार नहीं दिया है। अब तक दो दिनों के अंदर फिल्म ने करीब 14 करोड़ रुपए ही कमा पाई है। फिल्म के रिलीज से पहले यह काफी विवादों में रही थी। फिल्म को लेकर सोशल मीडिया पर काफी विवाद हुआ था।

लोगों ने इस फिल्म को लेकर भगवान का उपहास उड़ाने का भी आरोप लगाया था। अक्षय कुमार ने रामसेतु में अक्षय कुमार ने दमदार एक्टिंग की है। हालांकि फिल्म के रिव्यू ज्यादा अच्छे नहीं रहे। दर्शकों की भी फिल्म को लेकर मिली-जुली प्रतिक्रिया देखने को मिली है। कुछ लोगों ने फिल्म की तारीफ की है तो कुछ लोग आलोचना करते भी दिखाई दिए। कई दर्शकों ने फिल्म की कहानी हल्की और कमजोर बताई है। साथ ही इसकी कमाई की बात करें तो पहले दिन फिल्म ने अच्छा व्यापार किया था और 15 करोड़ रुपए की ओपनिंग की थी। इसके बाद बुधवार को भी फिल्म के करीब 11 करोड़ रुपए कमा लिए।

75वें गणतंत्र दिवस पर रिलीज होगी 'फाइटर'

भारत के 75वें गणतंत्र दिवस का जश्न मनाते हुए, वायकॉम 18 स्टूडियोज और मार्फ्लिक्स पिक्चर्स द्वारा एक्शन पैक्ड बिग स्क्रीन फिल्म फाइटर 25 जनवरी 2024 को रिलीज होने के लिए तैयार है। इस फिल्म में ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण भारतीय वायु सेना के पायलट के रूप में दिखाई देंगे। फिल्म में अनिल कपूर भी अहम भूमिका में हैं। फाइटर के साथ निमार्ता बने, निर्देशक सिद्धार्थ आनंद, जो भारत की सबसे बड़ी एक्शन फिल्मों को बनाने के लिए जाने जाते हैं, इस फिल्म को शानदार बनाने के लिए हर मुमकिन कोशिश कर रहें है, जो दर्शकों को सेल्यूलाइड पर नेवर सीन बिफोर एक्सपीरियंस देने के लिए तैयार है। भारत के सशस्त्र बलों को श्रद्धांजलि देने वाली यह फिल्म रिपब्लिक डे वीकेंड के लिए एक परफेक्ट रिलीज है। कई मायनों में फाइटर भारत की पहली एरियल एक्शन फिल्म होगी। यह पहली बार है जब इस फिल्म में ऋतिक रोशन ने दीपिका पादुकोण के साथ स्क्रीन स्पेस साझा किया है। निमार्ता अजीत अंधारे के भारतीय सिनेमा में एक अंतरराष्ट्रीय स्तर की एक्शन फिल्म लाने के दृष्टिकोण के साथ, फिल्म का इरादा वैश्विक दर्शकों को अपील करना है, जिसकी कहानी भारत में गहराई से बसी हुई है।

अनन्या पांडे ने कम समय में बनाई बॉलीवुड में खास जगह

बॉलीवुड की खूबसूरत अभिनेत्री अनन्या पांडे ने बहुत कम समय में बॉलीवुड में अपनी खास पहचान बनाई है। 30 अक्टूबर, 1998 को जन्मीं अनन्या पांडे जाने-माने फिल्म अभिनेता चंकी पांडे की बेटी हैं। अनन्या ने स्नातक तक की पढ़ाई धीरुभाई अंबानी इंटरनेशनल स्कूल से पूरी की है। उसके बाद उन्होंने अपने पिता के नक्शे कदम पर चलते हुए अभिनय को ही अपना करियर चुना। इसके लिए अनन्या ने कभी भी अपने पिता के नाम का सहारा नहीं लिया। उन्होंने साल 2019 में पुनीत मल्होत्रा द्वारा निर्देशित फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2' से बॉलीवुड में कदम रखा था। यह एक रोमांटिक ड्रामा फिल्म थी। फिल्म में अनन्या के साथ टाइगर श्रॉफ और तारा सुतरिया भी लीड रोल में थे। हालांकि यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कोई खास कमाल नहीं दिखा पाई, लेकिन फिल्म में अनन्या अपने अभिनय और सादगी से दर्शकों का दिल जीतने में कामयाब रही। इसके बाद अनन्या को एक और फिल्म में अभिनय करने का मौका मिला और फिल्म का नाम था 'पति पत्नी और वो'। मुद्दस्सर अजीज द्वारा निर्देशित इस फिल्म में अनन्या अभिनेता कार्तिक आर्यन और भूमि पेडनेकर के साथ लीड रोल में थी। फिल्म में उनके द्वारा निभाए गए तपस्या सिंह के किरदार को हर किसी ने काफी पसंद किया। अनन्या की यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल रही। इसके बाद साल 2020 में उन्हें दिवंगत अभिनेता इरफान खान की फिल्म 'अंग्रेजी मीडियम' के एक गाने में स्पेशल अपीरियंस में देखा गया। अनन्या पांडेय फिल्म 'खाली पीली' में पहली बार एक्शन करती नजर आईं थी। इस फिल्म में उनके अपोजिट अभिनेता ईशान खट्टर थे। वहीं फिल्म गहराइयां में वह बोल्ड अवतार में नजर आईं। फिल्मों के अलावा अनन्या कई विज्ञापनों और मैग्जीन कवर पर भी नजर आती हैं। सोशल मीडिया पर भी वह काफी सक्रिय रहती हैं और सोशल मीडिया पर उनके फैन फॉलोइंग लाखों में हैं।अनन्या पांडे जल्द ही आयुष्मान खुराना के साथ फिल्म ड्रीम गर्ल 2 में अभिनय करती नजर आयेंगी।

आलिया ने अपना सबसे यादगार पल किया सांझा

आलिया भट्ट ने शिवा से रणबीर के साथ अपना सबसे यादगार पल किया सांझा किया। ब्रह्मास्त्र भाग वनःशिवा के विशिष्ट दृष्टि पहलू के बारे में बताते हुए आलिया भट्ट ने कहा, "जब अयान ने पहली बार ब्रह्मास्त्र के लिए अपना दृष्टिकोण साझा किया, तो मुझे कही न कही पता था कि यह परियोजना भारतीय सिनेमा को देखने और अनुभव करने के हमारे तरीके को बदल देगी। फिल्म की महत्वाकांक्षा और पैमाना अनसुना था और बहुत ताजा महसूस हुआ। मुझे तुरंत पता चल गया था कि मैं इसका हिस्सा बनना चाहती हूं। लेकिन इससे भी अहम बात यह है कि दुनिया भर के भारतीयों को जिस चीज पर गर्व हो, उसका हिस्सा बनें।" रणबीर कपूर के साथ अपने पसंदीदा सीक्वेंस के बारे में आगे बताते हुए, आलिया भट्ट ने कहा, "किसी एक को चुनना बहुत मुश्किल है, लेकिन मुझे लगता है कि वाराणसी के खूबसूरत शहर में 'केसरिया' की शूटिंग, फिल्म से मेरी सबसे प्यारी और सबसे यादगार यादों में से एक होगी।"

बिग बॉस 16' में बॉलीवुड कैटरीना, सिद्धांत-ईशान आएंगे नजर

मुंबई (ईएमएस)। बॉलीवुड अदाकारा कैटरीना कैफ, और अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी और ईशान खट्टर इन दिनों अपनी फिल्म फोन भूत के प्रमोशन में बिजी हैं। तीनों अलग अलग अंदाज में इस फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच उत्साह बढ़ा रहे हैं। जल्द ही यह तीनों बिग बॉस 16' में नजर आएंगे। ये तीनों घर के सदस्यों से मिलेंगे और अपनी फिल्म के बारे में बताएंगे। हाल ही शो की शूटिंग के लिए सिद्धांत और ईशान बाइक पर 'बिग बॉस' सेट पहुंचे। बिग बॉस 16 आम लोगों के बीच काफी लोकप्रिय है। ऐसे में फिल्मी सितारे यहां अपनी फिल्मों को प्रमोट करने में रुचि रखते हैं। इसके अलावा कैटरीना और सलमान की बॉन्डिंग की काफी अच्छी है। ऐसे में फोन भूत की टीम को खास तौर पर बिग बॉस पर प्रमोशन के लिए बुलाया गया है।

अभिनेत्री अनुष्का शर्मा ने सियालदह स्टेशन पर की चाकदह एक्सप्रेस की शूटिंग

कोलकाता, (हि.स.)। शुक्रवार को बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री अनुष्का शर्मा ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान झूलन गोस्वामी की जीवनी पर बनने वाली बायोपिक चाकदह एक्सप्रेस फिल्म की शूटिंग सियालदह रेलवे स्टेशन पर की। बताया गया है कि बायोपिक चाकदह एक्सप्रेस फिल्म की शूटिंग के लिए पूर्व में ही रेलवे से विशेष अनुमति ली गयी थी। शूटिंग में अव्यवस्था से बचने के लिए रेलवे राजकीय पुलिस एवं रेलवे सुरक्षा बल के तरफ से विशेष सुरक्षा प्रबंध किए गए थे। इसके बावजूद बॉलीवुड अभिनेत्री अनुष्का शर्मा के सियालदह स्टेशन पर मौजूद होने की भनक लोगों को लग गई। इसके बाद अभिनेत्री की एक झलक पाने के लिए लोग बेताब हो गए और अफरा-तफरी मच गई। रेलवे पुलिस की कड़ी व्यवस्था के कारण प्रशंसकों के मनसूबों पर पानी फिर गया। सूत्रों के अनुसार रेलवे ने उक्त फिल्म शूटिंग के लिए सुबह पांच बजे से शाम पांच बजे तक सियालदह स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर छह पर चली। शनिवार को भी उक्त फिल्म की शूटिंग सियालदह स्टेशन पर होना हैं। उल्लेखनीय है कि चाकदह एक्सप्रेस एक बॉलीवुड बॉयोपिक और स्पोर्ट ड्रामा फिल्म है, जिसका निर्देशन प्रोसित रॉय कर रहे हैं। फिल्म में लीड रोल में अनुष्का शर्मा नजर आयेंगी। फिल्म चकदा एक्सप्रेस पूर्व भारतीय कप्तान झूलन गोस्वामी के जीवन प्रेरित है।

सूडोकु नवताल- 6236

सरल

5	9			3			8	7
8	7		1		5			
		2			9			4
	6				2		3	5
3	8		4	1	7		2	9
2	4		6				1	
7			3			8		
			5		8		7	3
9	3			2			6	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6235 का हल

7	4	8	3	9	2	1	5	6
2	6	9	5	7	1	8	4	3
3	1	5	4	8	6	7	2	9
5	7	4	8	6	9	3	1	2
8	9	1	2	3	4	6	7	5
6	3	2	1	5	7	4	9	8
4	8	7	6	2	5	9	3	1
9	2	6	7	1	3	5	8	4
1	5	3	9	4	8	2	6	7

शब्दजाल - 6983

श	रा	ज	मी	दा	र	तू	ग	झ	क	कि
सू	ल	दा	ह	रिं	लै	ता	दि	शा	को	रा
बे	पु	वे	मु	दा	ल	सिं	बे	ला	ल	ये
दा	दा	दा	धा	हा	क	प	हा	दा	र	दा
र	श	र	ष	उ	व	री	ग	स	र	र
रं	रि	प	व	दा	त	रे	ती	प	न	ती
गा	ल	ख	अं	र	म	प	दा	ला	व	क
बा	जी	वा	री	क	छ	सौ	न	र	जू	क
स	थो	तें	व	द	ज	दा	ने	दा	र	द
र	ल	प	ति	रं	दा	ऐ	बें	न	रु	थो
कां	टे	दा	र	ग	कु	र	जा	एं	प	क

शब्द जाल में ऐसे 10 शब्द ढूंढिए जिनके पीछे दार शब्द लगा हो. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

जमीदार, सूबेदार, दावेदार, दानेदार, उदार, खरीददार, किरायेदार, कांटेदार, मुहावरेदार, ताबेदार

शब्दजाल - 6982 का हल

या	ज	गा	र	ग	ब	ज	क	प	ल	क
दें	वा	ज	क	या	ज	का	मौ	स	जे	इ
क	ह	या	य	र्म	छ	स	या	ता	य	क
क	र	ल	र	दे	वी	स	न	ल	श	क
ज	इ	ल	म	सं	व	ज	श	र	ला	ल
क	ज	दा	ई	र	ब	ज	फ	लो	श	ज
क	ज	चे	दा	ई	क	स	री	ग	प	न
द	र	मी	प	व	ज	ना	र्द	न	ज	स
क	ज	ल	ज	न	व	री	ऐ	ना	प	हो
क	मी	ल	प	द	या	स	मा	ज	स	य
का	न	चे	व्न	ई	क	ज	री	ग	प	ग

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग-5936

5	6		4	1		3
	35	3	31		27	
4		7			5	2
	31	6	40		30	
2	3			4	1	6
	27	4	37		35	
	5	1			2	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 5935 का हल

4	3	1	5	2	7	6
1	24	4	29	6	34	2
5	4	2	6	3	1	7
2	33	6	38	7	28	3
6	5	3	7	4	2	1
7	38	5	36	5	28	4
3	2	7	4	1	6	5

Jagrutidaur.com, Bangalore

सात्विक-चिराग की जोड़ी का कमाल, टॉप सीड तकूरो-युगो को हराया, सेमीफाइनल में पहुंचे

पेरिस ।

फ्रेंच ओपन में पुरुष युगल क्वार्टर फाइनल मैच में चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी ने कमाल का प्रदर्शन किया। भारतीय जोड़ी ने पूर्व विश्व चैंपियन जापान के ताकुरो होकी और यूगो कोबायाशी को हराकर फ्रेंच ओपन 2022 बीडब्ल्यूएफ सुपर 750 बैडमिंटन प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में जगह बनाई। इसके साथ ही टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती बनी हुई है। दसवीं वरीयता प्राप्त चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रैंकीरेड्डी ने शीर्ष वरीयता प्राप्त जापानी खिलाड़ियों ताकुरो होकी और यूगो कोबायाशी को 49 मिनट में 23-21, 21-18 से हराया। जापान की यह जोड़ी 2021 में पुरुष युगल में विश्व चैंपियन बनी थी। सेमीफाइनल मुकाबले में भारतीय जोड़ी का सामना दक्षिण कोरिया के चोई सोल ग्यु और किम वोन हो से होगा। चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी ने इस महीने की शुरुआत में जापानी जोड़ी को विश्व चैंपियनशिप से बाहर कर कांस्य पदक जीता था। इस मैच में भी भारतीय जोड़ी ने मजबूत शुरुआत की और जल्दी से 20-16 की बढ़त बना ली। फिर भी, ताकुरो होकी और यूगो कोबायाशी ने चार गेम अंक बचाकर स्कोर को 20 पर बराबर कर दिया। हालांकि, 2022 राष्ट्रमंडल खेलों की चैंपियन भारतीय टीम ने संयम बनाए रखा और पहला गेम अपने नाम किया। दूसरा गेम भी उतना ही रोमांचक रहा। दुनिया की नंबर एक पुरुष जोड़ी ताकुरो होकी और यूगो कोबायाशी ने 18-16 की बढ़त बनाई, लेकिन भारतीय खिलाड़ियों ने लगातार पांच अंक लेकर मैच अपने नाम कर लिया। चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी ने जापानी जोड़ी के खिलाफ चार मैच खेले हैं और तीन में जीत हासिल की है। इससे पहले किदांबी श्रीकांत फ्रेंच ओपन 2022 बीडब्ल्यूएफ सुपर 750 प्रतियोगिता के दूसरे दौर में डेनमार्क के राससमस गेमके के खिलाफ बढ़त बनाकर पुरुष एकल मैच हार गए थे। बैडमिंटन में इस समय 11वें स्थान पर काबिज पूर्व विश्व नंबर एक किदांबी श्रीकांत एक घंटे पंद्रह मिनट में 21-19, 12-21 और 19-21 से मैच हार गए, समीर वर्मा टोक्यो 2020 के कांस्य पदक विजेता एंथनी सिनिसुका गिनटिंग पर जीत के बाद थाईलैंड के कुनलावुत विटिडसर्न से 21-18, 21-11 से हार गए।

न्यूज ब्रीफ

महिला रेफरी से लेकर ऑफसाइड की नई तकनीक तक, फीफा विश्व कप में पहली बार होंगी ये चीजें

दोहा । फीफा विश्व 2022 की शुरुआत नवंबर के महीने में हो रही है। कतर में आयोजित होने वाले विश्व कप की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं और सभी टीमें भी अपनी तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटी हुई हैं। यह पहला मौका है, जब किसी अरब देश में इस टूर्नामेंट का आयोजन हो रहा है। इस बार कई चीजें ऐसी हैं, जो फीफा विश्व कप के इतिहास में पहले नहीं हुई हैं। यहां हम इसी बारे में बता रहे हैं। कतर में फीफा विश्व कप 2022 में विश्व कप में पहली बार सेमी-ऑटोमेटेड ऑफसाइड तकनीक का उपयोग किया जाएगा। इस पर फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने कहा, सेमीऑटोमेटेड ऑफसाइड तकनीक दुनिया भर में लागू किए गए वीएआर सिस्टम का एक विकास है। सेमी-ऑटोमेटेड ऑफसाइड टेक्नोलॉजी और कनेक्टेड बॉल टेक्नोलॉजी के वर्कफ्लो का कई इवेंट्स में सफलतापूर्वक ट्रायल किया गया है और फीफा अरब कप 2021 और फीफा क्लब वर्ल्ड कप 2021 सहित फीफा टूर्नामेंट में लाइव किया गया है। इन मैचों के दौरान, नई तकनीक को कम समय में अधिक सटीक निर्णय लेने में मददगार पाया गया। कोरोना महामारी आने के बाद हर टीम को तीन की बजाय पांच खिलाड़ी बदलने की अनुमति दी गई थी। फीफा विश्व कप में भी यह नियम लागू रहेगा। इंटरनेशनल फुटबॉल एसोसिएशन बोर्ड ने जून में इस फैसले की घोषणा की थी। क्लब फुटबॉल में इस नियम का जमकर उपयोग किया गया और सभी टीमों के लिए यह उपयोगी साबित हुआ। विश्व कप के दौरान भी यह नियम टीम के कोच को नई रणनीति बनाने में मदद करेगा। अब तक हर टीम में कुल 23 खिलाड़ी होते थे, लेकिन कोरोना महामारी के बाद यह संख्या बढ़कर 26 हो गई।

एमएस धोनी का मंत्र बदल देगा ऋषभ पंत और हार्दिक पंड्या का करियर, बैट तोप की तरह बरसाएगा रन!

नई दिल्ली। टी-20 फॉर्मेट बेहद तेजी से बदला है। बल्लेबाजों का अप्रोच बदला है तो तकनीकी आधार पर भी काफी बदलाव देखने को मिले हैं। गेंद को बाउंड्री से बाहर भेजने के लिए बल्लेबाज हर संभव कोशिश कर रहा है। टी-20 वर्ल्ड कप में पावर हिटिंग के लिए सबसे बड़े फिनिशर माने जाने वाले महेंद्र सिंह धोनी ने ऋषभ पंत और हार्दिक पंड्या के लिए एक अहम सुझाव दिया है। अगर इस सुझाव पर दोनों बल्लेबाज अमल करें तो उनका बल्ला भी धोनी के बल्ले की तरह रन बरसाएगा। टी20 गेम क्रिकेट के तरीके और रणनीतियों को विकसित कर रहा है और बल्ले का आकार इस आधुनिक खेल के लिए काफी प्रभावी पहलू भी है। जिन्होंने 2019 विश्व कप से पहले इस तरह के बल्ले का इस्तेमाल करना शुरू किया था। अब इन भारतीय खिलाड़ियों ने इस तरह का बल्ला मांगना शुरू कर दिया है। माना जा रहा है कि हार्दिक पंड्या और ऋषभ पंत के मेंटॉर माने जाने वाले महेंद्र सिंह धोनी ने ही उन्हें कर्व वाले बल्लों का इस्तेमाल करने का सुझाव दिया है। हार्दिक पंड्या आईपीएल 2021 के दौरान पहली गेंद से हिट करने के लिए संघर्ष कर रहे थे और आईपीएल 2022 से पहले चार महीने की अवधि के लिए भारतीय टीम से बाहर भी थे।

92 साल पहले शुरू हुआ था वर्ल्ड कप, ब्राजील सबसे ज्यादा बार जीता

नई दिल्ली । कतर में 20 नवंबर से 18 दिसंबर तक 22वां फुटबॉल वर्ल्ड कप खेला जाएगा। दुनिया की 32 टीमें इस दौरान ट्रॉफी के लिए मैदान पर उतरेंगी। टूर्नामेंट की शुरुआत 92 साल पहले 1930 में हुई थी। अब तक ब्राजील ने सबसे ज्यादा पांच बार इस खिताब को अपने नाम किया है, लेकिन वह 20 साल से ट्रॉफी नहीं उठा पाया है। ब्राजील पिछली बार 2002 में चैंपियन बना था। उससे पहले उसने 1958, 1962, 1970 और 1994 में खिताब अपने नाम किया था। ब्राजील के बाद जर्मनी और इटली चार बार चैंपियन बनी है। उसने 1954, 1974*, 1990 और 2014 में खिताब जीतने में सफलता हासिल की थी। इटली की बात करें तो वह 1934*, 1938, 1982 और 2006 में चैंपियन बनी थी। अर्जेंटीना, फ्रांस और उरुग्वे की टीम दो-दो बार खिताब जीती है। इंग्लैंड और स्पेन को एक-बार ट्रॉफी उठाने का मौका मिला है। नीदरलैंड, हंगरी, चेक गणराज्य, स्वीडन और क्रोएशिया की टीम फाइनल में पहुंचने के बाद भी चैंपियन नहीं बनी। पिछली बार 2018 में यह टूर्नामेंट रूस में खेला गया था। वहां फ्रांस ने फाइनल मैच में क्रोएशिया को हराया था।

न्यूजीलैंड ने श्रीलंका को 65 रन से हराया

ग्लेन फिलिप्स ने खेली 104 रन की धमाकेदार पारी, बोल्ट ने झटके 4 विकेट

नई दिल्ली।

टी-20 वर्ल्ड कप में न्यूजीलैंड ने श्रीलंका को 65 रन से हरा दिया है। कीवी कप्तान केन विलियमसन ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया और 20 ओवर में उनकी टीम ने 6 विकेट खोकर 167 रन बनाए। ग्लेन फिलिप्स ने सबसे ज्यादा 64 बॉल में 104 रन की पारी खेली।

इस दौरान उन्होंने 10 चौके और 4 छक्के लगाए। उनका स्ट्राइक रेट 162.50 का रहा। ये इस वर्ल्ड कप की दूसरी सेंचुरी है। पहला शतक साउथ अफ्रीका के राइली रूसो ने बांग्लादेश के खिलाफ बनाया था। श्रीलंका के लिए सबसे ज्यादा 2 विकेट कसून रजिथा ने लिए। वहीं, महेश तीक्षणा, धनंजय डी सिल्वा, हसरंगा और लाहिरु कुमारा को एक-एक सफलता मिली।

जवाब में श्रीलंका की टीम 19.2 ओवर में 102 रन बनाकर ही ऑलआउट हो गई। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 4 विकेट झटके। वहीं, मिचेल सैंटनर ने 2 विकेट लिए। टिम साउदी, ईश सोढ़ी और लॉकी फर्ग्युसन ने 1-1 विकेट अपने नाम किया।

इस जीत के साथ न्यूजीलैंड के 5 अंक हो गए हैं और वह अपने ग्रुप में नंबर-1 पर है। वहीं, श्रीलंका की टीम के सिर्फ 2 अंक है और वे लगभग सेमीफाइनल की रेस से बाहर हो गई है।

महेश तीक्षणा ने न्यूजीलैंड को पहला झटका दिया। उनकी अंदर आती हुई बॉल को फिन एलन समझ नहीं पाए। वह लेग स्टंप से बाहर हटकर बैकफुट से बॉल को कट करना चाहते थे, लेकिन चकमा खा गए। ऑफ स्टंप पर बॉल लगी और उन्हें पवेलियन लौटना पड़ा। एलन ने 3 बॉल का सामना किया और 1 रन बनाए।

धनंजय डी सिल्वा ने न्यूजीलैंड के दूसरे ओपनर डेवोन कॉनवे को आउट किया। राउंड द विकेट से उन्होंने लेंथ गेंद ऑफ स्टंप के पास डाली, कॉनवे एक्स्ट्रा कवर के ऊपर से बड़ा शॉट लगाना चाहते थे,

लेकिन गेंद थोड़ी रुक कर आई और कॉनवे बोल्ड हो गए।

कप्तान केन विलियमसन का फ्लॉप फॉर्म जारी है। उन्हें कसून रजिथा ने आउट स्विंग से अपना शिकार बनाया। विलियमसन गेंद को कवर की तरफ ड्राइव लगाना चाहते थे, लेकिन स्विंग से चकमा खा गए। उन्होंने 13 बॉल में 8 रन बनाए।

15वें ओवर की तीसरी बॉल पर वानिंदु हसरंगा ने डेरिल मिचेल को बोल्ड किया। हसरंगा की लेंथ गेंद पर मिचेल बड़ा शॉट खेलना चाहते थे। गेंद पड़कर अंदर आई और लेग स्टंप पर जा लगी। मिचेल ने 24 बॉल में 22 रन बनाए।

दोनों टीमों की प्लेइंग इलेवन

न्यूजीलैंड: डेवोन कॉनवे, फिन एडुलन, केन विलियमसन (कप्तान), ग्लेन फिलिप्स, जेम्स नीशम, डेरिल मिचेल, मिचेल सैंटनर, ईश सोढ़ी, टिम साउदी, लॉकी फर्ग्युसन और ट्रेंट बोल्ट।

श्रीलंका: पथुम निसानका, कुसल मेंडिस (विकेटकीपर), धनंजय डी सिल्वा, चरित असलंका, भानुका राजपक्षे, दासुन शनाका (कप्तान), वानिंदु हसरंगा, चमिका करुणारत्ने, लाहिरु कुमारा, महेश तीक्षणा और कसून रजिथा।

मेसी की अर्जेंटीना बनेगी चैंपियन फाइनल में रोनाल्डो को देगी मात सुपर कंप्यूटर की भविष्यवाणी

लंदन ।

कतर में 20 नवंबर से फुटबॉल वर्ल्ड कप शुरू होने वाला है। 18 दिसंबर तक चलने वाले इस टूर्नामेंट में 32 टीमें हिस्सा ले रही हैं। 1930 में शुरू हुए टूर्नामेंट का यह 22वां संस्करण होगा। दुनिया के दो दिग्गज फुटबॉलर अर्जेंटीना के लियोनल मेसी और पुर्तगाल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो का संभवत: यह आखिरी वर्ल्ड कप होगा। दोनों अब तक एक बार भी अपनी टीम को चैंपियन नहीं बना सके हैं। इस बार दोनों के ऊपर सबकी नजरें होंगी। टूर्नामेंट शुरू होने से 24 दिन पहले वर्ल्ड कप के सुपर-कंप्यूटर ने एक बड़ी भविष्यवाणी की है। उसके मुताबिक, इस बार का फाइनल मुकाबला लियोनल मेसी की कप्तानी वाली अर्जेंटीना और क्रिस्टियानो रोनाल्डो की कप्तानी वाली पुर्तगाल के बीच होगा। इस महामुकाबले में अर्जेंटीना की टीम पुर्तगाल को हराकर चैंपियन बनेगी। मेसी अपने करियर के आखिरी वर्ल्ड कप में पहली बार चैंपियन बनेंगे। बीसीए रिसर्च ने सुपर-कंप्यूटर के जरिए यह प्रयोग किया है। उपलब्ध डाटा के आधार पर सुपर-कंप्यूटर ने अर्जेंटीना के जीतने की भविष्यवाणी की है। अगर यह सही साबित होता है तो रोनाल्डो अपने चिर-प्रतिद्वंद्वी मेसी के खिलाफ खिताबी मुकाबले में हार जाएंगे। पुर्तगाल कभी भी वर्ल्ड कप फाइनल में नहीं पहुंचा है, लेकिन भविष्यवाणी के मुताबिक इस बार मैनेजर फर्नांडो सैंतोस की टीम यह उपलब्धि हासिल कर लेगी। सुपर-कंप्यूटर के मुताबिक, इंग्लैंड की टीम एक बार फिर से सेमीफाइनल में पहुंचेगी। इस बार इंग्लैंड को पेनल्टी शूटआउट में पुर्तगाल के हाथों हार का सामना करना पड़ेगा। पिछली बार उसे क्रोएशिया ने हरा दिया था। बता दें कि 2006 में पुर्तगाल ने इंग्लैंड को क्वार्टरफाइनल में पेनल्टी शूटआउट में ही हराया था। भविष्यवाणी के अनुसार, इंग्लैड की टीम ग्रुप-बी में ईरान, वेल्स और अमेरिका को पछाड़कर शीर्ष पर रहेगी। उसके ईरान के खिलाफ पहले मैच को जीतने की संभावना 84 फीसदी है। वहीं, अमेरिका के खिलाफ यह आंकड़ा 54 फीसदी और वेल्स के खिलाफ 77 फीसदी है। इंग्लैंड की टीम प्री-क्वार्टरफाइनल में सेनेगल और क्वार्टरफाइनल में मैक्सिको से भिड़ेगी।

13 साल बाद टूटी टॉम ब्रैडी और गिसेले बुंडचेन की जोड़ी, तलाक का किया फैसला

न्यूयॉर्क ।

अमेरिकी फुटबॉल के मशहूर खिलाड़ी टॉम ब्रैडी और सुपरमॉडल गिसेले बुंडचेन ने अलग-अलग होने का फैसला कर लिया है। शादी के 13 साल से अधिक समय के बाद दोनों ने तलाक की घोषणा की है। टॉम ब्रैडी नेशनल फुटबॉल लीग (एनएफएल) में टैंपा बे बकनियर्स की ओर से खेलते हैं। वह टीम में क्वार्टरबैक की भूमिका निभाते हैं।

ब्रैडी के लंबे खेल करियर और उनके रिश्ते पर इसके प्रभाव के बारे में पिछले कुछ महीनों से मीडिया में खबरें छप रही थीं। यह कहा जा रहा था कि दोनों जल्द ही अलग हो जाएंगे। अब इस खबर पर मुहर लग गई है। ब्रैडी ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट करके तलाक के बारे में बता दिया। उन्होंने लिखा, हम इस निर्णय पर सौहार्दपूर्ण ढंग से पहुंचे हैं। हमने साथ में बिताए पलों को भी याद किया।

ब्रैडी ने आगे कहा, हम बहुत सोच-विचार के बाद अपनी शादी को खत्म करने के इस फैसले पर पहुंचे हैं। ऐसा करना निश्चित रूप से दर्दनाक और मुश्किल है, जैसे कि दुनिया भर में हर दिन एक ही चीज से गुजरने वाले कई लोगों के लिए है। हालांकि, हम एक-दूसरे के लिए भविष्य में अच्छा चाहते हैं।

वहीं, गिसेले बुंडचेन ने इंस्टाग्राम पर लिखा, शादी खत्म करने का फैसला कभी आसान नहीं होता, लेकिन हम अलग हो गए हैं। इस तरह के समय से गुजरना

काफी मुश्किल है। मैं उस समय के लिए धन्य महसूस करती हूं जब हम साथ थे। मैं टॉम को आगे के लिए शुभकामनाएं देती हूं।

ब्रैडी 20 से अधिक सालों से एक पेशेवर फुटबॉल खिलाड़ी हैं। ब्रैडी के आउट ऑफ फॉर्म होने के कारण उनकी टीम टैंपा बे बकनियर्स को सीजन के शुरुआती मैचों संघर्ष करना पड़ा। ब्रैडी की टीम 2002 के बाद पहली बार लगातार तीन मैच हारी है। बाल्टीमोर रेवेन्स ने बकनियर्स को 5-3 से हरा दिया।

गिसेले बुंडचेन ने पहले यह स्पष्ट कर दिया था कि वह चाहती हैं कि ब्रैडी संन्यास ले लें, ताकि दोनों साथ में अधिक समय बिता सके। 2019 सीजन के बाद ब्रैडी ने संन्यास की घोषणा की, लेकिन फिर बाद में अपना फैसला बदल लिया। वह 2020 सीजन में बकनियर्स की टीम में शामिल हुए और टीम को सुपर बाउल्स जिताया।

अखिल भारतीय टेबल टेनिस प्रतियोगिता में 17 जोन के 150 खिलाड़ी प्रयागराज में जुटेंगे, सुतीथी मुखर्जी भी खेलेंगी

प्रयागराज।

प्रयागराज बड़ी खेल प्रतियोगिता की गवाह बनेगी। इस बार अखिल भारतीय स्तर की टेबल टेनिस प्रतियोगिता के आयोजन की रूपरेखा तय कर ली गई है। यह प्रतियोगिता रेलवे की ओर से आयोजित होगी। प्रतियोगिता का आयोजन एक नवंबर से शुरू होगी। चार नवंबर को समापन होगा। इसके लिए तैयारियां शुरू कर दी गई हैं और खिलाड़ियों को उनका शेड्यूल भेजा जा रहा है। सूबेदारगंज रेलवे स्टेडियम में होंगे मैच : 68 वीं अखिल भारतीय रेलवे टेबल टेनिस चैंपियनशिप का आयोजन एक नवंबर से चार नवंबर तक होगा। यह प्रतियोगिता सूबेदारगंज स्थित रेलवे स्टेडियम में आयोजित होगी। आयोजन के लिए रेलवे खेल समित ने बैठक कर अब तक की तैयारियों की समीक्षा की और सभी सचिवों को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं।

17 जोन के खिलाड़ी लेंगे हिस्सा: अखिल भारतीय रेलवे टेबल टेनिस चैंपियनशिप में रेलवे में कार्यरत खिलाड़ी ही हिस्सा लेंगे। इस समय 18 रेलवे जोन हैं।

जिनमें से 17 रेलवे जोन को इस प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए आमंत्रण पत्र भेज दिया गया है। जिन जोनों में टेबल टेनिस टीम नहीं है, वहां व्यक्तिगत स्पर्धा में खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। हालांकि कुछ ऐसे भी जोन संभावित हैं, जिनसे कोई भी खिलाड़ी हिस्सा न लें। प्राथमिक चरण में 150 टेबल टेनिस खिलाड़ियों के प्रतियोगिता में हिस्सा लेने की संभावना है।

एनसीआर के पांच खिलाड़ी : उत्तर मध्य रेलवे (एनसीआर) में इस समय पांच टेबल टेनिस खिलाड़ी हैं। यह सभी इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे। होम ग्राउंड पर खेलने से उनको फायदा मिलने की उम्मीद है। संभावना है कि एनसीआर पदक भी जीतने में सफल रहेंगे। हालांकि एनसीआर के पास महिला टीम नहीं है, ऐसे में इस श्रेणी में पदक की कोई संभावना नहीं होगी।

भारतीय ने किया जिम्बाब्वे का कायापलट

लालचंद राजपूत ने टीम में जान फूंकी, अब सेमीफाइनल पर नजर

पर्थ।

क्वालिफायर से सुपर-12 में प्रवेश पाने वाली जिम्बाब्वे ने ऑस्ट्रेलिया में चल रहे टी-20 वर्ल्ड कप में सबसे बड़ा उलटफेर किया है। उसने 2009 की वर्ल्ड चैंपियन पाकिस्तान को एक रन से हराया। जिम्बाब्वे की इस जीत में सबसे बड़ा हाथ पूर्व भारतीय कोच लालचंद राजपूत का है। 2007 में भारत को वर्ल्ड चैंपियन बनाने वाले राजपूत ने ही थकी-हारी जिम्बाब्वे टीम में नई जान फूंकी है। 4 साल पहले यह टीम 2019 के वनडे वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई भी नहीं कर सकी थी। राजपूत 2018 में जिम्बाब्वे टीम के हेड कोच बने थे। एक जमाने में दमदार टीम बनती जा रही जिम्बाब्वे अचानक रसातल में कैसे चली गई और एक भारतीय की मदद से यह फिर से पुराने रुतबे को कैसे हासिल करने में जुटी है।

सबसे पहले वो चौकाने वाली जीत - पर्थ का मैदान...पाक-जिम्बाब्वे के लाखों दर्शक अपनी-अपनी पसंदीदा टीम को चियर कर रहे थे। इस मुकाबले के रिजल्ट ने क्रिकेट जगत को चौंका दिया। 27 अक्टूबर को खेले इस मुकाबले में जिम्बाब्वे ने पाकिस्तान को एक रन से शिकस्त दी। उसने पहले खेलते हुए 20 ओवर में 8 विकेट पर 130 रन बनाए। जवाब में पाक बल्लेबाज 8 विकेट पर 129 रन ही बना सके। इस हार के साथ पाकिस्तान सेमीफाइनल की होड़ से करीब-करीब बाहर हो गया है।

लालचंद राजपूत ने किया टीम का कायापलट - जिम्बाब्वे की टीम के कायापलट में पूर्व भारतीय कोच लालचंद राजपूत का हाथ है। ये वही कोच हैं जिन्होंने टीम इंडिया को 2007

में वर्ल्ड चैंपियन बनाया था। राजपूत 2018 में जिम्बाब्वे की टीम के कोच बने थे। तब टीम औसत से भी कम थी। अपनी टीम की जीत पर राजपूत कहते हैं कि टीम अब अच्छी बन गई है। जब मैं जुड़ा था तब टीम काफी कमजोर थी और प्रदर्शन निराशाजनक था। हम (2019) वर्ल्ड कप के लिए भी क्वालिफाई भी नहीं कर पाए थे। फिर हमने काफी मेहनत की। टीम में युवा खिलाड़ी आए हैं और सीनियर खिलाड़ी भी मौजूद हैं। तो दोनों का मिश्रण काफी अच्छा है। हमारी गेंदबाजी अच्छी हो गई है और हमने फील्डिंग पर भी काम किया है। पाकिस्तान के खिलाफ आपने देखा कि हमारी फील्डिंग और बालिंग कितनी शानदार थी और इसकी वजह से ही हमने मैच जीता। राजपूत ने कहा- भारतीय टीम के साथ उस वक्त काम करने का अनुभव काम तो आया ही है। हमने टीम के खिलाड़ियों को उसी तरह से तैयार किया, लेकिन मैदान पर खिलाड़ियों को अपना सौ प्रतिशत देना होता है। हम लोग टीम को मानसिक तौर पर बेहतर बना सकते हैं और विपक्षी टीम के खिलाफ प्लानिंग बना सकते हैं, जिससे टीम को मदद मिलती है।

एंडी फ्लावर-ग्रांट फ्लावर जैसे खिलाड़ी थे - 2003 वर्ल्ड कप से पहले तक टीम जिम्बाब्वे अच्छी मानी जाती थी। उसके पास एंडी फ्लावर, ग्रांट फ्लावर जैसे खिलाड़ी थी। पहले नील जॉनसन, मरे गुडविन, पॉल स्ट्रैंग, हेनरी ओलोंगा और हीथ स्ट्रीक भी टीम का हिस्सा रह चुके हैं। टीम ने कई अहम जीत भी हासिल की हैं। 1999 और 2003 के वनडे वर्ल्ड कप में टीम सुपर सिक्स में पहुंची थी। हालांकि, टीम कम रन रेट के कारण 1999 वर्ल्ड कप सेमीफाइनल में हिस्सा बनाते-बनाते रह गई थी।

लोक आस्था का महापर्व छठ प्रकृति से जुड़ने का एक उत्सव

एनजीटी यानी नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के रोक से अब दिल्ली में यमुना किनारे छठ पूजा नहीं हो सकेगी। एनजीटी के इस निर्णय की चर्चा देशभर में है। एनजीटी उसके अनुसार यमुना तट पर होने वाले छठ पूजा से पर्यावरण को नुकसान पहुंचता है। इससे नदियों की पारिस्थितिकी के समक्ष गंभीर संकट उठ खड़ा हुआ है। अब सवाल यह है कि क्या वाकई यमुना तट की छठ पूजा से दिल्ली का पर्यावरण दुष्प्रभावित हो रहा है। इस बात को समझने के लिए किसी भी तथाकथित पर्यावरणविद की आवश्यकता नहीं है। इसके लिए तो वही लोग पर्याप्त हैं जिन्होंने छठ पूजा को होते देखा है। छठ के इस पावन त्योहार में सजावट और पूजन सामग्री के तौर पर केले का पौधा, गन्ना, अक्षत चावल और मिट्टी के दिये भर लगते हैं। वहीं इस पूजा में घर के बने आटे और गुढ़ के पकवान, दूध और आसपास उपलब्ध मौसमी फल उपयोग में लाए जाते हैं। जबकि प्रसाद बांस के बने पात्रों में रखे और चढ़ाए जाते हैं। यह पर्व अब भी तड़क भड़क और बाजारवाद से दूर है। इस पूजा के दौरान जल में केवल अक्षत चावल, ताजे फूल और दूध छोड़े जाते हैं। वहीं पूजा बाद घाटों पर आपको सर्वत्र केले के रोपे पौधे दिखेंगे, जिसे श्रद्धालु नदी तालाब घाटों की सफाई के साथ लगाते हैं। लोक आस्था का महापर्व छठ प्रकृति से जुड़ने का एक उत्सव है। यह सिसकती संस्कृति और मिटते नदियों और तालाबों के लिए भी एक आस है। आपके शहर में छठ व्रती सांस्कृतिक अतिक्रमण और नदियों पर कब्जे की नियत से नहीं उमड़ते हैं। यह तो पलायन की मजबूरी और परंपराओं से जुड़ाव के नाते घाटों का रुख करते हैं। यहां लोग प्रदूषण फैलाने नहीं, बल्कि नदियों की सफाई और सनातन संस्कृति के चेतना जागरणार्थ आते हैं। यहां न तो प्लास्टिक और न ही किसी रसायन का कोई उपयोग होता है। यहां तक कि यह पूजा प्रदूषण के अन्य माध्यमों से भी मुक्त है। लोगबाग यहां श्रद्धा से खिंचे और भक्ति के रंग रंगे चले आते हैं। आखिर सामूहिकता में विश्वास सूर्य में श्रद्धा और गंगा यमुना तट पर आस्था को आप कैसे रोक सकते हैं? छठ एक ऐसा पर्व है जिसे बिना लोगों के सहयोग के संपन्न नहीं किया जा सकता। प्रसाद बनाने, अर्ध्य देने और छठ गीत गाने तक के लिए रिश्तेदार और परिचित लोग चाहिए। इस पर्व में छठ घाट तक प्रसाद से भरी टोकरी को सिर पर ढोकर लाने और ले जाने का विधान है। वहीं छठ गीतों में संयुक्त परिवार, गांव, प्रकृति और सार्थक सामाजिक संदेश होते हैं। बिखरते परिवार, उजड़ते गांव वाले दौर में भी छठ व्रती अपने लिए एक प्यारी बेटी और दूसरों के लिए सौभाग्य मांगते हैं। ऐसे सभी उपक्रम परिवार व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए हैं। इससे सामाजिक जुड़ाव और लगाव भी बढ़ता है। बात अगर इसकी प्राचीनता की करें तो इसका अतीत इसे वेदों से जोड़ता है। पुराणों में वर्णित राजा ऐल की कथा में सूर्योपासना है। वैसे इस पर्व की शुरुआत बिहार के मगध क्षेत्र से है। इस अनूठे पर्व में लोक भाषा में रचे गीतों के सहारे पूजा संपन्न की जाती है। जहां सूर्यदेव संग छह कृतिकाओं की पूजा होती है। इसलिए इस प्रकृति पूजा को सूर्यषष्ठी भी कहते हैं। वैसे इसका लोकप्रिय नाम छठ पूजा है। इसे जनप्रिय बनाने में सर्वाधिक योगदान यहां के एक विशेष वर्ग का है जिन्होंने वेदों के सूर्य स्तुति और मंत्रों को लोक काव्य में रचा। इनकी कई प्रमुख बस्तियां आज भी पुरातात्विक महत्व के सूर्यमंदिरों के आसपास है। बदलते दौर में अब छठ पूजा को लेकर नजरिया भी बदला है। पहले जहां श्रद्धालु अपने गांव लौटते थे तथा मिल-जुल कर नदी, पोखर के किनारों पर छठ पूजा करते थे, वहीं पुरबिया का यह पर्व वैश्विक हो चला है। बिहार, झारखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश और नेपाल के तराई क्षेत्र में प्रवासियों के साथ वहां तक पहुंचा यह पर्व अब सात समंदर पार तक मनाया जा रहा है। पुरबिया गिरमिटियों की संतानें अफ्रीका और न्यूजीलैंड के तटीय द्वीपों से कैरेबियन देशों तक इसे हर्षोल्लास के साथ मनाते हैं। शहर दर शहर की इस यात्रा में अब छठ पूजा मुंबई के समंदर किनारे जुहू चौपाटी से लेकर अहमदाबाद में साबरमती रिवरफ्रंट से लेकर लंदन के टेम्स किनारे तक मनाई जाती है। छठ पर्व ने समय के साथ दूसरे सांस्कृतिक समुदायों को भी आकर्षित किया है। इसका एक बड़ा कारण इसके सीधे सरल रिवाज और इसका गीत संगीत का होना भी है। सामाजिक संदेश वाहक ये गीत मिट्टी की महक लिए भक्तिभाव से भरे पूरे हैं। संभवत: इसलिए इन गीतों को गाने गुनगुनाने का लोभ लोग छोड़ नहीं पाते हैं। अभी पिछले वर्ष छठ पर्व पर एक विदेशी बाला का गाया गीत इंटरनेट पर काफी लोकप्रिय हुआ था। ठीक ऐसा ही एक गीत अप्रवासी भारतीयों द्वारा लंदन के टेम्स किनारे से गा कर लोकप्रिय किया गया था। बढ़ते पलायन के बीच नई जगह नए परिवेश में हो रहा छठ पूजा भी चर्चा में है। हालिया वर्षों के कई लोकप्रिय छठ गीत वीडियो इसी पर केंद्रित है। आखिर नए जगह नए लोगों के बीच इस उत्सव को कैसे मनाया जाए यह प्रयास अब आगे बढ़कर लोगों को प्रकृति पर्व से जोड़ने का एक उपक्रम भी बना है। बस आवश्यकता इसे लोकप्रिय बनाने की है। यह सूर्योपासक रहे जाति और समुदायों को सनातन धर्म और भारत वर्ष के पास लाने का एक माध्यम भी बन सकता है।

अमेरिका की क्रिस्टीन ने गाया...पटना के घटवा पर हमहूं अरघिया देबै...

वायरल हुआ छठ गीत

लोक आस्था का पर्व छठ का शुभारंभ नहाये-खाये के साथ शुक्रवार को हो गया है। चार दिनों तक चलने वाले महापर्व के दूसरे दिन शनिवार को छठ व्रतियों ने खरना का प्रसाद ग्रहण कर 36 घंटे का निर्जला उपवास का संकल्प लिया। अब रविवार की शाम पहला अर्घ्य दिया जाएगा। भगवान सूर्य को जल चढ़ाने के लिए व्रती गंगा घाट पर जुटेंगे। कुछ लोग घरों में बने प्रतीकात्मक तालाबों में अर्घ्य देंगे। छठ विदेशों में भी खूब मनाया जा रहा है। इंटरनेट मीडिया पर भी पर्व की शुभकामनाएं दी जा रही हैं। इस बीच अमेरिका में रहने वाली क्रिस्टीन का गाया छठ गीत खूब पसंद किया जा रहा है। क्रिस्टीन की आवाज में शारदा सिन्हा के गाए गाने को इंटरनेट पर साझा किया जा रहा है। बिहार की प्रसिद्ध लोक गायिका शारदा सिन्हा के गाए गीत को क्रिस्टीन ने भोजपुरी अंदाज में गाकर लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है। इसके साथ ही क्रिस्टीन ने भोजपुरी लहजे में छठ की शुभकामनाएं भी दी हैं। वीडियो में क्रिस्टीन गा रही हैं...पटना के घटवा पर हमहूं अरघिया देबै हे छठी मैया, हम न जाइब दूसर घाट हे छठी मैया....। क्रिस्टीन ने छठ गीत गाने से पूर्व इंटरनेट मीडिया पर एक वीडियो साझा करते हुए अपना परिचय दिया है। उन्होंने बताया कि मेरा एक बिहारी दोस्त है। उसने छठ गीत सीखने के लिए उन्हें प्रेरित किया था। क्रिस्टीन बता रही हैं कि दोस्त के कहने पर उन्होंने गीत गाना आरंभ किया। वीडियो साझा करते हुए क्रिस्टीन ने कहा कि अगर गीत को गाने में गलती होगी तो मुझे माफ करेंगे। क्रिस्टन ने कहा कि अगले वर्ष और भी नए गाने को बेहतर ढंग से गाकर लोगों को छठ पर्व की शुभकाना दूंगी।

छठ पूजा : सूर्य की बहन के साथ पूजी जाती हैं दोनों पत्नियां भी

सूर्य षष्ठी सिर्फ भगवान भास्कर की ही आराधना का पर्व नहीं है। चार दिवसीय पर्व में भगवान भास्कर की बहन देवसेना, जिन्हें छठी मईया के नाम से जाना जाता है, के साथ उनकी दोनों पत्नियों की भी आराधना की जाती है। यह एकमात्र लोक पर्व है जिसमें बेटियों के कल्याण के लिए देवसेना, उषा और प्रत्यूषा को भी प्रसन्न करने के सुयत्न किए जाते हैं। छठ लोकपर्व को सनातन संस्कृति में विशेष स्थान प्राप्त है। सूर्य ऐसे देवता हैं जिन्हें प्रत्यक्ष देखा जाता है। सूर्य की शक्तियों का मुख्य स्रोत उनकी पत्नी ऊषा और प्रत्यूषा हैं। छठ में सूर्य के साथ-साथ दोनों शक्तियों की संयुक्त आराधना होती है। प्रातकाल में सूर्य की पहली किरण (ऊषा) और सायंकाल में सूर्य की अंतिम किरण (प्रत्यूषा) को अर्घ्य देकर नमकन किया जाता है। छठ में परवैतिन करती हैं तप छठ व्रत एक तपस्या है। यह व्रत रखने वाली महिलाओं को परवैतिन कहा जाता है। चार दिनों के इस व्रत में व्रती को लगातार उपवास करना होता है। इस उत्सव में शामिल होने वाले लोग नए कपड़े पहनते हैं। व्रती को ऐसे कपड़े पहनने अनिवार्य हैं जिनमें सिलाई न की गई हो।

भागलपुर की मुस्लिम महिलाओं ने तोड़ दी मजहबी दीवार

भागलपुर की मुस्लिम महिलाएं लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा के लिए हिंदू धर्म के रक्षा कवच (बद्धी) का निर्माण करती हैं, उनका ये काम उनका पुश्तैनी है। बद्धी निर्माण करने वाली इन महिलाओं के घर में एक महीने पहले से ही मांस और लहसुन प्याज खाना वर्जित हो जाता है। वे पूरी तरह मांसाहार को त्याग देती हैं। स्वच्छता के साथ-साथ बद्धी का निर्माण इन्हीं महिलाओं के द्वारा किया जाता है। आगे बढ़ने से पहले बद्धी के बारे में जानना भी जरूरी हो जाता है। सूत की माला जिसे बद्धि कहा जाता है, ये माला या सिकड़ी के आकार का चार लड़ियों वाला एक गहना होता है। इसकी दो लड़ें तो गले में होती हैं और दो लड़ें दोनों कंधों पर से जनेऊ की तरह बांहों के नीचे होती हैं, जो छाती और पीठ तक लटकी रहती हैं। छठ व्रत की आस्था और पवित्रता के साथ इसके कार्य किए जाते हैं। इसमें भागलपुर की मुस्लिम महिलाओं का योगदान भी असीम है। छठ पर आपसी सद्भाव, भाईचारा और सौहार्द की अनोखी बानगी भागलपुर के काजीचक खरादी टोला पन्नामील में देखने को मिलती है। यहां बद्धी का निर्माण मुस्लिम महिलाएं पूरी आस्था और श्रद्धा के साथ करती हैं। काजीचक खरादी टोला की रहने वाली मुस्लिम महिलाओं ने गंगा-जमुई तहजीब को चरितार्थ कर रखा है। महजब की दीवारें तोड़ते हुए यहां की महिलाओं ने मांसाहार को त्याग रखा है। बद्धी निर्माण में लगी इन महिलाओं ने प्रसाद के तौर पर प्रयोग किए जाने वाले बद्धि को पूरी नेम निष्ठा और पाक साफ तरीके से तैयार किया है। छठ पर्व में पवित्रता का विशेष महत्व है, इसे ध्यान में रखते हुए ही मुस्लिम माताओं-बहनों ने पूरी निष्ठा से बद्धी निर्माण किया है। कुल मिलाकर सामाजिकक सद्भाव और समरसता का ऐसा दूसरा उदाहरण शायद ही अन्य पर्वों में देखने को मिले। सभी जाति-धर्म से ऊपर उठकर पवित्रता और आस्था के महासागर पर एक साथ साथ डुबकी लगाते नजर आते हैं। बद्धी निर्माण करने वाली महिलाएं बताती हैं कि दर्जनों मुस्लिम परिवार इस माला को बनाते हैं। ये काम कई सालों सो होता आ रहा है। पुश्तैनी काम है, अनंत हो या डोरा और जितिया बंधन आदि का निर्माण भी यहां की महिलाएं करती हैं। काजीचक, लोहापट्टी, हुसैनाबाद और नाथनगर की तकरीबन 60-70 मुस्लिम महिलाएं पर्व के मौके पर बद्धी का निर्माण करती हैं। पुरुष कारीगर बताते हैं कि पहले कच्चे माल को कोलकाता या दिल्ली से मगाया जाता है। ये धागा होता है जिसे किर्चि कहा जाता है। किर्ची से ही बद्धी का निर्माण होता है। महिलाओं और युवतियां मन लगाकर पाक-साफ तरीके से इस कार्य में जुट जाती हैं। भागलपुर के अलावा, नवगछिया, पूर्णिया, मुंगेर, लखीसराय, बांका, कटिहार आदि कई जिलों में इसकी सप्लाई होती है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**